दैनिक
बुलन्द मंज़िल
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797

उ.प्र. के जनपद सम्भल से प्रकाशित...
बरेली मण्डल व मुरादाबाद मण्डल के जनपद अमरोहा, रामपुर, बिजनौर से प्रसारित...

वर्ष : 01 | अंक : 118 | संभल, शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 | पृष्ठ : 12 | मूल्य: 05/-रू.

पेज :- 03- महानगर के 9 मंडलों में मन की बात , डॉ श्यामा प्रसाद...
पेज :- 04- रोटरी क्लब हापुड़ के नवनियुक्त अध्यक्ष मुस्लिम कुरैशी..

मुख्यमंत्री का जोर, डिजिटल प्लेटफॉर्म और ब्रांडिंग से बुनकरों को सीधे उपभोक्ताओं से जोड़ा जाए

लखनऊ,: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बुनकर केवल परंपरा के संवाहक नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था के सशक्त आधार हैं। ऐसे में उनकी आय, सम्मान और आजीविका की स्थिरता सुनिश्चित करना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में बुनकरों के सामने कच्चे माल की बढ़ती लागत, डिजाइन और आधुनिक तकनीक का अभाव तथा सीमित बाजार पहुंच जैसी चुनौतियां हैं। इन समस्याओं का समाधान केवल योजनागत सहायता से नहीं, बल्कि एक सुदृढ़ एवं समन्वित तंत्र विकसित कर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने इस दिशा में परिणामोन्मुख, क्लस्टर-आधारित नई कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। गुरुवार को हथकरघा विभाग की समीक्षा बैठक में अवगत कराया गया कि प्रदेश में लगभग 1.99 लाख बुनकर कार्यरत हैं और उत्तर प्रदेश इस क्षेत्र में देश में छठवें स्थान पर है। कालीन, दरी एवं मैट के उत्पादन में प्रदेश अग्रणी है, जबकि बेडशीट, फर्निशिंग और ब्लैंकेट जैसे उत्पादों में भी राज्य की मजबूत उपस्थिति है। वर्ष 2024-25 में देश का कुल हथकरघा निर्यात 1178.93 करोड़ रहा, जिसमें उत्तर प्रदेश का योगदान 109.40 करोड़ (लगभग 9.27 प्रतिशत) रहा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि बुनकर बहुल क्षेत्रों की पहचान कर वहां क्लस्टर विकसित किए जाएं, ताकि उत्पादन, गुणवत्ता और विपणन को एकीकृत किया जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये क्लस्टर केवल उत्पादन तक सीमित न रहकर पूर्ण वैल्यू चेन के रूप में विकसित हों, जहां डिजाइन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग और बाजार तक पहुंच एक ही ढांचे में सुनिश्चित हो। बैठक में क्लस्टर चयन, बेसलाइन सर्वे, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने, प्रभावी क्रियान्वयन तथा सतत अनुश्रवण जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक क्लस्टर में सीमित संख्या में बुनकरों को संगठित कर पंजीकृत इकाइयों के रूप में विकसित किया जाए, जिससे सामूहिक उत्पादन और विपणन को बढ़ावा मिले। साथ ही, इन क्लस्टरों को आधुनिक तकनीक, उन्नत उपकरणों और कौशल प्रशिक्षण से जोड़ा जाए, ताकि उत्पादों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार हो। डिजाइन और विपणन को सुदृढ़ बनाने पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्पाद की सफलता बाजार की मांग के अनुरूप होने पर ही संभव है।

बंगाल में तीसरी रैली : पीएम मोदी ने बीरभूम में भी फूंका बदलाव का बिगुल

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीरभूम रैली में टीएमसी सरकार पर घुसपैठ, कानून-व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर घुसपैठियों और उनके मददगारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। पीएम ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान के मुद्दे पर भी टीएमसी को घेरा और बदलाव का भी आह्वान किया। पश्चिम बंगाल में प्रधानमंत्री आज लगातार तीन रैली कर रहे हैं। हले पीएम मोदी ने हल्दिया की रैली संबोधित किया था। वहां उन्होंने जनता को विकास की गारंटी दी, जबकि आसनसोल में टीएमसी के 'पापों' का हिसाब लेने की चेतावनी दी। वहीं, बीरभूम की रैली में भी उन्होंने टीएमसी पर बड़ा हमला बोला। अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि बीरभूम की ऐतिहासिक धरती ने संथाल क्रांति को ऊर्जा दी थी। आज उसी बीरभूम में

परिवर्तन की आंधी नजर आ रही है। मेरे सामने ये विशाल जनसागर परिवर्तन की घोषणा कर रहा है। साथियों, रबींद्र नाथ टेगोर ऐसा समाज देखना चाहते थे। हर कोई भयमुक्त हो, लेकिन टीएमसी के गुंडाराज ने एकदम उल्टा कर दिया। ये हमेशा मां, माटी और मानुष की बात करते थें। लेकिन टीएमसी के राज में मां रो रही है। माटी पर घुसपैठियों का कब्जा हो रहा है और मानुष भयभीत है। डरा हुआ है। सहमा हुआ है। पीएम ने कहा कि यह स्थिति बदलने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है। घुसपैठ पर क्या बोले पीएम मोदी? पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की जमीन पर घुसपैठियों का कब्जा खतरनाक स्तर तक पहुंच गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी का सिंडिकेट घुसपैठियों को फर्जी सरकारी दस्तावेज दिलाने में मदद कर रहा है। उनके मुताबिक यह सिर्फ राज्य नहीं, बल्कि देश की सुरक्षा के लिए भी बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अगर बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है, तो घुसपैठ के खिलाफ विशेष जांच कराई जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि घुसपैठियों के हर मददगार की पहचान की जाएगी, चाहे वह कितना ही ताकतवर क्यों न हो। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को जेल भेजा जाएगा और घुसपैठियों को बाहर किया जाएगा।

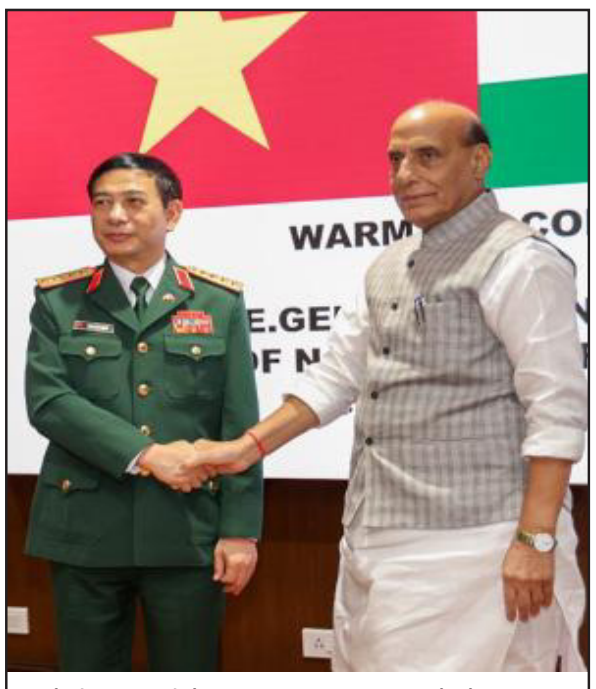

केंद्रीय रक्षा मंत्री ने जनरल फान वान जियांग को सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ वियतनाम के उप प्रधानमंत्री और राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के रूप में उनकी नियुक्ति पर बधाई दी है।

अखिलेश ने सरकार पर कसा तंज

भाजपाइयों के लिए एआई का मतलब इनकम

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सरकार जाते-जाते हर तरीके से जनता से पैसे वसूलने में लगी हुई है। उन्होंने कहा कि पहले ट्रैफिक पुलिस के माध्यम से वसूली कराई जा रही थी और अब एआई के नाम पर जनता को लूटने का नया तरीका निकाला गया है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपाइयों के लिए एआई का मतलब आमदनी (इनकम) बन गया है। यादव ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, ट्रैफिक जाम के पीछे कई वास्तविक कारण हैं, जिन पर सरकार ध्यान नहीं दे रही है। इसकी वजह सड़कों की खराब स्थिति, संकरी सड़कें, खराब ट्रैफिक सिग्नल, नाकाबंदी, रूट डायवर्जन, वन-वे व्यवस्था की कमी,

जलभराव, डिवाइडर की खराब हालत और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन आदि है। ट्रैफिक पुलिस की कार्य परिस्थितियां भी बेहद खराब हैं और उन्हें बुनियादी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हैं। ड्राइवरों पर समय पर पहुंचने का दबाव, मानसिक तनाव और वाहनों की खराब फिटनेस भी दुर्घटनाओं और जाम की वजह बन रही है।श सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस की मौजूदगी कम रहती है, जबकि आगे मोड़ों पर छिपकर चालान काटने की प्रवृत्ति बढ़ गई है। उन्होंने यह भी कहा कि अब डिजिटल पेमेंट के जरिए वसूली का नया तरीका अपनाया जा रहा है, जिससे जवाबदेही और पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं। सीसीटीवी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अक्सर रिकॉर्डिंग केवल चुनिंदा मामलों में ही उपलब्ध कराई जाती है, जबकि अन्य मामलों में तकनीकी खराबी का हवाला दिया जाता है। अखिलेश यादव ने कहा कि जनता अब इस व्यवस्था से परेशान हो चुकी है और भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर करने के लिए तैयार है।

सीओपी33 में नई आम सहमति बनाने का दबाव पड़ता, इसलिए मेजबानी से अलग हुई सरकार: कांग्रेस

नई दिल्ली । कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि सरकार ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु सम्मेलन कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज (सीओपी33) की मेजबानी नहीं करने का फैसला किया क्योंकि इस सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में भारत पर जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में एक नई आम सहमति बनाने के लिए अधिक दबाव पड़ सकता था, जिसमें भविष्य के लिए लक्ष्यों को बढ़ाना भी शामिल होता। भारत ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सीओपी33 की मेजबानी करने के अपने प्रस्ताव को वापस ले लिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2023 में दुबई में आयोजित सीओपी28 के दौरान भारत को सीओपी33 के मेजबान के रूप में प्रस्तावित किया था।

सार संक्षेप

थिरुकन्नूर मतदान केंद्र पर भिड़े कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ता, पुलिस ने किया लाठी चार्ज

पुडुचेरी। पुडुचेरी में मन्नादिपेट विधानसभा क्षेत्र के थिरुकन्नूर के मतदान केंद्र पर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यकताओं के बीच हुई झड़प को शांत करने के लिए पुलिस को लाठी चार्ज करना पड़ा। मन्नादिपेट विधानसभा क्षेत्र में मुख्य मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच है। यहां गृह मंत्री ए. नमशिवायम की भिड़ंत कांग्रेस के पूर्व उपाध्यक्ष सेल्वम से हो रही है। थिरुकन्नूर के सरकारी उच्चतम माध्यमिक विद्यालय में बने मतदान केंद्र पर भाजपा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता जमा हो गए। इसके बाद वहां पहुंचे कांग्रेस के कार्यकताओं ने उनकी मौजूदगी पर सवाल उठाया और तर्क दिया कि मतदान केंद्र के अंदर केवल मतदाताओं को ही मौजूद रहने की अनुमति है। इसके बाद दोनों गुटों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो बाद में एक हिंसक झड़प में बदल गई। पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और दोनों गुटों को वहां से खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

बिहार में बीच सड़क दिनदहाड़े युवक की सिर काटकर हत्या

अररिया। बिहार के अररिया जिले में खौफनाक वारदात हुई है। यहां बीच सड़क एक युवक का सिर धड़ से अलग कर दिया गया है। युवक का सिर सरेआम सड़क पर काफी देर तक पड़ा रहा। इसके अलावा उसका धड़ भी सड़क पर काफी वक्त तक पड़ रहा। सड़क पर मौजूद लोग इस भयानक हत्याकांड को देख सिहर उठे। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह करीब 10 बजे फारबिसगंज सुभाष चौक स्थित मार्केटिंग यार्ड के समीप कहासुनी के बाद आवेश में आकर सत्तू बिक्रेता ठेला चालक ने पिकअप ड्राइवर की हत्या कर दी। सत्तू बिक्रेता ने पिकअप चालक का सिर धड़ से अलग कर दिया। मृतक पिकअप चालक 42 वर्षीय अली हुसैन जोगबनी थाना क्षेत्र के अमोना गांव का रहने वाला था इस जघन्य वारदात के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। इसके बाद आक्रोशित भीड़ ने एक घर में छिपे आरोपी सत्तू बिक्रेता को पकड़ लिया। भीड़ ने पहले उसे बाहर खींचकर निकाला। उसके बाद उसकी पीट-पीट कर हत्या कर दी। मृतक सत्तू विक्रेता रवि चौहान (30 वर्ष) फारबिसगंज सुल्तान पोखर का रहने वाला था। घटना के बाद से शहर की स्थिति तनावपूर्ण है। इधर घटना की सूचना मिलने ही एसपी जितेंद्र कुमार फारबिसगंज पहुंच पूरी जानकारी ली। बिहार में सुबह-सुबह डबल मर्डर ने राज्य में कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जीजीएसआईपीयू ने समाज को दिशा दिखाई : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली । गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का 18वां दीक्षांत समारोह बृहस्पतिवार को पूर्वी दिल्ली के सूरजमल विहार स्थित परिसर में आयोजित किया गया। जीजीएसआईपीयू के कुलपति महेश वर्मा ने विश्वविद्यालय की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए कहा कि कुल 26,649 डिग्रियां प्रदान की गईं, जिनमें 124 पीएचडी, 11 एमफिल, 2,873 स्नातकोत्तर, 22,455 स्नातक और 477 एमबीबीएस डिग्रियां शामिल हैं। दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय ने ष्देश, विश्व और समाज को दिशा दिखाई है। उन्होंने कहा कि स्नातक होने वाले छात्र न केवल अपने करियर को आगे बढ़ाएंगे बल्कि भारत को आगे ले जाने के लिए अपने विचार और दृष्टिकोण भी प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री ने मेडल व डिग्रियां प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए श्एक्सश पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी विकसित भारत के संकल्प को आगे ले जाने वाली शक्ति हैं। आपकी सफलता ही देश की सफलता को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगी। उन्होंने कहा, हमारे युवाओं को जिस तरह की शिक्षा चाहिए, जैसी सुविधाएं चाहिए, हमारी सरकार उसी पर फोकस कर रही है। दिल्ली के उपराज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति तरनजीत सिंह संधू, दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के अध्यक्ष योगेश सिंह के साथ दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद व्यक्तिगत प्रतिबद्धताओं के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। उन्होंने वीडियो संदेश के माध्यम से स्नातक छात्रों को बधाई दी।

बंगाल में पर्यवेक्षक पद से हटाए गए आईएएस अधिकारी अनुराग यादव

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों के दौरान चुनाव आयोग की एक हाई-लेवल वर्चुअल समीक्षा बैठक में तीखी बहस हुई। उत्तर प्रदेश कैडर के 2000 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग यादव को कूच बिहार दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के जनरल ऑब्जर्वर पद से हटा दिया गया है। 8 अप्रैल को कोलकाता में आयोजित वर्चुअल बैठक में 294 ऑब्जर्वर शामिल थे। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने अनुराग यादव से उनके क्षेत्र की बुनियादी जानकारी, जैसे मतदान केंद्रों की संख्या, पूछी। अनुराग यादव जवाब देने में देरी कर गए और सही-सही जानकारी नहीं दे पाए। इस पर मुख्य चुनाव आयुक्त नाराज हो गए और कहा कि घर वापस चले जाओह्व। जवाब में अनुराग यादव ने कहा, आप हमसे इस तरह बात नहीं कर सकते। हमने इस आईएएस सेवा में 25 साल दिए हैं। बैठक में सन्नाटा छा गया। चुनाव आयोग की कार्रवाईचुनाव आयोग ने इस घटना को गंभीर लापरवाही माना। आयोग के अनुसार, संवेदनशील कूच बिहार क्षेत्र में बुनियादी जानकारी न रखना स्वीकार्य नहीं है। शून्य सहनशीलता की नीति अपनाते हुए अनुराग यादव को तुरंत पद से हटा दिया गया और उनकी जगह नया ऑब्जर्वर नियुक्त कर दिया गया।

गैस रिसाव के बाद क्वार्टर में लगी आग, 7 बच्चों समेत 11 लोग झुलसे

हरियाणा। यमुनानगर में बृहस्पतिवार को प्रवासी मजदूरों के एक आवासीय क्वार्टर में गैस रिसाव के बाद एलपीजी सिलेंडर में आग लगने से विस्फोट हो गया, जिसमें सात बच्चों

सहित 11 लोग झुलस गए। हरियाणा के यमुनानगर जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है। बृहस्पतिवार सुबह सलेमपुर बांगर इलाके में प्रवासी मजदूरों के एक आवासीय क्वार्टर में एलपीजी सिलेंडर फटने से 7 बच्चों समेत कुल 11 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। धमाका इतना जोरदार था कि क्वार्टर की दीवारें तक ढह गईं। जगाधरी (सदर) थाना प्रभारी तरसेम कुमार के अनुसार, यह घटना एक स्थानीय कारखाने के पास बने लेबर क्वार्टर में हुई। सुबह के समय एक परिवार लकड़ी के चूल्हे पर खाना बना रहा था। इसी दौरान पास में रखे एक गैस सिलेंडर से रिसाव शुरू हो गया। चूल्हे की चिंगारी ने लीक हो रही गैस को पकड़ लिया, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और सिलेंडर में जबरदस्त विस्फोट हो गया। विस्फोट के प्रभाव से कमरे की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। उन्होंने बताया, पास में रखे एक सिलेंडर से गैस का रिसाव हुआ और इसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयंकर रूप धारण कर लिया और फिर इसमें धमाका हुआ, जिससे क्वार्टर की दीवारें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं।

राहुल गांधी ने सीएपीएफ बिल को लेकर सरकार पर साधा निशाना, कहा

हमारी सरकार आई तो न्याय होगा

नई दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने संसद से हाल ही में पारित किए गए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) से संबंधित विधेयक का हवाला देते हुए वीरवार को कहा कि केंद्र में उनकी पार्टी की सरकार आते ही इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त कर सीएपीएफ जवानों को उनका पूरा अधिकार दिया जाएगा। उन्होंने सीआरपीएफ शौर्य दिवस के मौके पर एक संदेश में यह भी कहा कि यह जरूरी है कि सीएपीएफ बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों। संसद ने वर्तमान बजट सत्र में पिछले सप्ताह केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी थी। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने इस विधेयक के संबंध में विपक्ष की आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा था कि यह सीएपीएफ के किसी भी वर्ग के अहित में नहीं है और यह बलों को अधिक सशक्त बनाने में सहायक होगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने राहुल गांधी ने वीरवार को एक्स पर पोस्ट किया, सीआरपीएफ शौर्य दिवस पर इस बल के हमारे साहसी और वीर जवानों को हार्दिक बधाई और सादर नमन। आपका साहस और बलिदान हर दिन हमारे देश की रक्षा करता है। आप सीमाओं पर तैनात रहकर देश को सुरक्षित रखते हैं, आतंकवाद और नक्सलवाद से लोहा लेते हैं, और लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव, चुनावों को शांतिपूर्ण और सुरक्षित बनाते हैं। उन्होंने कहा, सच्ची श्रद्धांजलि केवल शब्दों से नहीं होती। वर्षों के त्याग, तपस्या और सेवा के बावजूद सीएपीएफ जवानों को न तो समय पर पदोन्नति मिलती है, न ही अपने ही बल का नेतृत्व करने का अधिकार, क्योंकि शीर्ष पद बल से बाहर के लोगों के लिए आरक्षित हैं। उनका कहना है कि सीएपीएफ के जवान विशेष प्रशिक्षण, जमीनी अनुभव और गहरी रणनीतिक समझ रखते हैं, इसलिए राष्ट्रीय सुरक्षा के नजरिए से भी यह जरूरी है कि इन बलों का नेतृत्व उसी सिस्टम से आने वाले लोग करें, जो उनकी चुनौतियों और जरूरतों को सही मायनों में समझते हों। राहुल गांधी ने कहा, नेतृत्व के अवसरों से वंचित रखने से लेकर वेतन, कल्याण और सम्मान से जुड़े, लंबे समय से लंबित मुद्दों तक - यह संस्थागत अन्याय उन जवानों के मनोबल को ठेस पहुंचाता है, जो अपना जीवन देश की सुरक्षा में समर्पित कर देते हैं। यह सिर्फ करियर का सवाल नहीं, बल्कि न्याय और सम्मान का मुद्दा है। मैं और कांग्रेस पार्टी आपका पूरा आदर और आपसे मोहब्बत करते हैं और मानते हैं कि अपने बल में आपकी तरक्की, शीर्ष नेतृत्व और सम्मान आपका हक है - हमारी सरकार आते ही इस भेदभावपूर्ण व्यवस्था को समाप्त किया जाएगा और सीएपीएफ जवानों को उनका पूरा अधिकार दिया जाएगा।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल

सम्पादकीय

संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

अस्थायी युद्ध विराम, स्थायी अवसर

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा घोषित अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम निःसंदेह वैश्विक तनाव को अस्थायी राहत देने वाला कदम है। खासकर स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के फिर से खुलने की संभावना ने ऊर्जा बाजारों और व्यापारिक गतिविधियों में स्थिरता की उम्मीद जगाई है। लेकिन यह राहत स्थायी शांति का संकेत नहीं, बल्कि एक संवेदनशील विराम है और यही बिंदु भारत के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। भारत जैसे ऊर्जा-निर्भर देश के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य का महत्व अत्यंत गहरा है। भारत अपने कच्चे तेल का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आयात करता है और इस मार्ग से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। ऐसे में किसी भी सैन्य टकराव या अवरोध का सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था, महंगाई और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। इस दृष्टि से यह सीजफायर भारत के लिए तात्कालिक राहत लेकर आया है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम को केवल आर्थिक नजरिए से देखना पर्याप्त नहीं होगा। भारत की विदेश नीति लंबे समय से संतुलन और रणनीतिक स्वायत्तता पर आधारित रही है। एक ओर भारत के अमेरिका के साथ मजबूत सामरिक और आर्थिक संबंध हैं, वहीं दूसरी ओर ईरान के साथ उसके ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और ऊर्जा संबंध भी गहरे हैं। इसके अलावा इजराइल के साथ रक्षा और तकनीकी सहयोग भी तेजी से बढ़ा है। ऐसे में यह त्रिकोणीय समीकरण भारत के लिए बेहद संवेदनशील बन जाता है। इस युद्धविराम ने भारत को एक बार फिर यह अवसर दिया है कि वह अपनी 'संतुलित कूटनीति' को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करे। भारत ने अब तक किसी पक्ष का खुला समर्थन करने के बजाय संयमित प्रतिक्रिया दी है, जो उसकी परिपक्व विदेश नीति का संकेत है। यह रुख न केवल भारत को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करता है, बल्कि भविष्य में मध्यस्थता या शांति स्थापना की भूमिका के लिए भी मार्ग प्रशस्त करता है। इसके साथ ही, भारत के लिए एक बड़ा सबक यह भी है कि उसे अपनी ऊर्जा रणनीति को और विविध बनाना होगा। बार-बार खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न होने वाले संकट यह संकेत देते हैं कि अत्यधिक निर्भरता जोखिमपूर्ण हो सकती है। नवीकरणीय ऊर्जा, वैकल्पिक आपूर्ति स्रोतों और रणनीतिक भंडारण की दिशा में भारत को और तेजी से काम करना होगा। इस सीजफायर के राजनीतिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। ईरान और अमेरिका दोनों ने अपनी-अपनी जीत का दावा किया है, जो इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तर पर मतभेद अभी भी गहरे हैं। मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें यह स्पष्ट करती हैं कि युद्धविराम पूरी तरह लागू नहीं हुआ है। ऐसे में यह आशंका बनी हुई है कि यह विराम किसी भी समय टूट सकता है। भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह इस अनिश्चितता के बीच अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा कैसे करे। उसे एक ओर अपने प्रवासी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है, तो दूसरी ओर व्यापारिक और ऊर्जा आपूर्ति को भी बनाए रखना है। इसके अलावा, वैश्विक मंचों पर शांति और संवाद की वकालत करते हुए अपनी साख को और मजबूत करना भी आवश्यक है। आखिरकार, यह युद्धविराम भारत के लिए राहत का क्षण जरूर है, लेकिन साथ ही यह एक चेतावनी भी है। यह बताता है कि वैश्विक राजनीति में स्थिरता क्षणिक हो सकती है और हर संकट के भीतर एक अवसर छिपा होता है। भारत के लिए यह समय है कि वह अपनी कूटनीतिक चतुराई, आर्थिक तैयारी और रणनीतिक संतुलन के बल पर न केवल इस स्थिति का सामना करे, बल्कि इसे अपने दीर्घकालिक हितों के अनुरूप ढाले।

आइए, हम मिलकर भारत की नारी शक्ति को सशक्त करें

सामयिक

नरेन्द्र मोदी

21वीं सदी की विकास यात्रा में हमारा भारत एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण की ओर आगे बढ़ रहा है। आने वाले दिनों में हम अपने लोकतंत्र को और मजबूत करने वाली एक बड़ी पहल के साक्षी बनने वाले हैं। यह ऐसा अवसर है, जब समानता, समावेशन और जनभागीदारी के प्रति हमारी राष्ट्रीय प्रतिबद्धता एक नए रूप में सामने आएगी है। यह ऐसा समय है, जब हमारे देश की संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है। उसे ऐसा कदम आगे बढ़ाना है, जो हमारे लोकतंत्र को अधिक व्यापक एवं और अधिक प्रतिनिधिक बनाए। संसद का यह निर्णय महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को नई शक्ति देगा और लोकसभा और विधानसभाओं संस्थाओं में उनका उचित स्थान सुनिश्चित करेगा।

यह क्षण इसलिए भी विशेष है, क्योंकि यह ऐसे समय में आ रहा है जब देश का वातावरण उत्सव, नवीनता और सकारात्मकता से भरा हुआ है। आने वाले दिनों में भारत के अलग-अलग हिस्सों में अनेक पर्व मनाए जाएंगे। असम के लोग रोंगाली बिहू मनाने वाले हैं, और ओडिशा में महा बिशुबा पणा संक्रांति का उत्सव मनाया जाएगा। पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख के साथ बंगाली नववर्ष की शुरुआत होगी। केरलम में विषु पूरे उत्साह के साथ मनाया जाएगा। तमिलनाडु के लोग उत्सुकता से पुथांडु की प्रतीक्षा कर रहे हैं, तो पंजाब और उत्तर भारत के अन्य हिस्सों में लोगों को बैसाखी के पर्व का इंतजार है। हमारे ये पावन पर्व हर किसी में एक नई आशा का संचार करने वाले हैं। भारत के साथ-साथ दुनियाभर में इन त्योहारों को मनाने वाले सभी लोगों को मैं हृदय से शुभकामनाएं देता हूं। मैं ये कामना करता हूं कि ये दिव्य और पावन अवसर हम सभी के जीवन में सुख-समृद्धि लेकर आएं। इसी दौरान 11 अप्रैल से महात्मा फुले की 200वीं जयंती के समारोह भी शुरू होंगे। 14 अप्रैल को हम भारतवासी डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाएंगे। ये दोनों तिथियां हमें सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा के उन मूल्यों की भी याद दिलाती हैं, जिन्होंने आधुनिक होते भारत की दिशा तय की हैं।

इन्हीं प्रेरणादायी अवसरों के बीच, 16 अप्रैल को संसद की ऐतिहासिक बैठक होगी। महिला आरक्षण को लागू करने से जुड़े महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा के बाद उसे पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुलाया गया है। इसे सिर्फ एक विधायी प्रक्रिया कहना इसके महत्व को कम करके आंकना होगा। यह भारतवर्ष की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब है।

हमारी नारी शक्ति देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया है। आज देश के हर सेक्टर में नारी शक्ति मिसाल बन रही है। साइंस एंड टेक्नोलॉजी से लेकर एंटरप्रेन्योरशिप तक, खेल के मैदान से लेकर सशस्त्र बलों तक और संगीत से लेकर कला के क्षेत्र में महिलाएं अपनी सशक्त पहचान बना रही हैं। हमारी माताएं-बहनें और बेटियां देश की प्रगति में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

हमारे पारंपरिक मूल्य बताते हैं कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब माताओं-बहनों को आगे बढ़ने के ज्यादा से ज्यादा मौके मिलते हैं। इसी सोच के साथ बीते 11 वर्षों में महिला सशक्तिकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार करने पर जोर दिया गया है, इसके लिए निरंतर प्रयास किए गए हैं। शिक्षा तक बढ़ती पहुंच, बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय समावेशन में बढ़ोतरी और बुनियादी सुविधाओं तक बेहतर पहुंच ने आर्थिक और सामाजिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी को मजबूती दी है।

लेकिन ये भी सच्चाई है कि इन सारे प्रयासों के बावजूद भी राजनीति और विधायी संस्थाओं में महिलाओं प्रतिनिधित्व समाज में उनकी भूमिका के अनुरूप नहीं रहा है। इस कमी को अब दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि जब महिलाएं प्रशासन चलाने और प्रशासनिक निर्णयों में हिस्सा लेती हैं,

तो उनका अनुभव और विजन बहुत काम आता है। इससे चर्चा तो समृद्ध होती ही है, क्वालिटी ऑफ गवर्नेंस में सुधार भी होता है। महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना केवल प्रतिनिधित्व का विषय नहीं है, ये हमारे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील, अधिक संतुलित और अधिक उत्तरदायी बनाने का प्रयास है।

पिछले कई दशकों में लोकतांत्रिक संस्थाओं में महिलाओं को उनका उचित स्थान दिलाने के लिए बार-बार प्रयास हुए हैं। समितियां गठित की गईं, विधेयकों के मसौदे प्रस्तुत किए गए, लेकिन वे कभी पारित नहीं हो सके। फिर भी, इस बात पर व्यापक सहमति रही है कि विधायी निकायों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ना चाहिए। सितंबर 2023 में संसद ने सर्वसम्मति से नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित किया था। यह मेरे जीवन के सबसे विशेष अवसरों में से एक रहा है। अब जरूरत है कि 2029 के लोकसभा चुनाव और आने वाले समय में राज्यों के विधानसभा चुनाव महिला आरक्षण के प्रावधानों के साथ कराए जाएं।

महिलाओं के लिए आरक्षण सुनिश्चित करने का यह अवसर हमारे संविधान की मूल भावना के साथ गहराई से जुड़ा है। हमारे संविधान निर्माताओं ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी, जहां समानता न केवल संविधान में निहित हो, बल्कि उसे व्यवहार में भी लाया जाए। विधायी संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना, उस परिकल्पना को साकार करने की दिशा में एक अहम कदम है। यह एक ऐसे समाज के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जिसमें राष्ट्र का भविष्य तय करने में प्रत्येक नागरिक की समान भूमिका हो।

अब इस निर्णय को और टाला नहीं जा सकता। दशकों से इसकी आवश्यकता को स्वीकार किया गया है। इस पर चर्चा हुई है, इसे बार बार दोहराया गया है। अगर अब भी हम इसे आगे टालते हैं, तो उसका अर्थ यही होगा कि हम उस असंतुलन को और लंबा खींच रहे हैं, जिसे हम पहचानते भी हैं और सुधारने की क्षमता भी रखते हैं। आज भारत पूरे आत्मविश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। इसलिए ये जरूरी है कि हमारी संस्थाएं सभी नागरिकों, विशेष रूप से हमारी आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं का सम्मान करें। इससे न सिर्फ दशकों पुराना संकल्प पूरा होगा, बल्कि विकास की गति को बनाए रखने में भी बहुत मदद मिलेगी। यह हमारे लोकतंत्र को अधिक उत्तरदायी बनाने और भविष्य के अनुरूप तैयार करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

यह समय सामूहिक संकल्प का है। यह किसी एक सरकार, एक दल या एक व्यक्ति का विषय नहीं है। यह पूरे राष्ट्र का विषय है। हमें मिलकर इस कदम के महत्व को समझना है और मिलकर ही इसे साकार करना है। यही हमारी नारी शक्ति के प्रति हमारा दायित्व भी है, इसलिए महिला आरक्षण बिल को पारित कराने के लिए सहमति बहुत जरूरी है। इसे बड़े राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर देखा जाना चाहिए। ऐसे अवसर हमें यह याद दिलाते हैं कि कुछ फैसले अपने समय से बड़े होते हैं। वे आने वाली पीढ़ियों की दिशा तय करते हैं। ये हमें याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की असली ताकत समय के साथ खुद को और अधिक न्यायपूर्ण और अधिक समावेशी बनाने की क्षमता में होती है।

संसद का यह ऐतिहासिक सत्र करीब आ चुका है। मैं सभी दलों के सांसदों से हमारी नारी शक्ति के लिए इस महत्वपूर्ण कदम का समर्थन करने का आग्रह करता हूं। हम जिम्मेदारी और दृढ़ संकल्प के साथ इस दायित्व को पूरा करें। आइए, हम अपने लोकतंत्र की सर्वोच्च परंपराओं के अनुरूप इसमें अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री है)

मध्य पूर्व में तनाव

अमेरिका-ईरान-इजराइल के बीच युद्धविराम व भ्रम

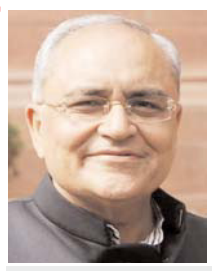

बलबीर पुंज

दुनिया कई बार ऐसे मोड़ों पर आ खड़ी होती है, जहां शांति का हर दावा खोखला और जीत का हर शोर अधूरा लगता है। ईरान और अमेरिका-इजराइल टकराव का ताजा अध्याय भी कुछ ऐसा ही है– ऊपर से सन्नाटा, भीतर से सुलगता हुआ संघर्ष। दोनों के बीच हुए दो हफ्तों के युद्धविराम की घोषणा ने दुनिया को उस खाई के किनारे से खींच लिया, जहां हालात किसी महाविनाश की ओर बढ़ते दिख रहे थे। पांच हफ्ते से अधिक चला यह युद्ध पूरी दुनिया को बेचैन किए रहा। दोनों पक्ष खुद को विजेता बता रहे हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि यहां किसी की साफ जीत नहीं हुई– यह दोनों के लिए नुकसान का सौदा अधिक है। निसंदेह, इस संघर्ष में अमेरिका और ट्रंप की साख को जबरदस्त झटका लगा है। ट्रंप प्रशासन इस युद्धविराम को अपनी रणनीतिक सफलता बताते हुए दावा करता है कि उसने ईरान को होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए मजबूर किया। लेकिन हकीकत कुछ और है। यह सामरिक रूप से महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग, तमाम बयानबाजी के बावजूद कभी भी पूरी तरह बंद नहीं हुआ– न फरवरी 2026 से पहले और न ही 2023 में इजराइल पर हमास के भीषण हमले या 2025 में ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिका-इजराइल हमलों के बाद।

ऐसे में जो समुद्री मार्ग इस युद्ध से पहले वर्षों से खुला हुआ था, उसे अमेरिका द्वारा फिर से खुलवाना, वह भी मात्र 15 दिन के लिए और उसे उसे अपनी जीत की तरह प्रस्तुत करना, कुतर्क और हास्यास्पद है। उसका उद्देश्य कभी होर्मुज रहा ही नहीं था। दरअसल, 'एपिक फ्यूरी' (2026) और 'मिडनाइट हैमर' (2025) जैसे अमेरिकी सैन्य अभियानों के जरिए ईरान के परमाणु कार्यक्रम को खत्म करना और वहां सत्ता परिवर्तन लाना अमेरिका का असली मकसद था। लेकिन इतनी ताकत झोंकने के बावजूद ये लक्ष्य पूरे नहीं हुए। सैंकड़ों भीषण मिसाइल-ड्रोन हमलों से ईरान का परमाणु ढांचा कमजोर जरूर पड़ा, लेकिन खत्म नहीं हुआ। उसका वैज्ञानिक आधार और क्षमता अभी भी कायम है। सबसे अहम– ईरान में जिस आंतरिक विद्रोह या इस्लामी सत्ता के ढहाने का प्रयास अमेरिका कर रहा था, वह पूरी तरह असफल हुआ।

इस युद्ध ने ईरान के बुनियादी ढांचे को बुरी तरह झकझोर दिया। इन्हें फिर से खड़ा करने में उसे सालों लग जाएंगे। लेकिन इतनी भारी तबाही के बावजूद न तो ईरान का मनोबल टूटा और न ही उसका इरादा टस से मस हुआ। युद्धविराम से कुछ घंटे पहले ही ट्रंप ने चेतावनी– 'आज रात पूरी सभ्यता खत्म हो जाएगी' बताती है कि हालात कितने खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुके थे। सबसे बड़ी चूक शायद यही रही कि अमेरिका ने वर्तमान ईरान की मानसिकता को समझने में रणनीतिक भूल कर दी। ट्रंप की लेन-देन वाली और बदजबान कूटनीति ने ईरानी जिद और लड़ने की ताकत को कम आंका। लगभग पांच दशकों में आयतोल्ला के इस्लामी शासन ने ऐसे लाखों फिदायीनों को तैयार किया है, जो मजहबी कारणों से मरना पसंद करते हैं। उनके लिए सांसारिक सुख-सुविधाएं गौण हैं; वे इस्लाम के लिए शहादत को एक उच्च आदर्श मानते हुए दूसरी दुनिया (जन्नत) में मिलने वाले पुरस्कारों की कामना करते हैं। यही विचारधारा ईरान की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। दूसरी ओर, ईरान ने तेजी से इस युद्धविराम को अपनी जीत के रूप में पेश किया। उसके आधिकारिक बयानों में इसे अमेरिका की 'करारी हार' बताया गया और दावा किया गया कि अमेरिका को उसकी कई शर्तें माननी पड़ीं– जैसे प्रतिबंधों में ढील, परमाणु संवर्धन के अधिकार की मान्यता और होर्मुज जलडमरूमध्य में उसकी भूमिका को स्वीकार करना। इन दावों में कितनी सच्चाई है, यह अभी साफ नहीं है। लेकिन एक बात स्पष्ट है कि लगातार हमलों के बावजूद टिके रहकर ईरान ने स्वयं को आंतरिक रूप से और क्षेत्रीय राजनीति में पहले से अधिक मजबूत किया है। कई लोगों ने सवाल उठाया कि इस मध्यस्थता के लिए भारत के बजाय पाकिस्तान को क्यों तरजीह मिली? बल्कि असली सवाल यह है कि क्या भारत को भी वही करना चाहिए था, जो पाकिस्तान ने ट्रंप को खुश करने के लिए किया? पाकिस्तान ने सुनियोजित राजनीतिक और आर्थिक चालें चलीं। जून 2025 में उसने ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया, तो जनवरी 2026 में ट्रंप परिवार से जुड़े 'वर्ल्ड लिबर्टी फाइनेंशियल' के साथ क्रिप्टो समझौता कर लिया। पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के प्रभाव में उठाए गए ये कदम उसकी लेन-देन आधारित कूटनीति का परिणाम हैं।

भारत ने ऐसा नहीं किया– और करना भी नहीं चाहिए था, क्योंकि वह कोई आठ दशक पुराना कृत्रिम राष्ट्र नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से स्थापित राष्ट्र है, जो अपने सम्मान से समझौता करके किसी नेता को खुश करने के लिए ऐसे सस्ते हथकंडे नहीं अपनाएगा। यदि इस टकराव को सिर्फ सैन्य या राजनीतिक नजरिए से देखा जाए, तो तस्वीर अधूरी रह जाएगी। पिछले एक हजार सालों का इतिहास बताता है कि जब-जब किसी विचारधारा ने खुद को एकमात्र सत्य माना, तब-तब हिंसक टकराव बढ़ा। यहूदी, ईसाई और इस्लामी परंपराओं के इतिहास में ऐसे कई दौर आए, जब मजहबी विश्वास सीधे खूनी संघर्ष में बदल गया। असल समस्या उस विचारधारा में है, जो मानती है कि उसका 'सत्य' ही अंतिम है। खूनी क्रूसेड्स, प्रारंभिक इस्लामी विस्तार और इंक्विजिशन– ये सब उसी मानसिकता की उपज थे। यरूशलम इसका जीवंत उदाहरण है, जहां सदियों से खून-खराबे का सिलसिला थमता नहीं दिखता।

ईरान-अमेरिका-इजराइल टकराव भी इसी जटिलता का एक हिस्सा है। एक तरफ ईरान है, जो हमास, हिज्बुल्लाह और हूती जैसे जिहादी संगठनों के जरिए अपना प्रभाव बढ़ाता है। दूसरी तरफ अमेरिका है, जो क्षेत्रीय संतुलन को अपने मुताबिक ढालना चाहता है। वहीं इजराइल अपनी ऐतिहासिक और सभ्यतागत असुरक्षा के कारण बेहद सख्त रुख अपनाता है। इसलिए मात्र दो हफ्तों का संघर्षविराम किसी स्थायी समाधान का संकेत नहीं, बल्कि एक रणनीतिक ठहराव है। असल चुनौती बहुत गहरी है। जब तक संकीर्ण एकेश्वरवादी मानसिकता पर सवाल नहीं उठेगा, तब तक यह संघर्ष यूं ही चलता रहेगा। इसलिए ईरान-अमेरिका-इजराइल के बीच युद्धविराम केवल अल्प-विराम है।

(स्तंभकार 'ट्रिस्ट विद अयोध्या : डिकॉलोनाइजेशन ऑफ इंडिया' और 'नैरेटिव का मायाजाल' पुस्तक के लेखक है)

नवकार दिवस आज

जब नवकार गूंजे ब्रह्मांड में, तब दिखे शांति का पथ

राजकुमार जैन

इक्कीसवीं सदी की यह दुनिया बाहर से जितनी चमकदार दिखती है, भीतर से उतनी ही बेचैन है। तकनीक ने हमें तेज, सक्षम और शक्तिशाली बनाया है, पर शायद उतना ही अधूरा भी। हमने अंतरिक्ष की दूरियां नाप लीं, लेकिन अपने भीतर की दूरी अब भी अनछुई है। यही वह विरोधाभास है, जहां प्रगति के शिखर पर खड़ा मनुष्य भीतर से अस्थिर और असंतुलित दिखाई देता है। ऐसे समय में जैन दर्शन का 'नवकार मंत्र' केवल एक धार्मिक उच्चारण नहीं, बल्कि एक गहरी मानवीय और वैश्विक चेतना का प्रस्ताव बनकर उभरता है। यह मंत्र किसी ईश्वर से याचना नहीं करता, बल्कि उन गुणों को प्रणाम करता है, जो मनुष्य को उसकी सर्वोच्च अवस्था तक ले जाते हैं। यही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है–यह हमें मांगने नहीं, बनने की प्रेरणा देता है। नवकार मंत्र का पहला पद 'नमो अरिहंताणं' हमें एक बिल्कुल नई दृष्टि देता है। आज दुनिया अपने शत्रुओं को सीमाओं, विचारधाराओं और संसाधनों में खोजती है, लेकिन यह मंत्र बताता है कि असली शत्रु बाहर नहीं, भीतर है। क्रोध, अहंकार, छल और लोभ, ये वे 'अरि' यानी शत्रु हैं, जिन्हें जीतना ही सच्ची विजय है। जो व्यक्ति स्वयं पर विजय पा लेता है, वही वास्तविक विजेता है। इस दृष्टि से देखें तो वैश्विक संघर्षों का मूल कारण बाहरी नहीं, बल्कि सामूहिक अहंकार है। नवकार मंत्र का पंच-परमेष्ठी ढांचा, अरिहंत,

सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और साहू, एक ऐसी आध्यात्मिक व्यवस्था प्रस्तुत करता है, जो किसी व्यक्ति-विशेष पर नहीं, बल्कि गुणों और साधना पर आधारित है। यह एक प्रकार का 'आध्यात्मिक लोकतंत्र' है, जहां हर आत्मा को आगे बढ़ने का अवसर है। यहां सम्मान का आधार शक्ति या संपत्ति नहीं, बल्कि आचरण और चेतना की शुद्धता है। आज की दुनिया, जो नेतृत्व और नैतिकता के संकट से जूझ रही है, उसके लिए यह एक अत्यंत प्रासंगिक मॉडल है। अहिंसा, जिसे अक्सर कमजोरी समझ लिया जाता है, नवकार के संदर्भ में एक गहरी रणनीतिक बुद्धिमत्ता बन जाती है। यह मंत्र सिखाता है कि हिंसा केवल हथियारों से नहीं, विचारों से भी जन्म लेती है। जब मन में द्वेष उत्पन्न होता है, वहीं से संघर्ष की शुरुआत होती है। वर्तमान वैश्विक संकट, चाहे वह किसी भी भूभाग में हो, इसी मानसिक हिंसा की परिणति हैं। नवकार का भाव हमें इस हिंसा को जड़ से समझने और समाप्त करने का मार्ग दिखाता है। इसके साथ ही, यह मंत्र 'वैश्विक नागरिकता' का एक प्राचीन और सशक्त विचार भी प्रस्तुत करता है। 'नमो लोए सव्व साहूणं' के साथ जब हम संपूर्ण लोक के साधुओं को नमन करते हैं, तो हम सीमाओं से परे एक साझा मानवता को स्वीकार करते हैं। यह दृष्टि हमें सिखाती है कि दुनिया एक अखंड इकाई है, कहीं भी पीड़ा होगी, उसका असर हर जगह महसूस होगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

पराक्रम दिवस पर विशेष

सरदार पोस्ट से बस्तर तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल का शौर्य

आचार्य ललित मुनि

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की स्थापना 27 जुलाई 1939 को क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में हुई थी। स्वतंत्र भारत में यह बल 18 दिसंबर 1949 को संसद अधिनियम द्वारा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नाम से जाना जाने लगा। आज यह देश की सबसे बड़ी अर्धसैनिक बल इकाई है जो आंतरिक सुरक्षा की रक्षा में निरंतर तैनात रहती है। लेकिन 9 अप्रैल का दिन इस बल के लिए विशेष महत्व रखता है। इसे पराक्रम दिवस या शौर्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिवस उन बहादुर जवानों की याद दिलाता है जिन्होंने 1965 में गुजरात के कच्छ के रण में सरदार पोस्ट पर पाकिस्तानी ब्रिगेड के हमले को मात्र दो कंपनियों की ताकत से विफल कर दिया। इस युद्ध में वे 6 जवान बलिदान हुए लेकिन उनकी वीरता ने पूरे बल को प्रेरणा दी और देश की सीमाओं की रक्षा का नया अध्याय लिखा। पराक्रम दिवस की कहानी शुरू होती है उस रेगिस्तानी इलाके से जहां रण की मिट्टी गर्म हवाओं और नमक के मैदानों से भरी थी। 9 अप्रैल 1965 की सुबह जब सूरज उगा तो सरदार पोस्ट पर तैनात केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की दूसरी बटालियन की दो कंपनियां लगभग 300 जवानों की संख्या में थीं। उनके सामने पाकिस्तानी सेना की इक्यावनवीं ब्रिगेड थी जिसमें लगभग 3500 सैनिक थे। आधुनिक हथियारों से लैस यह ब्रिगेड सरदार पोस्ट पर कब्जा करने

के उद्देश्य से हमला करने आई थी। लेकिन भारतीय जवानों ने अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए ऐसा प्रतिरोध किया कि दुश्मन को पीछे हटना पड़ा। उन्होंने 34 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराया और 4 को जीवित गिरफ्तार किया। इस संघर्ष में 6 भारतीय जवान बलिदान हुए। इतिहास में शायद ही कभी इतनी छोटी टुकड़ी ने पूर्ण ब्रिगेड स्तर के हमले को इतनी देर तक रोका हो।

उस दिन की घटना को याद करते हुए लगता है कि कैसे सामान्य से सामान्य जवान अचानक वीर बन जाते हैं जब देश की पुकार उन्हें छू जाती है। सरदार पोस्ट एक सपाट इलाका था जहां रणनीतिक रूप से लाभ दुश्मन के पास था। पाकिस्तानी सेना ने तोपखाने और मोर्टार की मदद से हमला शुरू किया। लेकिन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवान अपनी पोस्ट पर डटे रहे। गोलीबारी लगभग 12 घंटे तक चली। गोला बारूद की कमी होने पर भी उन्होंने अपनी जगह नहीं छोड़ी। एक वीर जवान कांस्टेबल शमशेर सिंह ने दुश्मन की आग में घुसकर अपनी राइफल से कई हमलावरों को रोका। लांस नायक किशोर सिंह ने अपने साथियों को प्रोत्साहित करते हुए आगे बढ़ाया। कांस्टेबल ज्ञान सिंह ने घायल होने के बावजूद अपनी मशीनगन पर कब्जा नहीं छोड़ा। लांस नायक गणपत राम ने दुश्मन के एक अधिकारी को निशाना बनाकर मार गिराया। कांस्टेबल हरि राम और कांस्टेबल सिंधवीर प्रधान ने अंतिम सांस तक लड़ते हुए अपनी ड्यूटी निभाई। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं लोक संस्कृति के अध्येता हैं)**

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक ''**गिलेडविन मसीह**'' के लिए ''**बुलंद मंज़िल**'' हिन्दी दैनिक ए.एच. प्रिन्टर्स, सीधी सराय, असालतपुरा मुरादाबाद मे मुद्रित कराकर कार्यालय बुलंद मंज़िल शंकर कॉलेज चौराहा, राजा मार्केट, प्रथम तल, जनपद संभल से वितरित किया गया। इस अंक में प्रकाशित समाचारों में खबरों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी०आर०वी० एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद सम्भल न्यायालय के अधीन होंगे।

PRGI NO. - UPBIL/25/A4797- Contect No.- 8630704122

उर्वरक कालाबाजारी पर शिकंजा : 49 यूरिया बैग जब्त, एफआईआर दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। जनपद में उर्वरक की जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए सघन चेकिंग अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान के तहत तहसील हसनपुर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई सामने आई है। गुरुवार को गांव खूँगावली, थाना गजरौला स्थित एक दुकान पर छापेमारी के दौरान 49 यूरिया बैग बिना आवश्यक अभिलेखों के अवैध रूप से रखे पाए गए। जिला कृषि अधिकारी, नायब तहसीलदार और थाना गजरौला पुलिस की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की और सभी बैग्स को तत्काल सील कर दिया। साथ ही उर्वरक के नमूने लेकर राजकीय प्रयोगशाला भेजे गए हैं,

ताकि उनकी गुणवत्ता की भी जांच हो सके। मामले में संबंधित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए उर्वरक की कालाबाजारी किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने किसान भाइयों से अपील करते हुए कहा कि वे अपनी जोत और फसल की आवश्यकता के अनुसार ही उर्वरक खरीदें। अनावश्यक भंडारण से बचें और जरूरत से अधिक उर्वरक न लें, ताकि सभी किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध हो सके। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन के दौरान एक हेक्टेयर भूमि पर अधिकतम 7 बैग यूरिया और 5 बैग फास्फेटिक उर्वरक ही लेने की संस्तुति की गई है। इसके अलावा, चौपालों के माध्यम से किसानों को जागरूक करने का अभियान भी चलाया जा रहा है, जिससे वे सही जानकारी के आधार पर निर्णय ले सकें। तहसील नौगांवा सादात में उपजिलाधिकारी, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों की बैठक कर उर्वरक वितरण को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उर्वरक के आवागमन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। ई-रिक्शा, ट्रकों सहित अन्य वाहनों की भी सघन जांच की जा रही है। जिलाधिकारी ने बताया कि तहसील, विकास खंड और न्याय पंचायत स्तर पर उर्वरक निगरानी समितियां गठित कर दी गई हैं, जो वितरण व्यवस्था पर लगातार निगरानी रखेंगी। सहकारी समितियों, गन्ना समितियों और निजी विक्रेताओं को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे नियमानुसार ही उर्वरक का विक्रय करें। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

डीएम की डिजिटल स्ट्राइक : अब हर काम की होगी लाइव रिपोर्टिंग

दैनिक बुलंद मंज़िल
/असलम सैफी जिला प्रभारी

अमरोहा। जनपद प्रशासन अब परंपरागत फाइलों से आगे बढ़कर डिजिटल ट्रैकिंग की दिशा में बड़ा कदम उठा चुका है। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की पहल पर जिला सूचना-विज्ञान केंद्र द्वारा तैयार किए गए "टास्क मैनेजमेंट" मोबाइल ऐप और "कोर्ट केस मॉनिटरिंग" पोर्टल को प्रशासनिक स्तर पर लागू करने की मंजूरी दे दी गई है। इस पहल से प्रशासनिक कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और गति—तीनों को एक साथ मजबूती मिलने की उम्मीद है। नई व्यवस्था के तहत अब जिलाधिकारी सीधे मोबाइल ऐप के माध्यम से फील्ड अधिकारियों को कार्य आवंटित कर सकेंगी। खास बात यह है कि अधिकारी अपने-अपने कार्यों की प्रगति रिपोर्ट रीयल-टाइम में

अपलोड करेंगे, जिसमें उनकी लाइव लोकेशन भी शामिल होगी। इससे न सिर्फ कार्यों की निगरानी आसान होगी, बल्कि लापरवाही या देरी की गुंजाइश भी काफी हद तक खत्म हो जाएगी। वहीं दूसरी ओर "कोर्ट केस मॉनिटरिंग" पोर्टल प्रशासन के लिए एक मजबूत डिजिटल हथियार साबित होगा। इस पोर्टल के जरिए विभिन्न विभागों से जुड़े अदालती मामलों की सुनवाई, प्रगति और स्थिति की सतत निगरानी की जा सकेगी। सुनवाई की तारीख नजदीक आते ही संबंधित अधिकारियों को स्वतः "पॉप-अप" अलर्ट मिलेगा, जिससे समय पर तैयारी सुनिश्चित की जा सकेगी और मामलों में लापरवाही की संभावना कम होगी। इस पूरे सिस्टम को जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी सात्विक शुक्ला और अपर जिला सूचना-विज्ञान अधिकारी प्रांजल सरकारी की तकनीकी टीम ने विकसित किया है। दोनों डिजिटल टूल्स को इस तरह डिजाइन किया गया है कि प्रशासनिक प्रक्रिया को पूरी तरह पेपरलेस और "रिजल्ट-ओरिएंटेड" बनाया जा सके। विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल न सिर्फ अधिकारियों की कार्यक्षमता बढ़ाएगी, बल्कि आम जनता को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ पहुंचाएगी। समयबद्ध कार्य निष्पादन और कोर्ट मामलों की सटीक मॉनिटरिंग से शासन की योजनाएं तेजी से धरातल पर उतरेंगी। कुल मिलाकर, अमरोहा प्रशासन की यह डिजिटल छलांग आने वाले समय में सुशासन का एक मॉडल बन सकती है, जहां हर काम की निगरानी मोबाइल स्क्रीन पर होगी और जवाबदेही तय करना पहले से कहीं अधिक आसान होगा।

कोर्ट के आदेश पर लूट व छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। थाना क्षेत्र में मारपीट, लूट और छेड़छाड़ के गंभीर आरोपों का मामला न्यायालय के आदेश पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार गांव टिकिया निवासी शबाबुल हसन ने न्यायालय एसीजेएम (द्वितीय) अमरोहा में प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि 13 जनवरी 2026 को दोपहर करीब 3:40 बजे वह अपने घर पर परिवार के साथ मौजूद थे। इसी दौरान गांव चक पायंती उर्फ गौसपुर मिलक निवासी तसलीम, उसके पुत्र शाहनवाज, शाह आलम, साऊद, साऊद की पत्नी शायरा तथा बाबू (शोलर वाला) जबरन उनके घर में घुस आए। आरोप है कि सभी आरोपियों ने आते ही गाली-गलौज शुरू कर दी और विरोध करने पर प्रार्थी, उसकी पुत्री उम्मेहानी और पत्नी अकबरी के साथ मारपीट की। इस

दौरान घर में रखे सामान को भी नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने अलमारी में रखे करीब 8 तोले सोने के जेवर, 1 लाख 95 हजार रुपये नकद और लगभग 30 हजार रुपये कीमत के सिले-अधसिले कपड़े लूट लिए। मामले में सबसे गंभीर आरोप यह है कि आरोपी शाहनवाज और शाह आलम ने प्रार्थी की पुत्री के साथ अश्लील हरकतें कीं और उसके साथ छेड़छाड़ की, जिससे उसकी लज्जा भंग हुई। घटना के दौरान पीड़ित परिवार के शोर मचाने पर मोहल्ले के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कराया। आरोप है कि जाते समय आरोपी तमंचे से जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित का कहना है कि इस घटना में उसे और उसकी पुत्री को गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उन्होंने थाना डिडौली में तहरीर दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने पुलिस अधीक्षक को भी रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से शिकायत भेजी, लेकिन वहां से भी कोई सुनवाई नहीं हुई। कार्रवाई न होने से आहत पीड़ित ने अंततः न्यायालय की शरण ली और धारा 173(4) बीएनएसएस के तहत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। न्यायालय ने मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना डिडौली पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच के आदेश दिए। कोर्ट के आदेश के अनुपालन में पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है, वहीं पीड़ित परिवार ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस का कहना है कि सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जा रही है और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

तालाब में डूबने से 6 वर्षीय मासूम की मौत, रातभर चला सर्च ऑपरेशन

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई, जहां घर के बाहर साइकिल चला रहा 6 वर्षीय मासूम अचानक लापता हो गया और अगले दिन उसका शव तालाब से बरामद हुआ। इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बीलना निवासी आतिफ (6) पुत्र जलालुद्दीन बुधवार शाम करीब 8 बजे घर के बाहर साइकिल चला रहा था। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। परिजनों द्वारा काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो मामले की सूचना पुलिस को दी गई। तहरीर के आधार पर थाना नौगांवा सादात में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। तलाश के दौरान बच्चे की साइकिल गांव के पास स्थित एक

मृतक बच्चे का फाइल फोटो

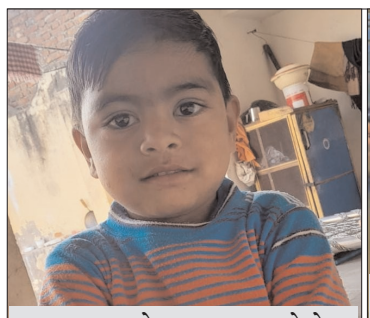

तालाब से बच्चे के शव को बाहर लाते हुए

तालाब के किनारे मिली, जिससे आशंका गहराई। मौके पर मौजूद अन्य बच्चों से पूछताछ की गई, जिन्होंने बताया कि साइकिल चला रहा एक बच्चा तालाब में गिर गया था। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू अभियान शुरू कराया। पहले स्थानीय गोताखोरों को बुलाकर तालाब में तलाश कराई गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने पूरी रात सघन सर्च ऑपरेशन चलाया। इसके साथ ही तालाब का जलस्तर कम करने के लिए टैंकरों के जरिए पानी भी निकलवाया गया। लगातार प्रयासों के बाद गुरुवार सुबह करीब 10:30 बजे आतिफ का शव तालाब से बरामद कर लिया गया। शव मिलने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में मातम पसर गया। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

उधारी के पैसे मांगने पर दुकान में घुसकर मारपीट, जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

डिडौली ब्यूरो। थाना क्षेत्र में उधारी के पैसे मांगना एक युवक को भारी पड़ गया। सम्भल चौराहा जोया स्थित खाद-बीज की दुकान पर बैठे युवक के साथ दबंगों ने दुकान में घुसकर लाठी-डंडों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पलौला निवासी आकिब रजा पुत्र नासिर हुसैन अपने मामा की एग्रीकल्चर (खाद-बीज) की दुकान सम्भल चौराहा जोया पर संभालता है। बताया गया कि बुधवार को उसके मामा किसी काम से मुरादाबाद गए हुए थे और सुबह करीब 10

बजे आकिब रजा दुकान पर अकेला मौजूद था। इसी दौरान उसने उधारी के पैसे वसूलने के लिए कनपुरा निवासी तहसीन को फोन किया। आरोप है कि फोन पर ही तहसीन ने गाली-गलौज करते हुए आकिब को जान से मारने की धमकी दी और उधारी के पैसे मांगने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। कुछ ही देर बाद तहसीन अपने पुत्र और भतीजे के साथ दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दुकान पर पहुंच गया। तीनों आरोपियों ने दुकान में घुसते ही आकिब रजा के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी। पीड़ित के अनुसार आरोपियों ने न केवल उसके साथ मारपीट की बल्कि दुकान में रखा सामान भी इधर-उधर फेंक दिया और लगातार गालियां देते रहे। घटना के दौरान शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े, जिन्हें आता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए जोया की तरफ भाग निकले। पीड़ित आकिब रजा ने थाना डिडौली में तहरीर देकर आरोपी तहसीन पुत्र जकीर निवासी कनपुरा तथा उसके अज्ञात पुत्र व भतीजे के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

डीएम की अध्यक्षता में आबकारी दुकानों की ई-लॉटरी सम्पन्न, 555 आवेदनों में 8 को मिली सफलता

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। जनपद में आबकारी फुटकर दुकानों के आवंटन को लेकर गुरुवार को द्वितीय चरण की ई-लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। यह प्रक्रिया जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में गांधी सभागार में जिला स्तरीय चयन समिति की मौजूदगी में पारदर्शी तरीके से संपन्न हुई। ई-लॉटरी कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जिसमें संबंधित अधिकारियों और आवेदकों की उपस्थिति रही। जिला स्तरीय चयन समिति में पुलिस अधीक्षक के प्रतिनिधि के रूप में क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात, आबकारी आयुक्त के नामित प्रतिनिधि सहायक आबकारी आयुक्त (प्रवर्तन-2)

मुरादाबाद तथा जिला आबकारी अधिकारी शामिल रहे। जानकारी के अनुसार, ई-लॉटरी के प्रथम चरण में बची हुई 2 दुकानों के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ था। वहीं द्वितीय चरण में नवसृजित 8 दुकानों के लिए कुल 555 आवेदन आए, जिससे प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी रही। निर्धारित प्रक्रिया के तहत लॉटरी निकालकर सभी 8 दुकानों के सफल आवेदकों का चयन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि सफल आवेदकों की सूची जनपद की एनआईसी वेबसाइट '१ड्ढँ.ल्लू.ल्ल पर अपलोड कर दी गई है। चयनित आवेदकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे तीन कार्यदिवस के भीतर जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी आवश्यक औपचारिकताएं और देयताएं पूरी करें, ताकि दुकानों का संचालन समय से शुरू हो सके। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) गरिमा सिंह, जिला आबकारी अधिकारी जितेन्द्र कुमार पाण्डेय समेत अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में आवेदक मौजूद रहे। प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बताते हुए सफल संचालन पर संतोष जताया।

अमरोहा देहात पुलिस ने वांछित महिला अभियुक्त को किया गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल/जितेंद्र यादव

अमरोहा। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अमरोहा देहात पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस टीम ने वांछित महिला अभियुक्ता गुलिस्ता पत्नी अकरम निवासी ग्राम धनौरी अहीर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार अभियुक्ता के खिलाफ मु0अ0सं0 34/2026 के तहत धारा 191(2)/115(2)/105 बीएनएस में मामला दर्ज था और वह काफी समय से फरार चल रही थी। गिरफ्तारी के बाद अभियुक्ता को न्यायालय अमरोहा के समक्ष पेश किया जा रहा है, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अपर

पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया तथा क्षेत्राधिकारी नौगांवा सादात अवधभान सिंह भदौरिया के पर्यवेक्षण में की गई। वहीं थाना अमरोहा देहात के प्रभारी निरीक्षक शौकेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने अभियुक्ता को दबोचने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक सत्येंद्र सिंह सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जनपद में अपराध और अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

हसनपुर में पुल निर्माण सामग्री की कालाबाजारी का आरोप, ग्रामीणों का हंगामा

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए लाई गई सरकारी सीमेंट की कथित कालाबाजारी का मामला सामने आया है। करनखाल गांव में निमार्णाधीन पुल के लिए आई सीमेंट की बोरियों को चोरी-छिपे ले जाते हुए ग्रामीणों ने एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को पकड़ लिया, जिसके बाद मामला गरमा गया। जानकारी के अनुसार, पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मां पुष्पावती गंगा पूठघाट सतेड़ा धाम मार्ग पर बगद नदी पर पुल का निर्माण कराया जा रहा है। मंगलवार को ग्रामीणों को सूचना मिली कि निर्माण स्थल से सीमेंट की बोरियां कहीं और भेजी जा रही हैं। इस पर ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए ट्रैक्टर-ट्रॉली का पीछा किया और करीब 5 किलोमीटर दूर मल्ल वाली डगरोली के पास उसे पकड़ लिया। घटना की सूचना मिलते ही भारतीय किसान यूनियन (बीआर अंबेडकर) के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिग्विजय भाटी भी कार्यकताओं के साथ मौके पर

पहुंचे। इसके बाद ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉली को लेकर सीधे कोतवाली पहुंच गए और पुलिस के सामने प्रदर्शन शुरू कर दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय कर्मचारियों और जेई की मिलीभगत से सरकारी सीमेंट की कालाबाजारी की जा रही है, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। उन्होंने ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट करने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। कोतवाली परिसर में पुलिस और ग्रामीणों के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। स्थिति को संभालने के लिए पुलिस ने समझाने का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीण अपनी मांगों पर अड़े रहे। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम हिमांशु उपाध्याय को लिखित शिकायत दी गई है। एसडीएम ने बताया कि पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जा रही है और दोषियों के खिलाफ जांच रिपोर्ट के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

दैनिक बुलन्द मंज़िल

अमरोहा

संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

जलभराव और कब्जे पर गरजा किसान संघ, डीएम से सीधी मांग

दैनिक बुलंद मंज़िल

अमरोहा ब्यूरो। भारतीय किसान संघ खंड गंगेश्वरी के पदाधिकारियों ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजकर शीघ्र समाधान की मांग उठाई है। खंड अध्यक्ष दिव्यांशु यादव एवं जिलाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश शर्मा के नेतृत्व में भेजे गए इस ज्ञापन में खासतौर पर ग्राम पौरारा और रहरई की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है। ज्ञापन के अनुसार, ग्राम पौरारा में मुख्य मार्ग पर बाबा हरिशंकर आश्रम तथा प्राचीन देवी मंदिर के सामने लंबे समय से जलभराव की समस्या बनी हुई है। इससे राहगीरों और स्थानीय ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जिससे

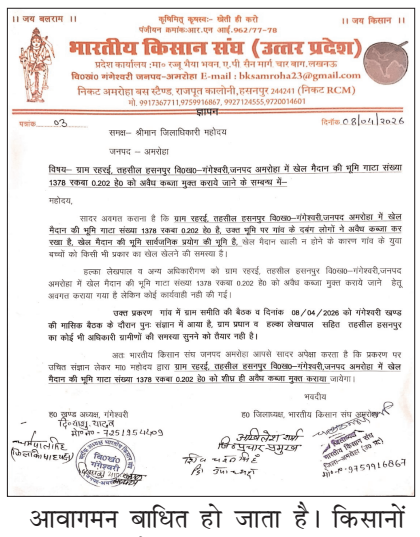

आवागमन बाधित हो जाता है। किसानों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार पूर्व में भी प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका है। इसके अलावा ग्राम रहरई में खेल मैदान की भूमि पर अवैध कब्जे का मामला भी उठाया गया है। किसानों ने मांग की है कि उक्त भूमि को कब्जा मुक्त कराकर ग्रामीणों और युवाओं के लिए उपलब्ध कराया जाए, ताकि खेल गतिविधियों को बढ़ावा मिल सके। खंड गंगेश्वरी की मासिक बैठक में इन समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसके बाद पदाधिकारियों ने रजिस्ट्री डाक के माध्यम से जिलाधिकारी को ज्ञापन भेजा। किसान नेताओं ने प्रशासन से अपेक्षा जताई है कि जनहित से जुड़े इन मुद्दों का जल्द से जल्द निस्तारण कराया जाए, जिससे ग्रामीणों को राहत मिल सके।

मिशन शक्ति-5 : क्षेत्र के स्कूलों में छात्राओं को आत्मरक्षा व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

दैनिक बुलंद मंज़िल/
सतपाल सिंह

आदमपुर। क्षेत्र में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाए जा रहे मिशन शक्ति-5 के द्वितीय चरण के तहत पुलिस द्वारा सराहनीय अभियान चलाया गया। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में थाना रहरा और थाना आदमपुर की ह्यशक्ति दीदीह्न टीम ने क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। अभियान के दौरान टीम ने छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करते हुए आत्मरक्षा के महत्वपूर्ण गुर सिखाए। साथ ही उन्हें बताया

गया कि किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न या असुरक्षा की स्थिति में तुरंत क्या कदम उठाने चाहिए। पुलिसकर्मियों ने 1090, 112 और 181 जैसे आपातकालीन हेल्पलाइन नंबरों की विस्तृत जानकारी भी दी। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि इसमें छात्र भी सक्रिय रूप से शामिल हुए और उन्हें महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा में अपनी भूमिका समझाई गई। ह्यशक्ति दीदीह्न टीम ने संवादात्मक शैली में बच्चों के सवालों के जवाब दिए, जिससे माहौल खुला और सहज बना। कई छात्राओं ने अपनी समस्याएं साझा कीं, जिनका मौके पर समाधान बताया गया। ग्रामीण क्षेत्र में इस पहल को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। अभिभावकों ने भी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों में आत्मविश्वास और जागरूकता दोनों बढ़ी।

फर्जी कहानी बनाकर केस दर्ज कराने की कोशिश नाकाम, दो गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। कोतवाली पुलिस ने संज्ञेय मुकदमे की झूठी परिकल्पना करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर बड़ी कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध विरोधी अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों में फूल सिंह और राजेन्द्र सिंह शामिल हैं, जो कोतवाली हसनपुर क्षेत्र के ग्राम

भगवानपुर के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी झूठा संज्ञेय मुकदमा दर्ज कराने की साजिश रच रहे थे। इस मामले में पुलिस ने उनके खिलाफ धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को न्यायालय उपजिलाधिकारी हसनपुर के समक्ष पेश किया गया, जहां से आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को मजबूत करने का संदेश गया है तथा फर्जी मामलों में संलिप्त लोगों को चेतावनी भी मिली है।

हसनपुर पुलिस की कार्रवाई : दुष्कर्म मामले में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंजिल

हसनपुर। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक और महत्वपूर्ण सफलता मिली है। पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रही इस मुहिम के क्रम में थाना हसनपुर पुलिस ने दुष्कर्म के एक मामले में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हसनपुर श राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम सक्रिय रूप से

अभियान चला रही थी। इसी क्रम में थाना हसनपुर पर पंजीकृत मु०अ०सं० 173/26, धारा 69 व 351(2) बीएनएस से संबंधित मामले में वांछित अभियुक्त अखिलेश पुत्र प्रेमचंद, निवासी ग्राम नंगला चमरु, थाना जारचा, जनपद गौतमबुद्धनगर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने उसे पकड़ने में सफलता हासिल की। गिरफ्तारी के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करते हुए अभियुक्त को समय से माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

मंडी में गुंडागर्दी : सब्जी विवाद में युवक को पीटा, दी जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

दैनिक बुलंद मंज़िल

नौगांवा सादात ब्यूरो। मण्डी समिति अमरोहा में सब्जी खरीदने पहुंचे एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित ने थाना अमरोहा देहात में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, थाना नौगांवा सादात क्षेत्र के गांव मुनीमपुर निवासी देवराज सिंह पुत्र बाबू राम सिंह 8 अप्रैल को सुबह करीब 10 बजे अमरोहा की मण्डी समिति में सब्जी खरीदने पहुंचे थे। आरोप है कि उसी दौरान रफातपुरा निवासी रनजीत, नवनीत और अरुण उनकी खरीदी हुई सब्जी उठाने लगे। जब देवराज ने इसका विरोध किया तो तीनों आरोपियों ने उनके साथ अभद्रता शुरू कर दी। पीड़ित का कहना है कि विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए लात-घूंसों और लाठी-डंडों से हमला कर दिया, जिससे उन्हें चोटें आईं। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोग मौके की ओर दौड़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। मारपीट के दौरान पीड़ित का मोबाइल फोन भी टूट गया। घटना के बाद घायल देवराज अपने भाई परम सिंह के साथ थाना अमरोहा देहात पहुंचे और पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और जांच के बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सैद नगली में युवक की संदिग्ध मौत पर बवाल, परिजनों-ग्रामीणों ने थाने पर किया धरना, सड़क जाम

हत्या का आरोप लगाकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग, पुलिस के आश्वासन पर शांत हुआ मामला

दैनिक बुलंद मंज़िल

सैद नगली। थाना क्षेत्र में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद इलाके में तनाव का माहौल बन गया। घटना के दूसरे दिन गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए थाने के बाहर धरना प्रदर्शन कर दिया और आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गांव दमगढ़ी निवासी मृतक के परिजनों ने थाने में दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया कि 8 अप्रैल को उनका बेटा मुन्ना पुत्र भूरा घर से निकला था, जिसके बाद वह संदिग्ध परिस्थितियों में मृत अवस्था

में मिला। परिजनों का आरोप है कि युवक की हत्या कर शव को फेंका गया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी बताए गए हैं। घटना के दूसरे दिन सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण थाने पहुंच गए और जोरदार प्रदर्शन करते हुए थाना गेट पर धरना शुरू कर दिया। इस दौरान लोगों ने सड़क जाम कर दी, जिससे कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। मौके पर स्थिति तनावपूर्ण हो गई। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने आरोप लगाया कि पुलिस मामले में ढिलाई बरत रही है और अब तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अध्यक्ष विकास कुमार मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि नामजद आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी और जल्द गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाएगी। पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन मृतक के शव को लेकर अंतिम संस्कार के लिए रवाना हो गए और धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो सकी। हालांकि, क्षेत्र में अभी भी घटना को लेकर आक्रोश बना हुआ है। बताया जा रहा है कि परिजनों द्वारा प्रार्थना पत्र में कुछ आरोपियों के नाम भी दिए गए हैं, जिनकी तलाश में पुलिस जुट गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और जल्द खुलासा करने का दावा कर रही है।

होटल से लाख की LED उड़ाने वाला 24 घंटे में गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

गजरौला ब्यूरो। जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गजरौला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने होटल में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब एक लाख रुपये कीमत के दो एलईडी टीवी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी धनौरा अंजली कटारिया के पर्यवेक्षण में थाना गजरौला पुलिस ने यह कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, 8

अप्रैल को स्वागत होटल के सुपरवाइजर पियूष अग्रवाल ने थाने में तहरीर देकर बताया था कि अज्ञात व्यक्ति होटल के कमरे से दो एलईडी टीवी चोरी कर ले गया है। इस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और साक्ष्य जुटाए। इसके आधार पर आरोपी की पहचान विकास पुत्र जगदीश, निवासी मायापुरी मंडी, गजरौला के रूप में हुई। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर भानपुर फाटक के पास से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि 7-8 अप्रैल की रात होटल में चल रही पार्टी का फायदा उठाकर उसने कमरे में लगे टीवी उतारकर कंबल में छिपा लिए और फरार हो गया। वह इन्हें बेचने की फिराक में था, तभी पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर दिया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

प्रधान की पहल : गांव में कराई फॉगिंग, लोगों ने ली राहत की सांस

दैनिक बुलंद मंज़िल

ढबारसी ब्यूरो। हसनपुर ब्लॉक क्षेत्र के गांव गारवपुर उर्फ रुस्तमपुर में बढ़ती मच्छरों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए ग्राम प्रधान चौधरी राजवीर सिंह ने पूरे गांव में फॉगिंग अभियान चलवाया। पिछले कुछ समय से गांव में मच्छरों की संख्या काफी बढ़ गई थी, जिससे ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खासकर शाम के समय और रात में मच्छरों के कारण लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया था और बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा था। ग्रामीणों की शिकायतों और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ग्राम

प्रधान ने तुरंत पहल करते हुए गांव की सभी गलियों में फॉगिंग कराने का निर्णय लिया। इसके तहत विशेष मशीनों के माध्यम से पूरे गांव में फॉगिंग कराया गया, जिससे मच्छरों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। फॉगिंग अभियान के दौरान गांव की हर गली और मोहल्ले को कवर किया गया, जिससे किसी भी हिस्से में मच्छरों की समस्या बनी न रहे। इस कार्य के दौरान सफाई व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया गया और लोगों को आसपास पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक किया गया। ग्राम प्रधान चौधरी राजवीर सिंह ने बताया कि गांव के लोगों की सेहत उनकी प्राथमिकता है और भविष्य में भी इस तरह के अभियान समय-समय पर चलाए जाएंगे। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अपने घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें और कहीं भी पानी जमा न होने दें, ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो। फॉगिंग के बाद गांव के लोगों ने राहत की सांस ली और ग्राम प्रधान की इस पहल की सराहना की। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के प्रयासों से न केवल मच्छरों की समस्या कम होगी, बल्कि डेंगू, मलेरिया जैसी बीमारियों से भी बचाव संभव होगा। इस अवसर पर यशवीर कुमार, शनि चौधरी, अमरपाल सिंह, महेंद्र सिंह, थान सिंह, रणधीर सिंह आदि मौजूद रहे।

हसनपुर पुलिस की कार्रवाई : 10 लीटर कच्ची शराब व भट्टी सहित दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुलंद मंज़िल

हसनपुर। जनपद में अपराध व अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली हसनपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम बाईखेड़ा के जंगल से अवैध कच्ची शराब बनाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब, लहन (खाम) तथा शराब बनाने के उपकरण और भट्टी बरामद की गई है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रहे अभियान के क्रम में की गई। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हसनपुर राजेश

कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर छापेमारी की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जहागीर एवं चरन सिंह निवासी ग्राम बाईखेड़ा, कोतवाली हसनपुर, जनपद अमरोहा के रूप में हुई है। दोनों आरोपी जंगल में अवैध रूप से कच्ची शराब तैयार कर रहे थे। पुलिस ने मौके से शराब बनाने में प्रयुक्त उपकरणों को भी जब्त कर लिया है। आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और उन्हें समय से न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद/संभल/चंदौसी
संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)
05

पश्चिमांचल डिस्कॉम बना ओवरऑल चैंपियन, कुश्ती-कबड्डी में दिखाया दबदबा

मुरादाबाद / मेरठ में आयोजित 51वीं पावर सेक्टर प्रतियोगिता का भव्य समापन, अनपरा को हराकर कबड्डी का खिताब जीतान

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद/मेरठ, । पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के निर्देशन में आयोजित 51वीं उत्तर प्रदेश पावर सेक्टर अंतर-परियोजना/डिस्कॉम्स कुश्ती एवं कबड्डी प्रतियोगिता का भव्य समापन चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय स्थित दारा सिंह कुश्ती स्टेडियम में हुआ। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में प्रदेश भर की टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया मेजबान पश्चिमांचल डिस्कॉम, मेरठ ने प्रतियोगिता में शानदार खेल दिखाते हुए कुश्ती और कबड्डी दोनों में दबदबा कायम रखा और ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। ओबरा परियोजना द्वितीय और अनपरा परियोजना तृतीय स्थान पर रही। ऐसा कबड्डी प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में पश्चिमांचल डिस्कॉम और अनपरा परियोजना के बीच रोमांचक भिड़ंत देखने को मिली। इस हाई वोल्टेज मुकाबले में पश्चिमांचल की टीम ने बेहतरीन रणनीति और आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए अनपरा को हराकर खिताब अपने नाम किया। वहीं, कुश्ती प्रतियोगिता में भी पश्चिमांचल के पहलवानों ने सर्वाधिक अंक अर्जित कर प्रथम स्थान हासिल किया प्रतियोगिता में पश्चिमांचल, मध्यांचल, दक्षिणांचल डिस्कॉम के अलावा ओबरा, अनपरा और हरदुआगंज परियोजना की टीमों ने हिस्सा लिया और खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया समापन अवसर पर स्पोर्ट्स ऑफिसर एवं अर्जुन अवार्डी श्रीमती अलका तोमर ने सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया। यूपीपीसीएल के मुख्य क्रीड़ा अधिकारी विनय कुमार ने भविष्य में ऐसे आयोजनों को और विस्तार देने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि देवेन्द्र कुमार वर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया अंत में आयोजकों ने मीडिया के सहयोग के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्रतियोगिता के सफल समापन की घोषणा की। कार्यक्रम का संचालन दिलमणि थपलियाल द्वारा किया गया इस दौरान बड़ी संख्या में अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

डिलारी में पुलिस मुठभेड़: गोकशी के 3 आरोपी गिरफ्तार, अवैध असलहा व उपकरण बरामद

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । थाना डिलारी क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग के दौरान मुठभेड़ के बाद गोकशी से जुड़े तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचे, कारतूस, मोटरसाइकिल और गोकशी के उपकरण बरामद किए गए हैं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुरादाबाद के निर्देशन में जनपद में गोकशी, लूट, नकबजनी और छिनैती जैसी घटनाओं के खुलासे के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के पर्यवेक्षण और क्षेत्राधिकारी ठाकुरद्वारा के नेतृत्व में थाना डिलारी पुलिस टीम वांछित अभियुक्तों की तलाश में चेकिंग कर रही थी पुलिस के अनुसार, 08 अप्रैल की रात चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों ने पुलिस पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में गुलाम मोहम्मद (निवासी चाँदपुर, थाना भगतपुर), मोईन (निवासी तुमड़िया कला, थाना डिलारी) और मोहम्मद शकील (मूल निवासी दौलपुरी, थाना भगतपुर, हाल निवासी गुलाबबाड़ी, थाना भोजपुर) शामिल हैं तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से दो अवैध तमंचे (315 बोर), दो खोखा कारतूस, तीन जिंदा कारतूस, एक मोटरसाइकिल तथा गोकशी के उपकरण बरामद हुए। इस संबंध में थाना डिलारी पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास भी रहा है और इनके खिलाफ पूर्व में भी विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। अन्य आपराधिक मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है इस कार्रवाई में थाना डिलारी के थानाध्यक्ष कृष्ण कुमार सहित पुलिस टीम के कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक नगर ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं, त्वरित निस्तारण के निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। पुलिस अधीक्षक नगर, मुरादाबाद द्वारा गुरुवार को आयोजित जनसुनवाई में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान प्राप्त सभी शिकायतों के शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक नगर ने नगर क्षेत्र के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई व्यवस्था और महिला हेल्पडेस्क को और अधिक प्रभावशाली बनाया जाए, जिससे पीड़ितों और शिकायतकताओं को अनावश्यक रूप से उच्च अधिकारियों के कार्यालय तक न जाना पड़े उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जिन समस्याओं का समाधान थाना स्तर पर संभव है, उनका निस्तारण वहीं समयबद्ध और प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट कहा कि शिकायतों के निपटारे में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और आम जनता को त्वरित न्याय दिलाना प्राथमिकता होनी चाहिए।

पिता पुत्र के दोहरे हत्या कांड मे पीड़ित परिवार को पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष रोहिलखंड बरेली सुनील यादव ने दी एक लाख की नगद धनराशि

दैनिक बुलंद मंज़िल गुन्नौर। ग्राम पंचायत भिरावटी में हाल ही में हुए दुखद दोहरे हत्याकांड से पूरे क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना में एक ही परिवार ने अपने पिता और पुत्र दोनों को खो दिया, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। ऐसी विषम परिस्थिति में इंसानियत का परिचय देते हुए पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष डॉ. सुनील यादव ने पीड़ित परिवार को एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने कहा कि यह मदद भले ही छोटी है, लेकिन इसका उद्देश्य इस कठिन समय में परिवार को कुछ सहारा देना है। डॉ. सुनील यादव ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग आगे आकर पीड़ित परिवार का सहयोग करें, उनकी आवाज प्रशासन तक पहुंचाएं और उन्हें न्याय दिलाने में अपनी भूमिका निभाएं। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और लोग पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके।

ब्राह्मण सभा चन्दौसी कार्यकारिणी की बैठक का किया गया आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी। गुरुवार को समय प्रातः 10 बजे अध्यक्ष श्री ब्राहम्ण सभा चन्दौसी (रजि०) द्वारा स्थान सत्यनारायण मन्दिर स्टेशन रोड चन्दौसी में कार्यकारिणी की एक बैठक आहूत की गयी। बैठक में कार्यकारिणी के सदस्यों द्वारा निर्णय लिया गया। कि 06 अप्रैल 2026 को समाचार पत्रों के द्वारा अवगत हुआ कि ब्राहम्ण समाज के कुछ लोगों द्वारा श्री ब्राहम्ण सभा चन्दौसी (रजि0) के नाम से बैठक कर समाज को भ्रमित करने का प्रयास किया गया है। जो श्री ब्राहम्ण सभा चन्दौसी (रजि०) द्वारा ऐसी किसी प्रकार की बैठक का खण्डन किया गया या भविष्य में हमारे संगठन के नाम से कोई बैठकको जाती है तो वह अवैध होगी ऐसे समाचार को समाचार पत्र में प्रकाशित न किया जावे एवं श्री ब्राहम्ण सभा चन्दौसी (रजि०) द्वारा इस वर्ष भी किन्हीं कारणों वश भगवान परशुराम की शोभा यार्ची नहीं निकालने का निर्णय कार्यकारिणी के द्वारा लिया गया। तथा 19 अप्रैल को परशुराम पार्क सीता रोड चन्दौसी में हवन पूजन आदि का कार्यक्रम करने के पश्चात प्रसाद वितरण करने का निर्णय लिया गया तथा इस अवसर पर समस्त ब्राहम्ण बन्धुओं से अनुरोध किया गया है। कि 19 अप्रैल को परशुराम जयन्ती के उपलक्ष्य में उपरोक्त स्थान पर पहुँच कर प्रसाद ग्रहण करें।

देशव्यापी अभियान के साथ जनपद ने भी एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर

सम्भल। भारत सरकार के द्वारा देशव्यापी अभियान के साथ संभल जनपद ने भी आज एचपीवी टीकाकरण कार्यक्रम की शुरूआत की है , मिशन शक्ति के अर्न्तगत पाँच किशोरियों पलाक्षी गुप्ता ,आराध्या रस्तौगी ,कनिष्का रस्तौगी ,अक्सा रईस ,अलिशबा द्वारा जिलाधिकारी महोदय डा0 राजेंन्द्र पेंसिया की उपस्थिति में जिला संयुक्त चिकित्सालय सम्भल में एचपीवी टीकाकरण का शुभारम्भ किया गया। जिला संयुक्त चिकित्सालय सम्भल में प्रथम दिवस पर 18 किशोरियों का टीकाकरण किया गया। डा0 राजेन्द्र पैसिंया, जिलाधिकारी ,जनपद सम्भल ने इस बात पर जोर दिया कि यह देशव्यापी अभियान एचपीवी संक्रमण के बोझ को कम करने और इससे होने वाली मृत्यु दर को घटाने में मील का पत्थर साबित होगा। यह टीका अब तक 160 देशों में 50 करोड़ को लगाया जा चुका है ये टीका बाजार में लगभग 04 हजार रुपए का है जो कि आम आदमी के लिये कॉफी महंगा है। यह पहल न केवल बढ़ाती है, बल्कि भारत सरकार के कैंसर मुक्त भविष्य के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती है। टीकाकरण के उपरान्त सभी किशोरियों को डिजिटल वैक्सीनैशन प्रमाण पत्र प्रदान किये गयें। जिलाधिकारी द्वारा समस्त सरकारी/निजी विद्यालयों/मदरसो एवं स्कूल न जाने वाली किशोरियों जिनकी आयु 14 से 15 वर्ष के मध्य है को यह टीका लगाया जाने हेजु अपील की गई है साथ ही शिक्षकों से स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करने हेतु कहा गया।नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम आईसीएमआर 2024 के डेटा के अनुसार, देश में साल भर में कैंसर के करीब 78 हजार नए मामले सामने आए और 42 हजार से अधिक महिलाओं ने अपनी जान गँवा दी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि लगभग 99 प्रतिशत मामलों का कारण ह्यूमन पैपिलोमा वायरस है। इस अवसर पर डा0 तरूण पाठक ,मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने किशोरियों के स्वास्थ्य के लिए एचपीवी टीके के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि सही समय पर टीकाकरण भविष्य में गंभीर बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करता है जिसे एक छोटी सी वैक्सीन से रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि अपनी ओपीडी में आने वाले हर माता-पिता को इस वैक्सीन के लिए प्रोत्साहित करें। अपने अस्पताल और विभाग में इसके प्रचार-प्रसार की सामग्री को प्रमुखता से लगवाएं यदि किसी अभिभावक के मन में कोई शंका है, तो उसे वैज्ञानिक तथ्यों के साथ दूर करें। उन्होंने इस इस मुहिम को जन-आंदोलन बनाने पर जोर दिया द्य उन्होंने कहा कि भूल न जाना, एचपीवी वैक्सीन जरूर लगवाना। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी/अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ पंकज विश्नोई नें इस अवसर पर बताया कि तक जनपद सम्भल में लगभग 27 हजार 01 सौ तेरेपन किशोरियों को एचपीवी का टीका लगाये जाने का लक्ष्य है। डॉ. राजेन्द्र सिंह ,मुख्य चिकित्सा अधीक्षक,जिला संयुक्त चिकित्सालय सम्भल ने एचपीवी संक्रमण के खतरों और उससे बचाव में वैक्सीन की भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर डा0 अजफर कमाल,वरि0परा0आर्थो सर्जन, डा0 मनमोहन शर्मा उपमुख्य चिकित्साधिकारी, संजीव राठौर, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, डा0 सुनील त्यागी, शमशीर आलम,रीजनल कार्डिनेटर, सुरजीत कुमार,मण्डल कॉर्डिनेटर फैजान अली राज्य तकनीकी प्रबंधक, किरनवाल, पारूल गुप्ता,हेल्प डेस्क मैनेजर अन्य उपस्थित रहे।

सरकारी क्रय केन्द्रों पर किसानों के गेहूं की तोल एवं मूलभूत सुविधाएँ सुनिश्चित कराने के सम्बन्ध मे उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौपा

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देते हुए अवगत कराया की मण्डी समिति के अन्तर्गत संचालित क्रय केन्द्रों पर किसानों के गेहूं की तोल नियममित रूप से नहीं की जा रही है, जबकि व्यापारियों का संह प्राथमिकता के आधार पर खरीदा जा रहा है। किसानों द्वारा जब अपने गेहूं की तोल कराने का प्रयास किया जाता है तो कय केन्द्र प्रभारी विभिन्न कारण बताकर उन्हें टाल देते हैं। वारदाना (बोरी) की कमी होना,मशीनों में तकनीकि खराबी होना आदि, इसके अतिरिक्त तहसील सार पर भी सम्बन्धित लेखपालों द्वारा किसानों का पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) समय से नहीं किया जा रहा है। जिसमें किसानों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना पढ़ रहा है साथ ही क्रय केन्द्रों पर किसानों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। किसानों को पीने के लिए स्वच्छ पानी, बैठने के लिए कुर्सियों की व्यवस्था तथा तेज गर्मी में धूप से बचाव हेतु तम्बू की सुविधा नहीं करायी जा रही है। जिससे उन्हें कठिनाओं का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन देकर समस्त परेशानियों से अवगत कराते हुए अनुरोध किया कि समस्त क्रय केन्द्रों पर किसानों के गेहूं की तोल सुचारु व पारदर्शि एवं बिना किसी भेद भाव के सुनिश्चित करायी जाये यदि शीघ्र ही समस्या का समाधान नहीं कराया गया तो भारतीय किसान संघ को किसानों के हित में आन्दोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी। इस दौरान फतेहपाल सिंह, कृष्ण पाल सिंह, जुगनेश पाल सिंह, श्रीपाल सिंह, रामकिशोर,कृष्ण अवतार, जयपाल सिंह व किरण पाल सिंह आदि पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत ब्लॉक बनियाखेड़ा पर 140 लाभार्थीओं को सोपी चावी

दैनिक बुलंद मंजिल / ब्यूरो चीफ विनय कुमार राठौर चन्दौसी। विकासखंड बनिया खेड़ा सभागार में पात्र व्यक्तियों को हाउसिंग फॉर ऑल के लक्ष्य की ओर एक और मजबूत कदम के तहत मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत विकास खण्ड बनियाखेड़ा के माध्यम से ग्रामीण आंचल के आवास विहीन एवं आर्थिक रूप से कमजोर लाभार्थी को आवास योजना से निर्मित 140 लाभाथीओं को उनके आवास में ग्रह प्रवेश / चावी वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमे मुख्यअतिथि के रूप में

प्रदेश की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी रही मुख्य अतिथि ने कहा की मोदी के मार्गदर्शन में एवं योगी जी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने आवास विहीन गरीव तबके के प्रत्येक परिवारों को आवास देने के लक्ष्य रखा है। उसी के क्रम में गुरुवार को विकास खण्ड के 140 परिवारों को उनके आवास की चावी सोपी। आज लाभार्थी अपनी ग्रह प्रवेश के मौके पर अत्यंत प्रसन्न है। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक प्रमुख डॉ सुगंधा सिंह ने की और कहा विकास खण्ड के प्रत्येक जरुरत मंद परिवार को छत दिलबाने के कार्य में हम हर संभव कोशिश करेंगे। ब्लॉक प्रमुख के सामने महिलाओ ने अपनी समस्या रखी जिस पर ब्लॉक प्रमुख ने तत्काल संबंधित अधिकारी को समाधान के लिए सख्त निर्देश निर्गत किये। कार्यक्रम ने सुधीर मल्होत्रा, शरद शर्मा, विनोद कुमार बिन्नी, अंकुर अग्रवाल, अश्वनी सक्सेना, हरवेश राघव, विनीत शर्मा, गुड़िया सैनी, सुशील पाल, पूजा राणा, शिवम चौहान,मिथलेश, शिवेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

नगली चौधरपुर रोड पर एक तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

दैनिक बुलंद मंज़िल शाकिब अली/ऐचौड़ा कम्बोह

सम्भल/नगली । चौधरपुर रोड पर एक तेज रफ्तार कर ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि लकी पुत्र राजपाल की हालत चिंताजनक बताई जा रही है थाना ऐचौड़ा कम्बोह क्षेत्र के गांव शाहपुर सिरपुडा निवासी लकी और कुलदीप किसी काम से सेद नगली गए थे वे नगली पाकबड़ा मार्ग से बाइक पर घर लौट रहे थे लकी बाइक चला रहा था चितावली गांव के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी टक्कर इतनी भी भीषण थी की दोनों सड़क पर दूर जाकर गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए सूचना मिलने पर एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची और घायलों को असमोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने उच्च केंद्र में रेफर किया इसके बाद परिजनों के साथ उन्हें चौधरपुर हाइट सेंटर में भर्ती किया गया घटना के बाद कर चालक मौके से फरार हो गया पुलिस ने जांच शुरू कर दि है और फरार चालक की तलाश की जा रही है

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
मुरादाबाद
संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

गढ़ी गांव में मंडलायुक्त की चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान के दिए सख्त निर्देश

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। मंडलायुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह की अध्यक्षता में विकास खंड छजलैट के ग्राम पंचायत गढ़ी में ह्यगांव की समस्या, गांव में समाधानह्व थीम के तहत प्रातः 7 बजे चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में मंडलायुक्त ने ग्रामीणों के साथ सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।चौपाल के दौरान मंडलायुक्त ने गांव के बुजुर्गों से ग्राम के ऐतिहासिक महत्व, पुराने तालाबों की संख्या एवं वर्तमान स्थिति, पारंपरिक मेलों, बाजारों और सामाजिक जीवन के बारे में जानकारी ली। बुजुर्गों ने पुराने समय के खान-पान, त्योहारों और सामाजिक वातावरण को साझा किया ग्रामीणों ने बिजली बिलों में गड़बड़ी, स्मार्ट मीटर से जुड़ी समस्याएं और ढीले तारों के कारण हो रही परेशानियों को प्रमुखता से उठाया। इस पर मंडलायुक्त ने विद्युत विभाग को ग्राम पंचायत में कैंप लगाकर सभी शिकायतों का समाधान करने और 15 दिनों में ढीले तारों को दुरुस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही एसडीएम कांठ को इसकी निगरानी की जिम्मेदारी सौंपी कूड़ा निस्तारण की समस्या पर मंडलायुक्त ने लेखपाल से खाद के गड्ढों के लिए जमीन चिन्हित करने के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से भी स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यूजर चार्ज जमा करने की अपील की कब्रिस्तान में गंदा पानी पहुंचने और जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों की मरम्मत न होने की शिकायत पर उन्होंने अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए राशन वितरण में गड़बड़ी की शिकायत मिलने पर मंडलायुक्त ने मौके पर ही राशन डीलर को बुलाकर जवाब-तलब किया। संतोषजनक जवाब न मिलने पर जिला पूर्ति अधिकारी को आपूर्ति व्यवस्था की जांच के निर्देश दिए एक 90 वर्षीय बुजुर्ग द्वारा पेंशन, फसल बीमा और किसान सम्मान निधि न मिलने की शिकायत पर उन्होंने समाज कल्याण एवं कृषि विभाग को जांच कर पात्र व्यक्तियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए आंगनबाड़ी केंद्रों की गतिविधियों पर असंतोष जताते हुए मंडलायुक्त ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को व्यवस्था में सुधार लाने के निर्देश दिए। कार्यक्रम के दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषण किट वितरित की गई और विद्यालय में पढ़ने वाली बालिकाओं से संवाद कर उनके लिए शौचालय निर्माण के निर्देश भी दिए गए अंत में मंडलायुक्त ने पंचायत भवन गढ़ी में जन सेवा केंद्र का लोकार्पण किया इस मौके पर जॉइंट मजिस्ट्रेट आदित्य श्रीवास्तव, अपर आयुक्त अरुण कुमार सिंह, डीसी गजेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को योजनाओं व सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। मिशन शक्ति अभियान फेज-5.0 के अंतर्गत गुरुवार को महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई गोष्ठी के दौरान प्रतिभागियों को विधवा पेंशन योजना, वृद्धावस्था पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, कृषि कर भुगतान योजना, कन्या सुमंगला योजना तथा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना जैसी योजनाओं के बारे में अवगत कराया गया इस अवसर पर महिलाओं को उनकी सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के प्रति जागरूक करते हुए महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी भी दी गई। इनमें वूमेन पावर लाइन 1090, घरेलू हिंसा हेल्पलाइन 181, पुलिस आपातकालीन सेवा 112, स्वास्थ्य सेवाएं 102 व 108, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड लाइन 1098 तथा साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 शामिल हैं कार्यक्रम में साइबर अपराधों के प्रति भी जागरूक किया गया और उनसे बचाव के उपाय बताए गए। अंत में उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को जागरूकता पंपलेट वितरित किए गए।

जिलाधिकारी ने खेत में की गेहूं की कटाई, क्रॉप कटिंग प्रयोग से उत्पादन का लिया जायजा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह ने एसडीएम सदर श्री राममोहन मीना के साथ तहसील सदर के राजस्व ग्राम मनोहरपुर क्षेत्र में किसान विजय सिंह के खेत पर पहुंचकर क्रॉप कटिंग (फसल कटाई प्रयोग) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्धारित प्रक्रिया के तहत 10 मीटर समबाहु भुजा वाले त्रिभुजाकार क्षेत्र में गेहूं की फसल की कटाई कराई निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्वयं दरांती हाथ में लेकर गेहूं की फसल काटी और मौके पर फसल की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने किसान विजय सिंह से फसल उत्पादन, लागत, सिंचाई के साधन और अन्य कृषि कार्यों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी भी प्राप्त की बताया गया कि राजस्व परिषद द्वारा फसल उत्पादकता के आकलन के लिए तय मानकों के अनुसार इस बार तहसील सदर के ग्राम मनोहरपुर में उक्त खेत को क्रॉप कटिंग प्रयोग के लिए चिन्हित किया गया था। निर्धारित क्षेत्रफल में गेहूं की कटाई कराकर सभी मानकों का पालन करते हुए उत्पादन का आंकलन किया गया इस मौके पर राजस्व विभाग के कर्मचारी भी मौजूद रहे और पूरी प्रक्रिया को नियमानुसार संपन्न कराया गया। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि फसल आकलन की प्रक्रिया पारदर्शी और सटीक तरीके से पूरी की जाए, ताकि किसानों को योजनाओं का लाभ सही रूप से मिल सके।

गो तस्करों पर पुलिस का ऑपरेशन लंगड़ा, मुठभेड़ में 6 गिरफ्तार, 4 घायल

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में गो तस्करों के खिलाफ पुलिस का ह्यऑपरेशन लंगड़ाह्व लगातार जारी है। अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ों के दौरान पुलिस ने कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें चार आरोपी गोली लगने से घायल हुए हैं घटना की शुरूआत 7 अप्रैल को हुई, जब तातारपुर गांव में एक किसान के खेत में प्रतिबंधित गोवंश के अवशेष मिलने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह के निर्देशन में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमें गठित की गईं। देर रात सघन चेकिंग के दौरान डिलारी थाना क्षेत्र में पुलिस ने संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें दो आरोपियों के पैर में गोली लगी और एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि तीन आरोपी फरार हो गए इसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर फरार आरोपियों की तलाश शुरू की। भोजपुर थाना क्षेत्र में गौतम स्कूल के पास दोबारा मुठभेड़ हुई, जिसमें दो और आरोपियों के पैर में गोली लगी। इस तरह कुल चार आरोपी घायल हुए, जबकि दो अन्य आरोपियों को बिना मुठभेड़ के गिरफ्तार किया गया पुलिस ने मौके से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, प्रतिबंधित मांस, अवैध तमंचे तथा जिंदा व खोखा कारतूस बरामद किए हैं। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है पुलिस ने सभी छह आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

निजी स्कूलों पर कार्रवाई की मांग, महंगी किताबों को लेकर अभिभावकों का प्रदर्शन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। जनपद में निजी विद्यालयों द्वारा महंगी पुस्तकों को अनिवार्य किए जाने के विरोध में अभिभावकों का गुस्सा सामने आया है। गुरुवार को मुरादाबाद पेरेंट्स ऑफ ऑल स्कूल के प्रतिनिधिमंडल ने जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को ज्ञापन सौंपकर जिला शुल्क नियामक समिति के आदेशों का उल्लंघन करने वाले विद्यालयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की प्रतिनिधिमंडल में अनुज गुप्ता एडवोकेट, अंकित अग्रवाल एडवोकेट, राजदीप गोयल एडवोकेट, कुमार रोबिन, राजीव सिंह, वैभव गुप्ता समेत कई अभिभावक मौजूद रहे। अभिभावकों ने आरोप लगाया कि जिले के अधिकांश निजी विद्यालय एनसीईआरटी पुस्तकों के साथ निजी प्रकाशकों की महंगी किताबें भी जबरन लागू कर रहे हैं, जिससे अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है ज्ञापन में बताया गया कि कई स्कूलों में एक ही विषय की दो-दो किताबें खरीदने के लिए मजबूर किया जा रहा है। वहीं, स्कूलों द्वारा तय दुकानों पर एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध न कराकर केवल निजी प्रकाशकों की किताबें बेची जा रही हैं। अभिभावकों का कहना है कि दुकानदार साफ तौर पर कह रहे हैं कि स्कूलों में एनसीईआरटी से पढ़ाई नहीं होगी अभिभावकों ने यह भी सवाल उठाया कि जिला शुल्क नियामक समिति की 10 मई 2025 की बैठक में सत्र 2026-27 से कक्षा 1 से 12 तक एनसीईआरटी की किताबें अनिवार्य करने का निर्णय लिया गया था, फिर भी उसका पालन क्यों नहीं हो रहा है। साथ ही, जिन अभिभावकों ने पहले ही महंगी निजी किताबें खरीद ली हैं, उनके लिए कोई राहत या वापसी व्यवस्था क्यों नहीं बनाई गई ज्ञापन में यह भी कहा गया कि कुछ विद्यालय अभिभावकों को विशेष दुकानों से ही किताबें खरीदने के लिए बाध्य कर रहे हैं, जो कि उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम 2018 के प्रावधानों के विपरीत है अभिभावकों ने मांग की है कि पूरे मामले की जांच कर दोषी विद्यालयों पर कड़ी कार्रवाई की जाए और जल्द ही जिला शुल्क नियामक समिति की बैठक बुलाकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं।अंत में अभिभावकों ने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता लाने और आर्थिक शोषण से राहत दिलाने की मांग की है।

शिवसेना कार्यकर्ता पर हमले को लेकर कटघर थाने में जोरदार हंगामा, गिरफ्तारी की मांग

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद । कटघर थाना क्षेत्र में शिवसेना कार्यकर्ता पर हुए हमले के मामले में पुलिस की कथित लापरवाही के विरोध में शिवसेना पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने थाने पर जोरदार हंगामा किया। मामले को लेकर संगठन ने पुलिस को चेतावनी देते हुए जल्द कार्रवाई की मांग की है कटघर थाना क्षेत्र में शिवसेना कार्यकर्ता रोहित पर आसिफ नामक युवक द्वारा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। इस हमले में रोहित घायल हो गया, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। आरोप है कि घटना की शिकायत पुलिस को दिए जाने के बावजूद अब तक न तो मुकदमा दर्ज किया गया और न ही आरोपी के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई इस घटना से नाराज शिवसेना पदाधिकारियों को जैसे ही सूचना मिली, शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा अपने समर्थकों के साथ कटघर थाने पहुंच गए। उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। थाने पहुंचकर उन्होंने पहले घायल शिवसैनिक रोहित और उसके परिवार से मुलाकात कर उनका हाल जाना और पूरे मामले की जानकारी ली इसके बाद शिवसेना पदाधिकारियों ने थाना प्रभारी और अन्य पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। इस दौरान उन्होंने स्पष्ट रूप से मांग रखी कि हमलावर के खिलाफ तत्काल मुकदमा दर्ज किया जाए और उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए थाने में मौजूद कार्यकताओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए आक्रोश जताया। कुछ समय के लिए माहौल तनावपूर्ण हो गया, हालांकि बाद में अधिकारियों के समझाने पर स्थिति नियंत्रित हो सकी शिवसेना जिला प्रमुख वीरेंद्र अरोड़ा ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तारी नहीं की गई, तो शिवसेना कार्यकर्ता कटघर थाने के बाहर धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में शिवसैनिकों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और संगठन अपने कार्यकताओं की सुरक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेगा इस दौरान शिबू पांडे, अरुण ठाकुर, राजीव राठौर, जीतू पाल, धर्मपाल सिंह, मयंक सैनी, अमित, सुरेश सैनी, विशाल सैनी, राजपाल, विकास सहित कई प्रमुख कार्यकर्ता मौजूद रहे।

स्कूलों में फीस वसूली और भ्रष्टाचार के खिलाफ शिवसेना का प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। स्कूलों में बढ़ती फीस, महंगी ड्रेस और शिक्षा के व्यवसायीकरण को लेकर शिवसेना ने मुरादाबाद सहित पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया। इस क्रम में शिवसेना कार्यकताओं ने शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी मुरादाबाद के माध्यम से सौंपा यह कार्यक्रम शिवसेना पश्चिमी उत्तर प्रदेश राज्य प्रमुख ललित मोहन शर्मा के निर्देश पर आयोजित किया गया, जिसका नेतृत्व जिला प्रमुख नन्हे चौधरी ने किया। इस दौरान बड़ी संख्या में शिवसैनिक मौजूद रहे मंडल प्रमुख गुड्डू सैनी ने कहा कि प्रदेश के अधिकांश शिक्षण संस्थानों में पर्याप्त सुविधाएं नहीं होने के बावजूद निजी स्कूलों में पढ़ाई का चलन तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल संचालक महंगी फीस, ड्रेस और पाठ्यक्रम के नाम पर अभिभावकों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। साथ ही छात्रों के नवीनीकरण (री-एडमिशन) के नाम पर दोबारा शुल्क वसूला जा रहा है, जिससे अभिभावकों में भारी आक्रोश है शिवसेना पदाधिकारियों ने मांग की कि निजी स्कूलों की मनमानी फीस वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए और शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए ज्ञापन देने वालों में राज्य सचिव रामप्रसाद प्रजापति, राज्य प्रचारक बाबा कुशाल सिंह, मंडल प्रभारी नितिन वर्मा, महानगर प्रमुख रजत सोत्रिये, युवा जिला प्रमुख राकेश प्रजापति, मंडल उप प्रमुख नकुल यादव, मंडल सचिव ठाकुरदास सैनी, मंडल उप प्रमुख मुकेश सक्सेना, मंडल सचिव सूरजपाल सैनी, जिला उप प्रमुख इंद्रजीत सिंह, जिला उप प्रमुख मुकेश दिवाकर, जिला महासचिव गुरमीत सिंह बेदी, ओम प्रकाश सैनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के महानगर महामंत्री अमित अग्रवाल को दी भावभीनी श्रद्धांजलि, क्लासिक बैंकट हॉल में आयोजित हुई सभा

बुलन्द मंज़िल ब्यूरो

मुरादाबाद। अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के महानगर महामंत्री स्व. अमित अग्रवाल के आकस्मिक एवं दुखद निधन पर गुरुवार को शहर के क्लासिक बैंकट हॉल में एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम सायं 4 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे सभा में धर्म गुरु आचार्य श्री धीर शांत दास जी ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि स्व. अग्रवाल एक समर्पित, कर्मठ एवं हिन्दू समाज के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्तित्व थे। उनका जीवन समाज सेवा और संगठन के प्रति निष्ठा का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। उनका निधन संगठन के लिए अपूरणीय क्षति है इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री श्री ईश्वरी प्रसाद जी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि स्व. अग्रवाल ने संगठन को मजबूत करने और समाजहित में कार्य करने को सदैव प्राथमिकता दी। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की सभा में डॉ. विशेष कुमार गुप्ता (पूर्व अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग उत्तर प्रदेश), मनोज व्यास (क्षेत्र महामंत्री), मनोज कुमार गुप्ता (पूर्व महानगर अध्यक्ष भाजपा), धवल दीक्षित, अतुल खन्ना, रोहित भटनागर, कुमार देव सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त करते हुए स्व. अग्रवाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया कार्यक्रम में रोहन सक्सेना, अभिषेक श्रीवास्तव, इशांत भारद्वाज, सुरेश कुमार गुप्ता, कुमार विशु, कुमार विभु, रजत शर्मा, स्वयं शर्मा, रचित शर्मा, गुरप्रीत सिंह दुआ, सौरभ मित्तल, विशाल अग्रवाल, सचिन सिंघल, सुशांत गुप्ता, कृष शर्मा, गुड्डू बरनवाल, कैलाश प्रजापति सहित अनेक लोग उपस्थित रहे इस दौरान अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद केंद्रीय समिति, राष्ट्रीय बजरंग दल, ऑल इंडिया सिख स्टूडेंट फेडरेशन, अग्रसेन समाज महासभा, ब्राह्मण महासभा युवा समेत विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की सभा के अंत में सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने स्व. अमित अग्रवाल के आदर्शों पर चलने का संकल्प लेते हुए संगठन को आगे बढ़ाने का दृढ़ निश्चय व्यक्त किया।

दैनिक बुलन्द मंज़िल
बिजनौर
संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

तहसीलदार हटाओ, तहसील बचाओ के नारों से गूंजी चांदपुर तहसील, भाकियू (टिकैत) का जोरदार धरना

चांदपुर तहसील में फूटा किसानों का गुस्साः तहसीलदार हटाओ, तहसील बचाओ के नारों से गूंजा परिसर

दैनिक बुलंद मंजिल /नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर तहसील में गुरुवार को उस समय हालात तनावपूर्ण हो गए, जब भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) के सैकड़ों कार्यकर्ता तहसीलदार आलोक कठेरिया के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए धरने पर बैठ गए। किसानों ने तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार, लापरवाही और अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाते हुए जमकर नारेबाजी की और तत्काल कार्रवाई की मांग की।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भाकियू (टिकैत) के तहसील अध्यक्ष नितिन राणा किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर तहसील पहुंचे थे। आरोप है कि जब वह तहसीलदार के कार्यालय पहुंचे, तो तहसीलदार वहां मौजूद नहीं मिले। इसके बाद किसान एसडीएम कार्यालय पहुंचे, जहां कथित रूप से तहसीलदार परिसर से निकलते हुए दिखाई दिए।

किसानों का आरोप है कि जब तहसील अध्यक्ष ने फोन पर संपर्क किया, तो तहसीलदार आलोक कठेरिया ने खुद को तहसील में मौजूद न होने की बात कही, जिससे किसानों में भारी रोष व्याप्त हो गया। इस घटना को लेकर किसानों ने प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाए और इसे किसानों के साथ छल बताया।

आक्रोशित कार्यकर्ता तुरंत तहसील परिसर में ही धरने पर बैठ गए और तहसीलदार हटाओ, तहसील बचाओ के नारे लगाते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि चांदपुर तहसील में भ्रष्टाचार अपने चरम पर है और किसानों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें अपमानित कर कार्यालयों से बाहर कर दिया जाता है।

धरने के दौरान माहौल पूरी तरह से आंदोलित रहा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही तहसीलदार के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई और किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

इस दौरान जिला सचिव चौधरी हरीराज, जिला संगठन मंत्री महिपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष जसवंत सिंह नामधारी, नगर अध्यक्ष बब्बू शेख, रोहतास प्रधान, सुनील चौधरी, सुधांशु चौधरी, तहसील महासचिव राजीव चौधरी, जिला उपाध्यक्ष अशोक कुमार, लवि शेख, राहुल चिकारा, बबलू प्रधान, अनिल सिद्धू, वीरपाल सिंह, यशवीर सिंह, हरवीर सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी कल्याण सिंह और मीडिया प्रभारी मोहम्मद हनीफ सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

प्रशासन की परीक्षाः

चांदपुर तहसील में किसानों का यह उग्र विरोध प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि जिम्मेदार अधिकारी इस मामले में क्या कदम उठाते हैं और किसानों को राहत कब तक मिलती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष के स्वागत में उमड़ा जनसैलाब, अरविंद कुमार उर्फ पप्पू चेयरमैन बोले—कार्यकताओं की ताकत से ही बनेगा मजबूत संगठन

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । चांदपुर में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के नगर आगमन पर चांदपुर में भाजपा कार्यकताओं और पदाधिकारियों ने भव्य स्वागत कर शक्ति प्रदर्शन किया। नगर के विभिन्न स्थानों पर फूल-मालाओं के साथ उनका जोरदार अभिनंदन किया गया, जिससे पूरा माहौल उत्साहपूर्ण बन गया।

कार्यक्रम के दौरान जिला अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि संगठन की एकजुटता और अनुशासन ही भाजपा की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कार्यकताओं से आान किया कि वे समर्पण और निष्ठा के साथ संगठन को मजबूत करने में जुटे रहें और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाएं।

इस अवसर पर नगर के प्रमुख भाजपा नेता एवं अरविंद कुमार उर्फ पप्पू चेयरमैन ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण के दम पर ही संगठन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने सभी कार्यकताओं से अपील की कि वे एकजुट होकर आगामी चुनावों और पार्टी कार्यक्रमों को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें।

नगर प्रवास के दौरान जिला अध्यक्ष ने वरिष्ठ कार्यकताओं सुधीन्द्र चौधरी, अनिल गुप्ता, आशु गोयल एवं मनजीत चौधरी के आवास पर पहुंचकर शिष्टाचार भेंट की और संगठन की मजबूती को लेकर चर्चा की।

जिला अध्यक्ष ने आगे कहा कि यदि सभी कार्यकर्ता लगातार सक्रिय रहकर संगठन के विस्तार में योगदान देंगे, तो पार्टी और अधिक सशक्त होकर उभरेगी। उन्होंने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाने पर भी विशेष जोर दिया।

इस मौके पर भूपेंद्र चौहान, नगर अध्यक्ष मोहित अग्रवाल, अरविंद कुमार उर्फ पप्पू चेयरमैन, रजनीश चौहान, आशु गोयल, मीनू राजपूत,नवनीत राणा, अमित गुप्ता, हेमंत चौहान, मनजीत चौधरी, अर्पित गोयल, सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला अध्यक्ष के इस दौरे ने न केवल कार्यकताओं में जोश भरा, बल्कि स्थानीय नेताओं के बयानों से यह भी स्पष्ट हुआ कि संगठन आगामी चुनावों को लेकर पूरी तरह सक्रिय और तैयार है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध का असर: चांदपुर में महंगाई ने मचाई तबाही, दाल-तेल से गैस तक सब महंगा, गरीब की थाली पर संकट

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच एक माह से अधिक समय तक चले युद्ध और हालिया सीजफायर के बावजूद इसके दुष्प्रभाव अब पूरी दुनिया में देखने को मिल रहे हैं। इस संघर्ष ने न केवल अंतरराष्ट्रीय हालात को अस्थिर किया है, बल्कि आम आदमी की जिंदगी पर भी सीधा असर डाला है। गांवों से लेकर महानगरों तक महंगाई ने आम जनमानस की कमर तोड़ दी है। युद्ध के चलते तेल और गैस की आपूर्ति प्रभावित हुई, जिसका सीधा असर बाजार पर पड़ा। खाद्य वस्तुओं के दामों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गई है। सबसे ज्यादा असर तिलहन और दालों पर देखने को मिला है, जिससे गरीब और मध्यम वर्ग के लिए रोजमर्रा का भोजन जुटाना भी कठिन होता जा रहा है।

दाल-तेल के बढ़ते दाम से थाली पर संकट

रिफाइंड तेल, जो पहले करीब 130 रुपये (750 ग्राम) में मिल रहा था, अब 150 रुपये तक पहुंच गया है। सरसों तेल के दामों में भी 20 से 25 रुपये प्रति किलो तक का इजाफा हुआ है।

वहीं दालों की कीमतों में 10 से 25 रुपये प्रति किलो की वृद्धि दर्ज की गई है, जिससे दाल-भात जैसी आम लोगों की थाली अब महंगी हो गई है।

चावल और मसालों ने भी बढ़ाई मुश्किलें

बासमती चावल के दामों में 20 से 25 रुपये प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है, जबकि शरबती चावल भी 5 से 10 रुपये महंगा हो गया है। मसालों के दामों में भी तेज उछाल आया है—पिसा धनिया 150 रुपये से बढ़कर 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। काली मिर्च, लौंग, इलायची, लाल मिर्च और हल्दी जैसे आवश्यक मसालों के दामों में भी भारी बढ़ोतरी हुई है।

गैस संकट से ठप पड़ते कारोबार

रसोई गैस और व्यावसायिक सिलेंडरों की किल्लत ने छोटे व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। फास्ट फूड विक्रेता गैस न मिलने के कारण अपना व्यवसाय बंद करने को मजबूर हैं। कई रेस्टोरेंट और होटल भी बंदी के कगार पर पहुंच गए हैं। वैकल्पिक ईंधन जैसे कोयला और लकड़ी भी महंगे होने से राहत नहीं मिल पा रही है।

आम आदमी का बिगड़ा बजट

लगातार बढ़ती महंगाई ने गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों का रसोई बजट पूरी तरह बिगाड़ दिया है। रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करना चुनौती बन गया है और आम आदमी आर्थिक दबाव में आ गया है।

अमेरिका, इजरायल और ईरान युद्ध के चलते उत्पन्न हालातों ने साफ कर दिया है कि अंतरराष्ट्रीय घटनाएं किस तरह आम आदमी के जीवन को प्रभावित करती हैं। यदि महंगाई पर शीघ्र नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं।

सोना-चांदी के दामों में जबरदस्त उछाल, आम आदमी की पहुंच से दूर हुए गहने—सराफा बाजार में तेजी

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। वैश्विक आर्थिक हालात और बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच सराफा बाजार में सोना और चांदी के दाम लगातार ऊंचाई छू रहे हैं। 09 अप्रैल 2026 को दोपहर 12 बजे जारी ताजा भाव के अनुसार कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी बनी हुई है, जिससे आम ग्राहकों पर सीधा असर पड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, सोना (999.9) फ्छत्रू का भाव ?1,54,450 प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। वहीं स्थानीय तैयारी वाला सोना (99.50) ?51,000 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इसके अलावा पुरानी गिन्नी का भाव ?1,11,850 तक पहुंच गया है, जो बाजार में तेजी का संकेत दे रहा है।

वहीं चांदी के दामों में भी जोरदार उछाल देखा गया है। चांदी (999.9) फ्छत्रू ?2,43,300 प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है, जबकि स्थानीय तैयारी चांदी (99) का भाव ?2,38,000 प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। पुराने चांदी के सिक्कों का भाव भी बढ़कर ?2,472 प्रति नग हो गया है।

दिनांकः 09-Apr-2026 भाव 12 PM

सोना (999.9) RTGS	₹	154450
स्थानीय तैयारी सोना (99.50)	₹	151000
जेवर गिन्नी	₹	-
चाँदी (999.9) RTGS	₹	243300
स्थानीय तैयारी चाँदी (99)	₹	238000
स्थानीय भाव पुराना चाँदी सिक्का	₹	2472
स्थानीय भाव पुरानी गिन्नी	₹	111850

सराफा कारोबारियों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते तनाव, निवेशकों की सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ती रुचि और बाजार में उतार-चढ़ाव के चलते सोना-चांदी के दामों में यह तेजी आई है।

लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों के लिए गहने खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। शादी-विवाह के सीजन में इसका असर और अधिक देखने को मिल सकता है, जहां ग्राहक बजट को लेकर चिंतित नजर आ रहे हैं।

सोना-चांदी के दामों में जारी यह उछाल जहां निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो रहा है, वहीं आम उपभोक्ताओं के लिए परेशानी का कारण बन गया है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो आने वाले दिनों में कीमतें और भी बढ़ सकती हैं।

10 अप्रैल को जारी होगी अंतिम मतदाता सूची, बिजनौर में 24.85 लाख से अधिक मतदाता—जनता से अवलोकन की अपील

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर। अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत जनपद बिजनौर में अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 10 अप्रैल 2026 (शुक्रवार) को किया जाएगा। यह जानकारी अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी वान्या सिंह द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में दी गई।

बताया गया कि अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में, विधानसभा स्तर पर संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (तहसील) कार्यालय में तथा प्रत्येक मतदान केंद्र एवं मतदेय स्थलों पर किया जाएगा। यहां आम नागरिकों के अवलोकन के लिए मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी।

विधानसभावार मतदाताओं का विवरण (10 अप्रैल 2026 तक):

नजीबाबादः 3,21,113 मतदाता

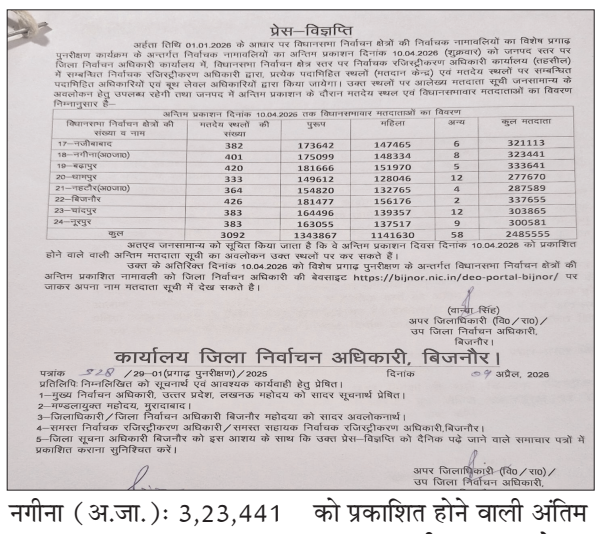

प्रेस–विज्ञप्ति

अर्हता तिथि 01.01.2026 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन दिनांक 10.04.2026 (शुक्रवार) को जनपद स्तर पर जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में, विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय (तहसील) में सम्बन्धित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा, प्रत्येक पदाभिहित स्थलों (मतदान केन्द्र) एवं मतदेय स्थलों पर सम्बन्धित पदाभिहित अधिकारियों एवं बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा किया जायेगा। उक्त स्थलों पर आलेख्य मतदाता सूची जनसामान्य के अवलोकन हेतु उपलब्ध रहेगी तथा जनपद में अन्तिम प्रकाशन के दौरान मतदेय स्थल एवं विधानसभावार मतदाताओं का विवरण निम्नानुसार है–

अन्तिम प्रकाशन दिनांक 10.04.2026 तक विधानसभावार मतदाताओं का विवरण

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या व नाम	मतदेय स्थलों की संख्या	पुरुष	महिला	अन्य	कुल मतदाता
17–नजीबाबाद	382	173642	147465	6	321113
18–नगीना(अ0जा0)	401	175099	148334	8	323441
19–बढ़ापुर	420	181666	151970	5	333641
20–धामपुर	333	149612	128046	12	277670
21–नहटौर(अ0जा0)	364	154820	132765	4	287589
22–बिजनौर	426	181477	156176	2	337655
23–चांदपुर	383	164496	139357	12	303865
24–नूरपुर	383	163055	137517	9	300581
कुल	3092	1343867	1141630	58	2485555

अतएव जनसामान्य को सूचित किया जाता है कि ये अन्तिम प्रकाशन दिवस दिनांक 10.04.2026 को प्रकाशित होने वाले वाली अन्तिम मतदाता सूची का अवलोकन उक्त स्थलों पर कर सकते हैं।

उक्त के अतिरिक्त दिनांक 10.04.2026 को विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अन्तर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की अन्तिम प्रकाशित नामावली को जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट https://bijnor.nic.in/deo-portal-bijnor/ पर जाकर अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं।

(वान्या सिंह)
अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/
उप जिला निर्वाचन अधिकारी,
बिजनौर।

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी, बिजनौर।

पत्रांक 328 /29–01(प्रगाढ़ पुनरीक्षण)/2025 दिनांक 09 अप्रैल, 2026

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।
1–मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश, लखनऊ महोदय को सादर सूचनार्थ प्रेषित।
2–मण्डलायुक्त महोदय, मुरादाबाद।
3–जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी बिजनौर महोदया को सादर अवलोकनार्थ।
4–समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी,बिजनौर।
5–जिला सूचना अधिकारी बिजनौर को इस आशय के साथ कि उक्त प्रेस–विज्ञप्ति को दैनिक पत्रों जाने वाले समाचार पत्रों में प्रकाशित कराना सुनिश्चित करें।

अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/
उप जिला निर्वाचन अधिकारी,

नगीना (अ.जा.): 3,23,441 मतदाता

बढ़ापुरः 3,33,641 मतदाता

धामपुरः 2,77,670 मतदाता

नहटौर (अ.जा.): 2,87,589 मतदाता

बिजनौरः 3,37,655 मतदाता

चांदपुरः 3,03,865 मतदाता

नूरपुरः 3,00,581 मतदाता

जनपद में कुल 3092 मतदेय स्थल हैं, जबकि कुल मतदाताओं की संख्या 24,85,555 दर्ज की गई है, जिसमें पुरुष मतदाता 13,43,867 और महिला मतदाता 11,41,630 शामिल हैं।

प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि वे 10 अप्रैल को प्रकाशित होने वाली अंतिम मतदाता सूची का अवलोकन अवश्य करें और यदि किसी प्रकार की त्रुटि हो तो नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराएं।

इसके अतिरिक्त नागरिक जिला निर्वाचन अधिकारी की आधिकारिक वेबसाइट पर भी जाकर अपना नाम मतदाता सूची में देख सकते हैं।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन लोकतांत्रिक प्रक्रिया का अहम चरण है। प्रशासन द्वारा लोगों से अधिक से अधिक संख्या में सूची का अवलोकन कर अपने मताधिकार को सुनिश्चित करने की अपील की गई है।

शिक्षा माफिया के खिलाफ गरजी शिवसेना, बिजनौर कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन

मनमानी फीस पर लगाम की मांग

दैनिक बुलंद मंजिल नागेन्द्र राजपूत

चांदपुर । प्राइवेट स्कूलों की मनमानी के खिलाफ शिवसेना ने जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिला अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान शिवसैनिकों ने शिक्षा माफिया के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अभिभावकों के शोषण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। शिवसेना पदाधिकारियों का आरोप है कि निजी स्कूलों द्वारा मनमाने तरीके से फीस वसूली की जा रही है। स्कूल प्रबंधन द्वारा किताबों को ओवर रेट पर बेचा जा रहा है, जबकि हर वर्ष बिल्डिंग फीस और अन्य शुल्क के नाम पर अभिभावकों से अतिरिक्त धन लिया जा रहा है। इसके अलावा स्कूल ड्रेस भी

निर्धारित दुकानों या कॉलेज से ही खरीदने का दबाव बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि छात्रों के नवीनीकरण (री-एडमिशन) के नाम पर हर साल दोबारा शुल्क लिया जाता है, जिससे अभिभावकों पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से शिक्षा के नाम पर शोषण है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शिवसेना नेताओं ने जिला प्रशासन से मांग की कि निजी स्कूलों की फीस संरचना पर नियंत्रण किया जाए, मनमानी वसूली पर रोक लगाई जाए और दोषी स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। इस दौरान जिला प्रमुख चौधरी वीर सिंह, जिला प्रमुख विजय मोहन गुप्ता, युवा जिला प्रमुख शोभित गुर्जर, धर्मवीर सिंह तोमर, डॉ. दिनेश कुमार, मनीत, अरुण कुमार, भूपेंद्र कुमार, आंतरिक कौशिक, शशि कुमार, विपुल चौधरी, संदीप चौहान, तुषार रस्तोगी, मनजीत चौधरी सहित बड़ी संख्या में शिवसैनिक मौजूद रहे।

शिवसेना का यह प्रदर्शन जिले में शिक्षा व्यवस्था को लेकर बढ़ती नाराजगी को दशार्ता है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है और अभिभावकों को राहत कब तक मिलती है।

हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती का 97वां उर्स शुरू

उर्स का आगाज साहनपुर चेयरमैन खुर्शीद मंसूरी ने फीता काटकर किया

दैनिक बुलंद मंज़िल मौहम्मद फैजान

नजीबाबाद। मोहल्ला पाईंबाग स्थित हजरत बाबा नन्हें मियां चिश्ती दरगाह में 97वां उर्स मुबारक बुधवार रात से शुरू हो गया। हर वर्ष की तरह इस साल भी उर्स का आयोजन पूरे अकीदत और श्रद्धा के साथ किया जा रहा है। उर्स का आगाज साहनपुर चेयरमैन

खुर्शीद मंसूरी ने फीता काटकर किया। इस मौके पर उन्होंने अपनी ओर से अकीदत की चादर भी पेश की।

मगरिब की नमाज के बाद लंगर तकसीम किया गया। इसके बाद ईशा की नमाज के पश्चात महफिल-ए-शमा कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें मशहूर कव्वालों ने अपने कलाम पेश कर माहौल को सूफियाना रंग में रंग दिया। महफिल में जफर यूनुस साबरी, शौकत अली रहती मंडावर और अरमान साबरी सहित अन्य कव्वालों ने शानदार प्रस्तुतियां दीं, जिससे श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए।

कार्यक्रम के दौरान अजीम अख्तर, सूफी नजाकत अली, बाबा मो० हसन, डॉ. जुनैद अंसारी, इदरीस अब्बासी, अब्बास खलीफा, शरीफ अहमद उर्फ मद्दू खलीफा, कामरान अली अंसारी और शराफत चौधरी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

कोहाड़ापीर बुलडोजर कार्रवाई पीड़ित व्यापारियों से मिला सपा प्रतिनिधिमंडल

महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी के नेतृत्व में हालात का लिया जायजा, व्यापारियों की समस्याएं सुनीं

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। कोहाड़ापीर क्षेत्र में नगर निगम द्वारा चल रही बुलडोजर कार्रवाई के बीच समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल आज पीड़ित व्यापारियों से मिलने पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने मौके पर पहुंचकर दुकानदारों की समस्याएं सुनीं और उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी के नेतृत्व में पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल पार्टी कार्यालय से कोहाड़ापीर के लिए रवाना हुआ। टीम ने वहां पहुंचकर बुलडोजर कार्रवाई से प्रभावित दुकानदारों और स्थानीय व्यापारियों से मुलाकात की। पीड़ित व्यापारियों ने प्रतिनिधिमंडल को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। उनका कहना था कि बिना पर्याप्त नोटिस और वैकल्पिक व्यवस्था के की जा रही इस कार्रवाई से उनका रोजगार पूरी तरह प्रभावित हो गया है। कई व्यापारियों ने आरोप लगाया कि वर्षों से चल रही दुकानों को अचानक हटाए जाने से उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। इस दौरान सपा प्रतिनिधिमंडल ने व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और भरोसा दिलाया कि पार्टी उनके हितों की रक्षा के लिए प्रशासन के समक्ष मजबूती से आवाज उठाएगी। महानगर अध्यक्ष शमीम खाँ सुल्तानी ने कहा कि गरीब और छोटे व्यापारियों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यदि जरूरत पड़ी तो पार्टी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन भी करेगी। बिना समुचित नोटिस और पुनर्वास के इस तरह की कार्रवाई पूरी तरह अन्यायपूर्ण है। समाजवादी पार्टी पीड़ित व्यापारियों के साथ खड़ी है और उनके हक की लड़ाई लड़ेगी।ह्व शमीम खाँ सुल्तानी

जिला पूर्ति कार्यालय में डीएम का औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं पर कसा शिकंजा

बरेली। जिला अधिकारी अविनाश सिंह ने आज जिला पूर्ति कार्यालय का औचक निरीक्षण कर प्रशासनिक व्यवस्था की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति, साफ-सफाई और कार्यालय संचालन की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कार्यालय में मौजूद कर्मचारियों की उपस्थिति रजिस्टर की जांच की। समय से अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों पर सख्ती के संकेत देते हुए उन्होंने समयपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साफ-सफाई और व्यवस्थाओं पर जताई नाराजगी कार्यालय परिसर में साफ-सफाई की स्थिति को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कहा कि आम जनता से जुड़े कार्यालयों में स्वच्छता और सुव्यवस्था प्राथमिकता होनी चाहिए। अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यप्रणाली में सुधार, पारदर्शिता बनाए रखने और जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

अचानक पहुंचे डीएम, पूर्ति कार्यालय में हड़कंप, रजिस्टर खुला तो गायब मिले कर्मचारी, सफाई पर भी बरसे

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिला पूर्ति कार्यालय में गुरुवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब जिलाधिकारी अविनाश सिंह अचानक छापा मारने पहुंच गए। डीएम के औचक निरीक्षण की भनक लगते ही दफ्तर में मौजूद कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। कई कर्मचारी फाइलों में उलझे नजर आए तो कुछ अपनी सीटों की ओर भागते दिखे। अचानक हुई इस कार्रवाई से पूरे कार्यालय का माहौल कुछ देर के लिए पूरी तरह बदल गया। उपस्थिति रजिस्टर की जांच, कई सीटें मिली खाली निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले कर्मचारियों की उपस्थिति का हाल जाना। उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर मंगवाकर बारीकी से जांच की और देखा कि कितने कर्मचारी समय पर पहुंचे हैं और कितने नदारद हैं। सूत्रों के मुताबिक निरीक्षण के दौरान कई सीटें खाली मिलीं, जिस पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकारी दफ्तरों में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फाइलों और कामकाज का भी लिया जायजा जिलाधिकारी ने केवल उपस्थिति ही नहीं देखी, बल्कि दफ्तर में चल रहे कामकाज की भी पड़ताल की। उन्होंने अधिकारियों से फाइलों की स्थिति, लंबित मामलों और जनता से जुड़ी शिकायतों के निस्तारण के बारे में जानकारी ली। कुछ मामलों में काम की गति धीमी मिलने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारियों को फटकार भी लगाई और लंबित कार्यों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए। गंदगी देख नाराज हुए डीएम निरीक्षण के दौरान कार्यालय परिसर की साफ-सफाई भी डीएम की नजर से बच नहीं सकी। कई जगह गंदगी और अव्यवस्था देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकारी कार्यालय में आने वाले आम लोगों को बेहतर माहौल मिलना चाहिए, लेकिन यहां व्यवस्था संतोषजनक नहीं दिख रही है। इसके बाद उन्होंने तत्काल साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने अधिकारियों और कर्मचारियों को सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि सरकारी दफ्तर जनता की सेवा के लिए हैं और यहां काम में ढिलाई किसी भी हालत में स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर आगे भी लापरवाही या अनियमितता मिली तो जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीएम के इस अचानक छापे के बाद पूरे पूर्ति विभाग में दिनभर चर्चा का माहौल बना रहा।

एम्स तक बजेगा बरेली का डंका, हेल्थ प्रोफेशनल रत्न से सम्मानित होंगी डॉ. गीतांजलि

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार उत्कृष्ट कार्य कर रहीं बरेली की वरिष्ठ फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. गीतांजलि डी. सिंह को देश के शीर्ष चिकित्सा संस्थान एम्स, नई दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में सम्मानित किया जाएगा। उन्हें हेल्थ प्रोफेशनल रत्न अवॉर्ड से नवाजा जाएगा। यह सम्मान उनके लंबे अनुभव, मरीजों के उपचार और व्यवहार में कुशलता , पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए दिया जा रहा है। डॉ. गीतांजलि 25 वर्षों से फिजियोथेरेपी और पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में सक्रिय हैं। उन्होंने मिशन अस्पताल, बरेली में विभाग का नेतृत्व करते हुए लकवा, नसों से जुड़ी बीमारियों, बच्चों के विकास संबंधी विकार और बुजुर्गों की कमजोरी जैसी जटिल समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण कार्य किया है। आधुनिक तकनीकों से दर्द और विकारों का इलाज डॉ. सिंह दर्द निवारण और शारीरिक क्षमता बढ़ाने के लिए कई आधुनिक उपचार पद्धतियों में दक्ष हैं। इनमें सुई चिकित्सा, मांसपेशियों की जकड़न दूर करने की तकनीक, टेपिंग, कपिंग और हाथों से किए जाने वाले विशेष उपचार शामिल हैं। फेफड़ों से जुड़ी समस्याओं वाले मरीजों के लिए भी वे विशेष पुनर्वास सेवा दे रही हैं। बरेली में अत्याधुनिक पुनर्वास केंद्र का संचालन सिविल लाइंस स्थित उनका वेलनेस क्लिनिक आधुनिक सुविधाओं से लैस है, जहां नसों, हड्डियों और खेल से जुड़ी चोटों के इलाज के साथ-साथ बुजुर्गों के लिए विशेष देखभाल की व्यवस्था है। यह केंद्र शहर में उन्नत फिजियोथेरेपी सेवाओं का प्रमुख केंद्र बन चुका है। डॉ. गीतांजलि सिंह कई प्रमुख चिकित्सा संस्थाओं की आजीवन सदस्य हैं और देशभर में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों और कार्यशालाओं में भाग लेकर लगातार नई तकनीकों को सीख रही हैं। उनका उद्देश्य मरीजों को बेहतर और प्रभावी इलाज उपलब्ध कराना है। 1-12 अप्रैल को एम्स में होगा सम्मान नई दिल्ली के एम्स में 9 से 12 अप्रैल 2026 तक आयोजित इस सम्मेलन के दौरान 11 या 12 अप्रैल को उन्हें यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। आयोजन समिति ने उनके चयन को चिकित्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा का प्रमाण बताया है। डॉ. गीतांजलि सिंह को मिलने वाला यह सम्मान न सिर्फ उनकी मेहनत का परिणाम है, बल्कि बरेली के लिए भी गर्व का क्षण है। उनके प्रयासों से पुनर्वास चिकित्सा के क्षेत्र में नई दिशा मिल रही है और मरीजों को बेहतर जीवन जीने का मौका मिल रहा है। फिजियोथेरेपी के क्षेत्र में अब तक 10 से अधिक राष्ट्रीय पुरस्कार हासिल कर चुकी हैं। एम्स में मिलने वाला हेल्थ प्रोफेशनल रत्न अवार्ड अब तक का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित सम्मान है। डॉ. गीतांजलि सिंह ने कहा कि यह अवॉर्ड मेरे प्रोफेशनल करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। मैं लोगों की सेवा कर उनका दर्द दूर कर सकूं। यही मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है।

काम नहीं तो पद नहीं : व्यापार मंडल की बैठक में बड़ा फैसला, निष्क्रिय पदाधिकारी होंगे बाहर, जल्द बनेगी नई टीम

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल, जनपद बरेली की समीक्षा बैठक प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें संगठन को और मजबूत करने के लिए कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में स्पष्ट संदेश दिया गया कि अब संगठन में निष्क्रियता बर्दाश्त नहीं की जाएगी और जल्द ही नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा। पदाधिकारियों का हुआ सम्मान, भाजपा में दायित्व मिलने पर बधाई बैठक में उन पदाधिकारियों का विशेष रूप से स्वागत किया गया, जिन्हें भारतीय जनता पार्टी में नए दायित्व मिले हैं। सभी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन ने इसे व्यापार मंडल की सक्रियता और प्रभाव का परिणाम बताया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि जिला, महानगर और सभी मोर्चा-प्रकोष्ठों का गठन जल्द किया जाएगा। साथ ही जो पदाधिकारी लंबे समय से निष्क्रिय हैं, उन्हें पद से मुक्त किया जाएगा। ईमानदारी और सक्रियता हमारी पहचानः मुकुल अग्रवाल प्रदेश महामंत्री मुकुल अग्रवाल ने कहा कि व्यापार मंडल का हर पदाधिकारी ईमानदारी और सक्रियता के साथ काम करता है। यही वजह है कि देश की सबसे बड़ी पार्टी भाजपा में संगठन के लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिल रही हैं। उन्होंने जल्द ही जिला और महानगर कमेटी गठन के निर्देश दिए। वहीं मंडल अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने कहा कि जल्द ही बरेली मंडल का भ्रमण कार्यक्रम तय किया जाएगा, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और सक्रिय बनाया जा सके। निष्क्रियता नहीं होगी बर्दाश्तः सुधीश पांडेय जिला अध्यक्ष सुधीश पांडेय ने दो टूक कहा कि निष्क्रिय पदाधिकारी अब बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। जिला और महानगर के समन्वय से जल्द नई कार्यकारिणी बनाई जाएगी। साथ ही जनपद में एक बड़े कार्यक्रम के आयोजन की भी घोषणा की गई। वहीं प्रदेश अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि व्यापार मंडल एक अराजनीतिक संगठन है और हमेशा व्यापारी हित में कार्य करता रहेगा। इन पदाधिकारियों का हुआ स्वागत कार्यक्रम में अंकित शुक्ला (जिला महामंत्री, बरेली), राजू उपाध्याय (जिला महामंत्री, आंवला), संजय चौहान (जिला मंत्री), कैलाश शर्मा (नगर अध्यक्ष, फतेहगंज पश्चिम) को भाजपा में नियुक्ति पर सम्मानित किया गया। बैठक में महानगर अध्यक्ष अजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष पंकज कपूर, जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र पांडेय, संतोष पटेल, मनोज खंडेलवाल, संयुक्त महामंत्री दिनेश सोलंकी, जिला मंत्री नरेश कश्यप, नरेंद्र सिंह, संगठन मंत्री वेद प्रकाश शर्मा, ऋषभ अग्रवाल, कमल मिश्रा, संजीव शुक्ला (नगर अध्यक्ष फरीदपुर), शिवम शर्मा (नगर अध्यक्ष रिठौरा) सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

आज से शुरू होगा दस्तक अभियान, घर-घर होगी दस्तक

आशाओं को किया गया प्रशिक्षित ,बुखार में देरी पड़ेगी भारी -मुख्य चिकित्साधिकारी

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जनपद में 10 से 30 अप्रैल तक ह्यदस्तक अभियानह्व चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत आशा कार्यकत्री घर-घर जाकर लोगों को संचारी रोगों के लक्षण, बचाव और उपचार के प्रति जागरूक करेंगी, साथ ही संभावित मरीजों की पहचान भी करेंगी। अभियान के दौरान हीट वेव से बचाव को लेकर भी विशेष जागरूकता चलाई जाएगी। इसी क्रम में गुरुवार को 300 शैय्या चिकित्सालय में आशाओं को प्रशिक्षण दिया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विश्राम सिंह ने बताया कि हर साल तीन बार 21 दिवसीय ह्यदस्तक अभियानह्व विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान के साथ संचालित किया जाता है।

इसको लेकर फ्रंटलाइन वर्कर्स को 4,6, और 7 जुलाई को प्रशिक्षित किया जा चुका है त्न बृहस्पतिवार को आखिरी बैच का प्रशिक्षण था ` अभियान को लेकर सभी आशाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है` जिला सर्वेलांस अधिकारी डॉ प्रशांत रंजन नें अवगत कराया कि इस वर्ष भी अभियान के दौरान आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता बुखार के मरीजों, आईएलआई (इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस) के लक्षण वाले व्यक्तियों, टीबी, कुष्ठ रोग, फाइलेरिया और कालाजार के संभावित मरीजों के साथ-साथ कुपोषित बच्चों की पहचान कर उनका विवरण ई-कवच (ी-ड्रूँ) पोर्टल पर अपलोड करेंगी। इसके साथ ही घरों के भीतर मच्छरों के प्रजनन स्थलों की जांच कर प्रभावित घरों की सूची तैयार की जाएगी और आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। अर्बन नोडल अधिकारी डॉ अजमेर सिंह के अनुसार मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार भीषण गर्मी की संभावना को देखते हुए इस बार अभियान में हीट वेव प्रबंधन को भी प्राथमिकता दी गई है। फ्रंटलाइन वर्कर्स को इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि वे समुदाय को लू के लक्षणों, बचाव और प्राथमिक उपचार के बारे में जागरूक कर सकें। अभियान के दौरान प्रत्येक परिवार के सदस्यों का आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) नंबर भी बनाया जाएगा, जिससे उनका स्वास्थ्य डेटा डिजिटल रूप से सुरक्षित रखा जा सके। सभी सूचनाओं की निगरानी यूनिफाइड डिजीज सर्विलांस पोर्टल (वऊढ) के माध्यम से की जाएगी, जिससे मरीजों को समय पर जांच और उपचार उपलब्ध कराया जा सके। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जनपद वासियों से अपील की है कि जब आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उनके घर आएं, तो उन्हें सही जानकारी देकर इस स्वास्थ्य अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। प्रशिक्षण सत्र में जिला सहायक मलेरिया अधिकारी सूरज प्रकाश ने प्रतिभागियों को मच्छरजनित रोगों, टीबी और कुष्ठ रोग की पहचान, हाथ धोने की सही प्रक्रिया और साफ-सफाई के महत्व के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा ई-कवच और यूडीएसपी पोर्टल पर डेटा अपलोड करने, आपात स्थिति में 108 एम्बुलेंस सेवा के उपयोग तथा बुखार होने पर तुरंत स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराने के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया गया।

मेथोडिस्ट अफसरों ने माफियाओं को बेच दिया गर्ल्स इंटर कॉलेज के खेल का मैदान, हरीश समेत चार पर एफआईआर

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के करोड़ों रुपये के खेल के मैदान को लेकर एक बड़ा खेल सामने आया है। आरोप है कि छात्राओं के खेलकूद के लिए इस्तेमाल होने वाली जमीन को कागजों में हेरफेर कर अनयूज्ड दिखाया गया और फिर उसे लीज पर दे दिया गया। मामला खुलने के बाद जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने सिविल लाइंस में इमेज इलेक्ट्रानिक के मालिक हरीश अरोड़ा समेत चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। किला छावनी निवासी अमर सिंह राठौर ने कमिश्नर को शिकायत भेजकर आरोप लगाया था कि मेथोडिस्ट गर्ल्स इंटर कॉलेज के विशाल खेल मैदान की जमीन को धीरे-धीरे खुर्द-बुर्द कर दिया गया। तत्कालीन मंडलायुक्त आयुक्त सौम्या अग्रवाल ने अपर आयुक्त (प्रशासन) प्रीती जायसवाल, एसपी सिटी मानुष पारीक और एडीएम सिटी सौरभ दुबे की त्रि-सदस्यीय जांच समिति गठित कर पूरे मामले की जांच कराई। जांच समिति की रिपोर्ट में सामने आया कि शिक्षा विभाग को समय-समय पर भेजे गए दस्तावेजों में कॉलेज के खेल मैदान का क्षेत्रफल करीब 20 हजार वर्गमीटर बताया गया था। कहीं तीन खेल मैदान, कहीं दो वॉलीबॉल कोर्ट और एक बास्केटबॉल कोर्ट का जिक्र किया गया। इससे साफ है कि कॉलेज के पास पहले बड़ा खेल मैदान मौजूद था और छात्राएं वर्षों से इसका इस्तेमाल करती रही हैं। 2009 के समझौते में भी कॉलेज की जमीन बताई गई जांच में यह भी सामने आया कि वर्ष 2009 की मिशन हास्पिटल को लीज डीड और उससे जुड़े नक्शे में एमसीआई के अफसरों ने विवादित जमीन को कॉलेज परिसर का हिस्सा माना था। चौकी चौराहे से अयूब खां चौराहे की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग से मिशन अस्पताल की तरफ जाने वाली सड़क के पास सैकड़ों मीटर जमीन है। मौके पर जांच के दौरान कॉलेज परिसर के भीतर एक पुरानी सड़क भी मिली, जो मिशन अस्पताल की सड़क से मिलती है। अब उसी सड़क को भी विवादित जमीन की चौहद्दी में शामिल कर लिया गया है, जिससे अवैध कब्जे की आशंका और गहरी हो गई है। वहीं नायब तहसीलदार की रिपोर्ट ने भी कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार जिस जमीन को घेरकर अपना बताया गया है, उसका क्षेत्रफल रजिस्टर्ड लीज डीड से करीब 2200 वर्गमीटर अधिक निकला। इससे यह शक और मजबूत हो गया कि तय सीमा से ज्यादा जमीन पर कब्जा कर लिया गया। अनयूज्ड बताकर जमीन कर दी लीज जांच में यह भी सामने आया कि 4 मार्च 2022 को संस्था के अधिकृत सचिव डॉ. न्यूटन एम. परमार ने कॉलेज के खेल मैदान के 610 वर्गमीटर हिस्से को अनयूज्ड लैण्ड बताकर क्षितिज इंटरप्राइजेज नाम की फर्म को लीज पर दे दिया। जबकि यह जमीन वर्षों से छात्राओं के खेलकूद और अन्य गतिविधियों के लिए इस्तेमाल होती रही है। यही नहीं, इस पूरे मामले में शिक्षा विभाग से अनुमति लेने का भी कोई रिकॉर्ड सामने नहीं आया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि जमीन को लीज पर देने के लिए फर्जी नक्शे तैयार किए गए और दस्तावेजों में कूटरचना की गई। एक्जीक्यूटिव बोर्ड नॉर्थ इंडिया रीजनल कॉन्फ्रेंस के अधिशासी सचिव सुनील मसीह पर पहले भी कई संपत्तियों की कथित अवैध बिक्री के मामले दर्ज होने की बात सामने आई है। उनके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं। डीआईओएस की तहरीर के बाद कानूनी कार्रवाई की तैयारी त्रि-सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर कमिश्नर ने संयुक्त शिक्षा निदेशक को कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद संयुक्त शिक्षा निदेशक के पत्र के आधार पर डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने कोतवाली में तहरीर देकर डॉ. न्यूटन एम. परमार, सुनील मसीह, क्षितिज इंटरप्राइजेज के साझेदार हरीश अरोरा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। जांच रिपोर्ट में यह भी आशंका जताई गई है कि अगर इस जमीन पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स या व्यावसायिक निर्माण हुआ तो इसका सीधा असर कॉलेज के माहौल और छात्राओं की सुरक्षा पर पड़ेगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। एडवोकेट और कारोबारी हैं सिंडिकेट के सरगना मिशन की करोड़ों रुपये की जमीन की हेराफेरी कर उसके फर्जी दस्तावेज तैयार करने के लिए शहर में एक गिरोह सक्रिय है। एक एडवोकेट के जरिये मैथोडिस्ट चर्च से जुड़ी जमीनों के कागजात तैयार कराये जाते हैं। इसके बाद बरेली के कुछ भू माफिया कारोबारी मिलकर एमसीआई के अफसरों से साठगांठ करते हैं। इसके बाद मुंबई में बिशप के जरिये एनओसी और अन्य कागजात तैयार होते हैं। भू माफियाओं ने बरेली में हिंद टाकीज के पास भी एक बड़े जमीन के टुकड़े पर कब्जा कर रखा है। इसके अलावा बटलर प्लाजा और उसके आस पास पेट्रोलपंप और मेथोडिस्ट गर्ल्स कालेज के खेल के मैदान को हड़पने के लिये भी नजरें लगा रखी हैं।

जिला अस्पताल में डीएम का औचक छापा, ओपीडी से इमरजेंसी तक मचा हड़कंप, हर व्यवस्था की हुई बारीकी से जांच

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे जिलाधिकारी अविनाश सिंह अचानक जिला अस्पताल पहुंच गए। बिना किसी पूर्व सूचना के हुए इस निरीक्षण से अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया और स्टाफ में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। डीएम ने सबसे पहले ओपीडी का जायजा लिया। यहां उन्होंने मरीजों से बातचीत कर उपचार की स्थिति जानी और आभा आईडी बनाए जाने की प्रक्रिया के बारे में जानकारी हासिल की। उन्होंने संबंधित कर्मियों से पूछा कि कितनी तेजी से आईडी बनाई जा रही है और इसमें कहीं कोई लापरवाही तो नहीं हो रही। इमरजेंसी वार्ड में बैठकर की समीक्षा, सुविधाओं को परखा इसके बाद जिलाधिकारी सीधे इमरजेंसी वार्ड पहुंचे, जहां उन्होंने बेड, दवाइयों और इलाज की व्यवस्थाओं का बारीकी से निरीक्षण किया। कुछ समय तक मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) के साथ बैठकर उन्होंने पूरी व्यवस्था की समीक्षा की और आवश्यक सुधारों पर चर्चा की। औचक निरीक्षण की खबर मिलते ही अस्पताल स्टाफ में हलचल तेज हो गई। कर्मचारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों में जुट गए और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करते नजर आए। पूरे निरीक्षण के दौरान अधिकारी भी सक्रिय बने रहे। व्यवस्थाएं मिलीं संतोषजनक, दिए जरूरी निर्देश निरीक्षण के दौरान व्यवस्थाएं सामान्य और संतोषजनक मिलने पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को बेहतर इलाज और सुविधाएं देना प्राथमिकता है और इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। करीब कुछ समय तक चले निरीक्षण के बाद डीएम वापस लौट गए। उनके जाने के बाद अस्पताल प्रशासन ने राहत की सांस ली, लेकिन निरीक्षण ने व्यवस्था सुधारने का स्पष्ट संदेश दे दिया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने देहात खजुरिया घाट पहाड़गंज क्षेत्रों में जाकर उन किसानों से मुलाकात

दैनिक बुलंद मंज़िल

आज महानगर कांग्रेस कमेटी, बरेली के महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में एक कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने देहात खजुरिया घाट पहाड़गंज क्षेत्रों में जाकर उन किसानों से मुलाकात की, जिनकी फसलें हाल ही में हुई बारिश और ओलावृष्टि के कारण भारी मात्रा में नष्ट हो गई हैं। इस दौरान महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि बीमा कंपनियां वर्षों से किसानों से फसल बीमा प्रीमियम तो वसूल रही हैं, लेकिन संकट की घड़ी में न तो समय पर सर्वे करती हैं और न ही मुआवजा भुगतान में रुचि दिखाती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि फसल नुकसान के दावों को तकनीकी आधार पर निरस्त कर किसानों के साथ धोखा किया जा रहा है, जिससे वे राहत से भी वंचित हो रहे हैं। उन्होंने इसे राज्य सरकार की

निगरानी और नियंत्रण व्यवस्था की गंभीर विफलता बताया। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार किसानों के साथ दोयम दर्जे का व्यवहार कर रही है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जिस सरकार को जनता ने भरोसे के साथ चुना था, वही आज प्रदेश के विभिन्न वर्गों, विशेषकर किसानों के साथ अन्याय कर रही है, जिसका खामियाजा उसे भविष्य में भुगतना पड़ेगा। प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के कारण किसानों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। कई गरीब किसान दो वक्त की रोटी तक के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि सरकार अन्य राज्यों के चुनाव में व्यस्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर अन्य राज्यों में राजनीतिक प्रचार में लगे हुए हैं, जो अत्यंत असंवेदनशीलता को दशार्ता है। पंडित शर्मा ने सरकार से मांग की कि प्रभावित किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दिया जाए, क्योंकि गांव-देहात में शादी-विवाह का मौसम भी शुरू हो चुका है और ऐसे समय में आर्थिक संकट किसानों के लिए और अधिक कठिनाइयां पैदा कर रहा है।मुख्यरूप से पंडित राज शर्मा, रमेश श्रीवास्तव, रेहान बशीरी,डॉ हरीश गंगवार,जीशान अफरीदी, कैफ खान, पिंटू कुलश्रेष्ठ,रोहित मौर्य, अंकित मौर्या, संनी सिंह, अल्फा सिंह कठेरिया आदि मौजूद रहे ।

अतिक्रमण कार्रवाई पर सपा का सियासी संग्राम, सड़क पर उतरे नेता, नगर निगम पर पक्षपात के गंभीर आरोप

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। नगर निगम द्वारा शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर गुरुवार को सियासत गरमा गई। समाजवादी पार्टी के कई बड़े नेता और कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और कोहाड़ापीर रोड पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। अचानक हुए इस प्रदर्शन से इलाके में हलचल मच गई और काफी देर तक नारेबाजी होती रही। प्रदर्शन में पूर्व मेयर सुप्रिया एरन, राजेश अग्रवाल, डॉ अनीस बैग, पार्षद गौरव सक्सेना, रविन्द्र यादव और शमीम सुल्तानी समेत कई सपा नेता शामिल रहे। नेताओं ने नगर निगम की कार्यशैली पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई निष्पक्ष नहीं है। उनका कहना था कि चुनिंदा क्षेत्रों को निशाना बनाकर कार्रवाई की जा रही है, जबकि अन्य स्थानों पर नजरअंदाज किया जा रहा है। एक समुदाय को बनाया जा रहा टारगेट सपा नेताओं ने आरोप लगाया कि अभियान के नाम पर एक विशेष समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके भवनों को प्राथमिकता के साथ तोड़ा जा रहा है, जबकि अन्य अवैध निमार्णों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही। नेताओं ने इसे प्रशासन की पक्षपातपूर्ण नीति करार देते हुए तत्काल सुधार की मांग की। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकताओं ने मांग रखी कि अतिक्रमण हटाने की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समान रूप से लागू की जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई में भेदभाव जारी रहा तो पार्टी इस मुद्दे को लेकर बड़ा जनआंदोलन खड़ा करेगी और सड़कों पर उतरकर विरोध तेज करेगी। प्रदर्शन में दिखी अंदरूनी खींचतान विरोध प्रदर्शन के दौरान पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी भी खुलकर सामने आ गई। कई नेता अलग-अलग समूहों में खड़े नजर आए और मंच पर एकजुटता की कमी दिखाई दी। इससे यह साफ संकेत मिला कि मुद्दा भले ही एक हो, लेकिन संगठन के भीतर तालमेल की कमी बनी हुई है। प्रदर्शन के बाद सभी नेता वापस लौट गए, लेकिन जाते-जाते यह संदेश दे गए कि मामला यहीं शांत नहीं होगा। आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर राजनीति और तेज होने के संकेत मिल रहे हैं, जिससे नगर निगम और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर दबाव बढ़ सकता है।

दुबई में बरेली के जीशान की दर्दनाक मौत, 2 महीने बाद मदीने में होना था निकाह, मातम में बदलीं खुशियां

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। शहर के कोतवाली इलाके से दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। दुबई में हुए एक भीषण कार हादसे में बरेली के जीशान अजहरी की मौत हो गई। हादसे की खबर जैसे ही घर पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। जिस घर में दो महीने बाद निकाह की तैयारियां चल रही थीं, वहां अब मातम पसरा है। परिजनों के मुताबिक, जीशान दुबई में रैंक बैंक में नौकरी करते थे। 26 मार्च को वह बैंक के काम से जा रहे थे। उसी दौरान क्षेत्र में ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच तनाव और हमलों का असर था। लगातार बमबारी के कारण कई जगह सड़कें धंस गई थीं। इसी दौरान उनकी कार अचानक गड्ढे में गिर गई, जिससे गंभीर हादसा हो गया। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

डेढ़ महीने पहले हुई थी सगाई, मदीने में तय था निकाह

जीशान अजहरी की करीब डेढ़ महीने पहले ही सगाई हुई थी। परिवार ने दो महीने बाद सऊदी अरब के मदीना शरीफ में निकाह की तैयारी कर रखी थी। लेकिन हादसे ने सारी खुशियों को एक झटके में खत्म कर दिया। लड़की पक्ष में भी इस खबर से गहरा सदमा है। मृतक जीशान, कोतवाली क्षेत्र के बिहारीपुर पुलिस चौकी के पीछे रहने वाले जान मोहम्मद उर्फ लल्ला (लल्ला बिस्कुट वाले) के बेटे थे। जीशान तीन भाइयों में सबसे छोटे थे। उनके बड़े भाई शानू और फरहान हैं। परिवार में मां हाजरा का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रमोशन की खुशखबरी से पहले आई मौत की खबर

परिजनों ने बताया कि जीशान का जल्द ही बैंक में एचआर पद पर प्रमोशन होने वाला था। परिवार को उनके करियर को लेकर बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन अचानक आई इस दुखद खबर ने सब कुछ छीन लिया। जीशान की मौत की खबर जैसे ही बिहारीपुर इलाके में फैली, शोक की लहर दौड़ गई। आसपास के लोग और रिश्तेदार परिवार को ढांढस बंधाने पहुंच रहे हैं।

दो अलग-अलग सड़क हादसों में महिला समेत युवक की मौत, परिवारों में मचा कोहराम

बिसौली में ट्रैक्टर ने ली बुजुर्ग महिला की जान, बेटा बाल-बाल बचा

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। जिले में बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे ने एक परिवार की खुशियां छीन लीं। गांव बिजौली निवासी 62 वर्षीय रामवती की तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से मौके पर ही मौत हो गई। ताया जा रहा है कि बदायूं के बिसौली निवासी रामवती अपने बेटे अमित के साथ बाइक से समसपुर गांव जा रही थीं। रास्ते में रवि कपूर गांव के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि ट्रैक्टर का पहिया रामवती के ऊपर चढ़ गया, जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। अमित इस हादसे में बाल-बाल बच गए, लेकिन मां की मौत से सदमे में हैं। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से फरार चालक की तलाश शुरू कर दी है।

मीरगंज में जनसेवा केंद्र संचालक की मौत, तीन बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

बरेली। थाना मीरगंज क्षेत्र के मासिहाबाद गांव में भी बुधवार शाम एक और दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें 36 वर्षीय अंतराज सिंह की जान चली गई। अंतराज सिंह जन सेवा केंद्र संचालक थे और अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार, वह किसी काम से जा रहे थे, तभी रास्ते में किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे पत्नी विमला देवी और तीन छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर है।

किरायेदार पर महिला से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का आरोप, पीड़ित ने लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुलंद मंज़िल

बरेली। थाना प्रेमनगर क्षेत्र में किरायेदार पर गंभीर आरोप लगने का मामला सामने आया है। मकान मालिक ने थाना प्रेमनगर में शिकायत देकर किरायेदार फूलचंद पर महिला से छेड़छाड़ और दुष्कर्म के प्रयास का आरोप लगाया है। शिकायत के अनुसार, आरोपी फूलचंद पिछले करीब डेढ़ वर्ष से अपने परिवार के साथ किराये पर रह रहा था। इस दौरान वह आए दिन मकान मालिक के परिवार के साथ विवाद करता था और झगड़ा-फसाद करता रहता था। आरोप है कि 18 मार्च 2026 को आरोपी ने घर में काम करने वाली महिला को अकेला पाकर उसे पकड़कर अपने कमरे में खींच लिया और उसके साथ गलत हरकत करने की कोशिश की। महिला ने किसी तरह अपनी इज्जत बचाई। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि इससे पहले आरोपी ने उसकी 12 वर्षीय बेटी के साथ भी दुष्कर्म का प्रयास किया था, जिसे समय रहते बचा लिया गया।मकान मालिक का कहना है कि जब उसने आरोपी को फटकार लगाकर मकान खाली करने को कहा तो वह 23 मार्च को घर छोड़ते समय धमकी देकर गया कि वह उन्हें एससी/एसटी एक्ट में फंसा देगा।पीड़ित ने पुलिस पर भी लापरवाही का आरोप लगाया है। उसका कहना है कि जब उसने थाना प्रेमनगर चौकी अशरफ खां में शिकायत की तो वहां तैनात दरोगा ने उसकी बात अनसुनी कर दी और उल्टा उसी के खिलाफ कार्रवाई की बात कही।पीड़ित ने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और उसे न्याय दिलाने की मांग की है।

जीआरएम स्कूल की कक्षा 7 के विद्यार्थी ने लिखी कल्कि अवतार पर पुस्तक

दैनिक बुलंद मंज़िल

श्री गुलाबराय मॉन्टेसरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नैनीताल रोड ब्रांच की कक्षा 7 के विद्यार्थी प्रेरक वर्मा ने कल्कि अवतार पर केंद्रित पुस्तक "कल्कि पुराण" लिखी है। उनकी यह पुस्तक ऑनलाइन नोशन प्रेस से छपी है और बिक्री के लिए अमेजन और फ्लिपकार्ट पर उपलब्ध है। प्रेरक ने आज अपनी पुस्तक की पहली प्रति विद्यालय प्रबंधक राजेश जौली को भेंट की। प्रबंधक श्री जौली ने प्रेरक वर्मा के इस अनूठे प्रयास की जी भर कर प्रशंसा करते हुए कहा कि यदि बारह वर्ष की अवस्था में ऐसी लेखन शैली है तो फिर आगे तो अधिक संभावनाएं हैं। उन्होंने और प्राचार्य रणवीर सिंह रावत ने प्रेरक को भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

रजनीश त्रिवेदी
मीडिया प्रभारी

रोटरी क्लब सनराइज बरेली द्वारा प्राथमिक विद्यालय अग्रास प्रथम में कॉपियों एवं पुस्तकों का वितरण

दैनिक बुलंद मंज़िल

प्राथमिक विद्यालय अग्रास प्रथम में आज रोटरी क्लब सनराइज बरेली के तत्वावधान में विद्यालय के सभी बच्चों को कॉपियों का वितरण किया गया। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष रोटेरियन मोहित मेहरोत्रा एवं सचिव रोटेरियन शरद अग्रवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात रोटरी क्लब सनराइज बरेली के पदाधिकारियों द्वारा विद्यालय के सभी बच्चों को अच्छी गुणवत्ता की कॉपियों का वितरण किया गया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर अध्यक्ष रोटेरियन मोहित महरौत्रा ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों

के उज्ज्वल भविष्य के लिए शिक्षा अत्यंत आवश्यक है और ऐसे प्रयास बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। सचिव रोटेरियन शरद अग्रवाल ने कहा कि रोटरी क्लब सदैव समाज सेवा एवं बच्चों के हित में कार्य करता रहा है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रधानाध्यापक हिमांशु छावड़ा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के बच्चों द्वारा अपने हाथों से बनाए गए थैंक यू कार्ड एवं पुस्तकों के माध्यम से अतिथियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मेधावी एवं होनहार बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु कहानियों की पुस्तकें भी भेंट की गईं। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया।

राधा रानी विवाह महोत्सव में बड़ी संख्या में भक्त हुए शामिल

सासनी में 22 वर्षों से जारी हरे राम का संकीर्तन

अनिल चौधरी,बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कस्बा के श्री राधा कृष्ण मंदिर में श्री राधा रानी का विवाह महोत्सव बडे ही हर्षोल्लास और धूमधाम से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उन भक्तों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने पिछले बाइस वर्षों से लगातार हरे राम, हरे कृष्ण का संकीर्तन जारी रखा है। गुरूवार को अयोजित कार्रक्रम में पन्नालाल, बादल, राजू अग्रवाल, बलवीर सिंह और विजेंद्र सिंह को सम्मानित किया गया। इन भक्तों ने दो दशकों से अधिक समय तक प्रभु के नाम का संकीर्तन बिना किसी रुकावट के जारी रखा है। यह संकीर्तन भीषण आंधी-तूफान और कोरोना महामारी जैसी विपरीत परिस्थितियों में भी नहीं रुका। भक्तों के दृढ़ संकल्प ने इसे अनवरत जारी रखा। विवाह महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। आचार्य पं. खगेन्द्र शास्त्री ने विधि-विधान से पूजन संपन्न कराया। कार्यक्रम में अमन श्रोती, शिवम, जतिन, संदीप, कमल,अनंत, अखिलेश, मधुर, राजेश गुप्ता और चर्विक सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। श्री हरि नाम महासंकीर्तन समिति ने पन्नालाल और उनकी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। पूरे मंदिर परिसर में श्री राधे श्री राधे की गूंज और संकीर्तन की मधुर ध्वनि ने भक्तिमय वातावरण निर्मित किया।

कस्बा में धूमधाम से निकाला भव्य झांकियां के साथ रथ मेला

अनिल चौधरी,/
बुलंद मंजिल

हाथरस। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी बैसाख कृष्ण सप्तमी को कस्बा सासनी के प्राचीन मेला के दौरान 73 वां श्री रथ महोत्सव के अंतर्गत भगवान श्री राधाकृष्ण जी को अशोक कुमार वार्ष्णेय सपत्नी के साथ रथ मे विराजमान किया गया , शोभायात्रा भव्यात्मकता से निकाली गई। यहां विभिन्न आकर्षक झांकियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध करते हुए भक्ति की बयार बहा दी। वहीं बैंड बाजों की मधुर ध्वनि ने शोभायात्रा को और भी मंगलमय करते हुए माहौल को श्रीराधाकृष्ण रंग में रंग दिया। पुरानी सब्जी मंडी स्थित बस स्टैण्ड के निकट बड़े श्री हनुमान मंदिर परिसर से श्री राधाकृष्ण रथ शोभायात्रा बडे ही हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। जिसका शुभारम्भ अशोक कुमार वार्ष्णेय सराफ सपत्नी पंडित श्रीनाथ पाठक द्वारा विधिवत श्री राधाकृष्ण प्रतिमाओं की आरती उतारी । वही राजेश गुप्ता उर्फ गुड्डू ने पूजा की तब भगवान श्री राधा कृष्ण के रथ को रवाना किया.वहीं काली पूजन, भगवान श्री राधा कृष्ण पूजन तथा दाऊ बाबा रथ का पूजन किया गया । शोभयात्रा श्री बडे हनुमान जी मंदिर से शुरू होते हुए बस स्टैण्ड, शहीद पार्क, कमला बाजार, गांधी चौक, अयोध्या चौक, ठंडी सडक, कन्या इंटर कालेज, पंजाब नेशनल बैंक, मोहल्ला विष्णुपुरी, आगरा अलीगढ राजमार्ग, प्रकाश एकाडमी, जामा मस्जिद होते हुए पुनः श्री हनुमान जी मंदिर पहुंची जहां शोभयात्रा का समापन किया गया। वहीं शोभायात्रा में राजेश गुप्ता उर्फ गुड्डू,श्री नाथ पाठक, अशोक शर्मा, देवकिशन शर्मा, आलोक वार्ष्णेय, मुकेश श्रोती, प्रवेश कुमार, सुभाष चंद्र मसाले वाले, नागेंद्र शर्मा, आशु शर्मा, आदि मौजूद थे।

केएल जैन इंटर कालेज में मनाया विश्व नवकार महामंत्र दिवस

छात्रों और शिक्षकों सहित पूरे स्टाफ ने किया सामूहिक जाप

अनिल चौधरी,
बुलंद मंजिल

हाथरस। सासनी कस्बा में स्थित केएल जैन इंटर कॉलेज में गुरुवार की सुबह करीब दस बजे विश्व नवकार महामंत्र दिवस मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ और छात्र-छात्राओं ने एकत्र होकर नवकार महामंत्र का सामूहिक जाप किया। इससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ शांत और अनुशासित माहौल में हुआ। जहां मौजूद सभी विद्यार्थियों और शिक्षक तथा स्टाफ के लोगों ने एक स्वर में नवकार महामंत्र का उच्चारण कर सकारात्मक ऊर्जा का

संचार किया। विद्यार्थियों में विशेष उत्साह और अनुशासन देखने को मिला, जिसने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। कार्यक्रम का सफल संचालन शोभित जैन ने किया। इस अवसर पर विद्यालय के वीरेंद्र प्रताप सिंह, पंकज जैन, विनय जैन और अन्य शिक्षकों ने नवकार महामंत्र की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नवकार महामंत्र में किसी व्यक्ति विशेष का नहीं, बल्कि उन पवित्र आत्माओं का वंदन किया गया है, जिन्होंने मोक्ष प्राप्त किया है या उसके मार्ग पर अग्रसर हैं। प्रधानाचार्य और शिक्षकों ने सभी को जीवन में सत्य,अहिंसा और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि विश्व नवकार महामंत्र दिवस प्रतिवर्ष नौ अप्रैल को मनाया जाता है। इसकी शुरूआत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई थी। यह दिन जैन धर्म के इस पवित्र मंत्र के माध्यम से विश्व शांति, भाईचारे और मानवता का संदेश देने के लिए समर्पित है। यह आयोजन एक सौ आठ से अधिक देशों में सामूहिक जाप के रूप में मनाया जाता है, जिससे वैश्विक स्तर पर सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Opinion

संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Inside Canada's Sikh Institutions: The New Face of Khalistani Radicalism

A new controversy in Canada has reopened an old and uncomfortable question: when does activism around identity and rights cease to be community advocacy and begin to resemble ideological capture? In recent weeks, a public dispute within sections of the Sikh diaspora in Ontario has brought serious allegations into the open. Open letters and social media threads have accused influential community-linked circles of intimidation, misuse of religious platforms, pressure on dissenters, and an effort to silence scrutiny inside major gurdwara-centered spaces. At the same time, prominent advocacy groups in Canada have continued to foreground claims of Indian "interference" and Sikh "self-determination," presenting themselves as defenders of Sikh rights and freedoms. The immediate controversy is local. Its significance is not. It points to a broader pattern in which radical Khalistani politics seeks moral legitimacy through faith institutions while resisting accountability within the community itself.

This distinction matters because the Khalistan question is often deliberately blurred. Criticism of Khalistani radicalism is routinely portrayed as criticism of Sikhs. That is false, and dangerously so. The overwhelming majority of Sikhs, in India and abroad, are not separatists. They are citizens, professionals, farmers, soldiers, entrepreneurs, and community builders with no stake in reviving a failed and violent political project. The problem is not Sikh identity. It is the instrumental use of Sikh identity by a narrower ideological ecosystem that converts grievance into political capital, faith into organizational leverage, and religious legitimacy into cover for factional or separatist mobilization. What makes the Canadian controversy important is precisely that it appears to show this ecosystem turning inward: not merely denouncing India from afar, but battling for influence inside institutions meant to serve the sangat, not political cliques.

India's concern about this ecosystem has never been abstract. Punjab's history provides the starkest rebuttal to romantic accounts of Khalistani politics. According to the South Asia Terrorism Portal, Punjab recorded 21,630 terrorism-related fatalities between 1981 and 2000. Of these, 11,782 were civilians and 1,753 were security personnel. The worst phase came in the early 1990s, when annual fatalities crossed 4,000 in 1990, peaked at 5,265 in 1991, and remained at 3,883 in 1992. Those figures represent far more than the rise and fall of an insurgency. They mark a period in which ordinary Punjabis paid the price for extremist politics through assassinations, extortion, bombings, intimidation, and the steady destruction of civic normalcy. Any attempt to sanitize separatist rhetoric today must first reckon with the fact that the largest victims of Khalistani violence were Punjabis themselves.

This distinction matters because the Khalistan question is often deliberately blurred. Criticism of Khalistani radicalism is routinely portrayed as criticism of Sikhs. That is false, and dangerously so. The overwhelming majority of Sikhs, in India and abroad, are not separatists.

The international record is just as devastating. Public Safety Canada continues to describe the bombing of Air India Flight 182 as the worst terrorist attack in Canadian history. The attack killed 329 people, including 280 Canadians, and was planned and executed from Canadian soil. That fact should have settled, long ago, the argument that Khalistani extremism is merely symbolic diaspora theatre. It has produced mass-casualty terrorism. It has spilled beyond slogans into catastrophic violence. Yet over time, parts of the political and media discourse in the West have treated the issue as if it were simply an awkward diplomatic disagreement between Ottawa and New Delhi. It is not. It is also a question of whether democratic societies are willing to confront extremism when it wraps itself in the language of minority rights and transnational grievance.

India's legal response reflects that assessment. Sikhs for Justice was declared an unlawful association under the Unlawful Activities Prevention Act, and that declaration was extended for another five years from July 2024; the tribunal order confirming the extension was published in January 2025. The state's case has been consistent: the objection is not to religious advocacy, but to activities considered prejudicial to India's sovereignty, integrity, and internal security. One may debate the breadth of legal language in such matters, but the underlying point remains important. India is responding not to harmless speech in the abstract, but to a separatist ecosystem it argues has repeatedly crossed into subversion, incitement, and support for violence.

Recent security developments make it difficult to dismiss these concerns as relics of the 1980s and 1990s. In May 2025, the National Investigation Agency searched 15 locations in Punjab linked to the banned Babbar Khalsa International in connection with a grenade attack on a police station in Gurdaspur. The agency said its operation targeted nodes linked to foreign-based operatives. More recently, Punjab Police said it had busted an ISI-sponsored terror and arms smuggling module in Amritsar Rural, alleging that the network was using social media to spread anti-India and anti-police narratives while moving weapons sent by foreign handlers through Pakistan. Separate reporting has also highlighted a sharp rise in drone-linked smuggling along the Punjab border, with 272 drones reportedly recovered in 2025, up from just 3 in 2021. This is the contemporary architecture of the threat: propaganda, foreign handlers, organized crime, smuggling, and radical messaging feeding one another across borders.

That is why the Canadian controversy deserves attention beyond its immediate personalities. If allegations now emerging from within the diaspora speak of intimidation, misuse of institutions, pressure on workers, and reprisals against dissent, then the issue is larger than one dispute or one set of individuals. It suggests the possibility of institutional capture. Extremist politics survives not only by confronting the state it opposes, but by colonizing the community it claims to represent. It converts accountability into betrayal, scrutiny into hostility, and factional control into a substitute for democratic legitimacy. In gurdwara-centered community life, that is especially corrosive, because religious institutions carry moral authority that should never be reduced to the service of ideological intimidation.

A serious response requires two equal commitments. The first is to reject all lazy suspicion toward Sikhs as a community. Such suspicion is not only unjust, it serves extremists by helping them claim victimhood on behalf of everyone. The second is to reject the indulgent fiction that Khalistani radicalism is too marginal, too rhetorical, or too politically sensitive to confront directly. Punjab's history, Air India 182, the continuing role of banned outfits and foreign handlers, and now the troubling signs of internal pressure within diaspora institutions all point in the same direction.

The real issue is not whether a fringe can generate noise online. It is whether democratic societies will allow a politics with a proven record of violence to borrow the prestige of faith and the language of rights without facing scrutiny. India's warning, stripped of rhetoric, is a simple one: when separatism acquires moral cover in religious institutions and operational support through transnational networks, silence is not neutrality. It is permission.

Women in India's Digital Agriculture Push

The Union Budget 2026-27 has placed a strategic bet on the agricultural sector by prioritising agri-tech — with significant funds mobilisation towards AI-driven advisory services, precision farming systems, and tech-enabled resource efficiency. While experts have welcomed the move as a step toward technology-led, outcome-driven agriculture growth aiming for enhancing productivity and farm incomes; yet, a crucial question remains: what will be its social implications, particularly for women farmers, and where do they stand in this unfolding transformation?

In recent years, digitalisation has moved to the centre of India's agricultural policy imagination. Initiatives such as Digital Agricultural Mission or agri-based tech firms are being projected as a panacea to transform the sector through real-time crop monitoring, satellite-enabled weather alerts, targeted pest and nutrient management, or data-driven yields analytics. However, beneath this "techno-optimist" narrative lies a side that is often overlooked or does not attract adequate attention, creating a persistent blind spot: the structural "invisibilisation" of women farmers, whether smallholders, landless, Dalit, Adivasi or any other systemically marginalised agrarian labourers.

Despite constituting the backbone of India's agrarian economy, women remain structurally marginalised within it. While nearly 85 per cent of rural women are engaged in agriculture, their labour continues to be undervalued and poorly recognised in official accounting systems. This produces a striking paradox: high participation but minimal visibility.

This marginalisation is rooted in a deeply gendered and male-centric agrarian terrain. Barely 13 per cent women have formal land-asset ownership, which directly restricts their access to institutional credit, subsidies, crop insurance and government support schemes. As a result a significant proportion of women remain heavily concentrated in "unpaid family labour" — a trend that has reportedly risen sharply over the past decade. This exclusion from asset ownership and formal farmer identity thus translates into limited bargaining power within households, weakens the role in decision-making, restricts their ability to access markets independently and their rightful place in programme policies which are often designed around the male member of a household as the default beneficiary.

(Courtesy: DTE)

Why Congress Confident of Decisive UDF Victory in Kerala

Senior Congress leader Shashi Tharoor expressed strong confidence in the United Democratic Front's (UDF) prospects in the Kerala elections, projecting a clear victory for the alliance while downplaying BJP's impact in the state. Here is the text of the interview.

Question: What is your opinion on the Kerala elections? Is it a cakewalk for Congress, or is the fight tough?

Shashi Tharoor: I would say that we are looking at a very clear UDF win when people vote on April 9 and when we count the ballots on May 4. I am expecting a fairly clear-cut victory for the UDF. I have travelled across 59 constituencies in 12 out of the 14 districts. I wish I could have covered all 14, but unfortunately, the Election Commission has not given us enough time in this limited campaign period. However, from what I have seen, there has been tremendous enthusiasm and support for our candidates and a strong, almost universal desire for change in the state.

Question: The Prime Minister is giving a lot of time to Kerala and addressing multiple rallies. How do you perceive his mass appeal?

Shashi Tharoor: I am sorry for the Prime Minister wasting his time because people know he is not going to come here and be the Chief Minister. Whatever little gains the BJP may get in parliamentary terms are irrelevant when it comes to deciding who will govern Kerala. The BJP is effectively a zero-seat party in the state. Even if it goes from zero to one, two, or at most three seats, it won't make a meaningful difference to governance. My view is that the anti-incumbency factor is real, and voters who genuinely want change should not waste their votes on the BJP. They should support the UDF so that we can form a strong and effective government with a convincing majority.

Question: The ruling party (LDF) is facing several challenges, including issues like Wayanad. What is your response?

Shashi Tharoor: As far as the Wayanad issue is concerned, we must remember that when a disaster happens, responsibility lies with the ruling government. They have access to the Chief Minister's Distress Relief Fund, national disaster grants, and also, the Prime Minister's relief fund. Given all these resources, it is the incumbents who should be questioned. We should ask: what have you done, what is your accountability, and what have you delivered for the people? The opposition has certainly stepped in to help, which is commendable. It is a form of public service and charity, but it is not a formal legal responsibility of the opposition to rebuild homes for disaster victims. Still, the Congress and the Indian Union Muslim League have done so, and they deserve appreciation for that effort.

Question: The Prime Minister has been advocating 'One Nation, One Election' and the Uniform Civil Code. What is your stand?

Shashi Tharoor: 'One Nation, One Election' is a peculiar proposal by the Prime Minister. There is nothing inherently wrong with the idea — it may even appear efficient. In fact, India followed this system between 1952 and 1967. However, it did not last because of the nature of our parliamentary system. Governments here depend on legislative majorities. If a government loses its majority or if a coalition collapses, the government falls, and elections must be held within a maximum of six months. This disrupts any fixed cycle. From 1967 onwards, different governments fell at different times, which is why we now have elections happening somewhere in the country almost every year. The Prime Minister seems to be approaching this as if India has a presidential system, where fixed terms are possible. But in a parliamentary system, you cannot have both — you must choose one or the other.

Question: How do you think India has handled the ongoing war situation in West Asia? Has national interest been prioritised?

Shashi Tharoor: The West Asia conflict, particularly involving Iran, is hurting not just the countries directly involved but also those far removed from the conflict. India, for example, is heavily dependent on the Strait of Hormuz for oil, gas, LPG, and other essential resources. Beyond fuel, there are critical by-products like fertilisers, helium, and other elements that are vital for our economy. As long as this conflict continues, the entire world will feel its impact. Therefore, India's position should be firmly in favour of peace. I have been advocating that India should take a stronger stand and act as a voice for all affected countries that are suffering due to this conflict.

Question: The Prime Minister has reportedly spoken to leaders in Iran, Israel, and Gulf nations. How do you assess his approach?

Shashi Tharoor: If the Prime Minister has indeed reached out to these leaders, that is certainly a positive step. However, engagement should lead to outcomes. The next step should be to issue a public or private appeal — or both — on behalf of the region and all affected nations, urging peace and de-escalation.

Question: If you are offered the post of Chief Minister of Kerala, would you consider taking it?

Shashi Tharoor: That is a completely hypothetical question. It is not going to happen. The Congress party has a well-defined process — after the election results, the elected MLAs are consulted, and the leadership takes a decision. I am not a candidate for that position, nor am I expecting anything of that sort. However, many senior leaders do reach out to me for advice and connections, and I will always be available to support whoever becomes Chief Minister if they seek my assistance.

दैनिक बुलन्द मंज़िल

Glamour

संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

Arjun Rampal sends heartfelt birthday wishes to Gabriella Demetriades

Actor Arjun Rampal compiled a lovely birthday wish for his ladylove Gabriella Demetriades as she turned a year older on Wednesday. The 'Dhurandhar' actor wished 'beautiful' Gabriella all the love and joy on her special day.

Dropping a video compilation of some precious family moments of Arjun and Gabriella with their two boys - Arik and Arav Rampal, he penned on the photo-sharing app, "Happy birthday my beautiful. Love, Joy and more love (red heart emoji) this year and all the rest of the years are all yours. Happy birthday @ gabriellademetriades (sic)". Arjun further added The Sly & The Family Stone song "This Is Love" as the background score.

Bollywood celebs such as Bobby Deol and Malaika Arora also reacted to the post with red heart emojis.

Shifting our focus to Arjun's love life, the 'Rock On!!' actor tied the knot with model Mehr Jesia in 1998. The couple has been blessed with two daughters - Mahikaa and Myra. However, after being married for 2 decades, these two decided to go their separate ways in 2018. Some time later, Arjun introduced his girlfriend Gabriella. They are now parents to two sons.

If the reports are to be believed, they started dating in 2018 and welcomed their first son, Arik, in 2019.

This was followed by the arrival of their second son, Ariv, in 2023.

In December last year, Arjun confirmed his engagement to Gabriella during the couple's appearance on actress Rhea Chakraborty's podcast. Speaking candidly to Rhea, Gabriella was heard saying, "We are not married now, but who knows?" To this, Arjun made a shocking announcement saying, "We are engaged...We just broke it on your show," leading to an understandably surprised reaction from Rhea.

Professionally, Arjun recently garnered a lot of praise for his portrayal of Major Iqbal in Aditya Dhar's "Dhurandhar".

Shraddha Arya gives a glimpse into her beautiful 'morning view' featuring her little twins

Television star Shraddha Arya has taken to her social media account on Wednesday to share a glimpse of a beautiful 'morning view'.

The picture shared by Shraddha on her social media account shows her little twin babies fast asleep in their cozy bedroom set-up.

The babies are seen dress in matching light coloured night wear outfits.

Shraddha captioned the picture as, "Morning view," further adding heart in eyes, red heart and evil eye emoticons.

Talking about Shraddha Arya's twins, the babies were born in November 2024.

Named as Siya and Shaurya, the babies turned one year old on November 29, 2015.

It was then when the protective mother Shraddha Arya finally revealed the faces of a little munchkins to her fans on social media.

Posting the heartwarming photos on her Instagram, Shraddha wrote: "Siya & Shaurya, Our Tiny Tornadoes Are Officially ONE! #MommyDaddyLoveYouSoMuch (sic)".

For one entire year Shraddha and her husband Rahul had consciously decided to keep the babies away from media glare and choose not to upload any pictures of them on there social media accounts as well.

Celebrating her twins' 1st birthday, Shraddha treated the netizens with some unseen photos from the hospital following her delivery on social media

Reflecting on her journey as a mother after welcoming the twins, the 'Kumkum Bhagya' actress penned an emotional note.

It read, "A year ago, in a quiet Hospital room, I Held my whole world for the first time.. Life changed in an instant and so did I. Happy one year of being your mama... Happy Birthday My forever Miracles (pink and blue heart emojis) !!! (sic)."

For the uninitiated, Shraddha got married to the Indian Navy Officer Rahul Nagal in an intimate ceremony in New Delhi on November 17, 2021.

Nia Sharma jokes she is only focused on outfits and RTGS

Popular television actress Nia Sharma, who is currently seen as a mischief maker in the dating-reality show "MTV Splitsvilla", has hilariously shared that she "lowkey" only cares strongly about nice outfits and her Real-Time Gross Settlement (RTGS).Nia took to Instagram, where she wrote about her candid and unapologetic take on priorities. She also shared a string of images of herself from the shoot of the dating-reality show "MTV Splitsvilla."

"Lowkey I only care about my Outfits and my RTGS.Can't register anything beyond that. @mtvsplitsvilla," Nia wrote as the caption.

Talking about the show, the sixteenth season has been hosted by Sunny Leone and Karan Kundrra.

It follows young men and women as they compete to secure a place in Splitsvilla, a villa where they are cut off from the real world. Participants compete in tasks to remain in the competition and mingle with their fellow contestants to find love. In the end, a pair is crowned the winners of Splitsvilla.

Talking about Nia, she is also known for her roles in 'Behenein', 'Ek Hazaaron Mein Meri Behna Hai'.'Meri Durga', 'Kaali - Ek Agnipariksha'. In 2020, she participated in 'Khatron Ke Khiladi: Made in India' and emerged as the winner. Nia has also worked in web series like 'Twisted', and 'Jamai 2.0'.

The actress is also back on the sets of the new edition of "Laughter Chefs Fun Unlimited."

In other news, on April 8, Nia was seen with her best friend Krystle D'Souza driving around Mumbai. Taking to her social media account, Krystle shared a fun video of the two having a blast in the car.

She captioned it as, "High on coffee and some careless whispers."

The actresses were seen singing out a popular English song and jamming to it.

Nick Jonas shares sweet moment kissing Malti Marie as she falls asleep

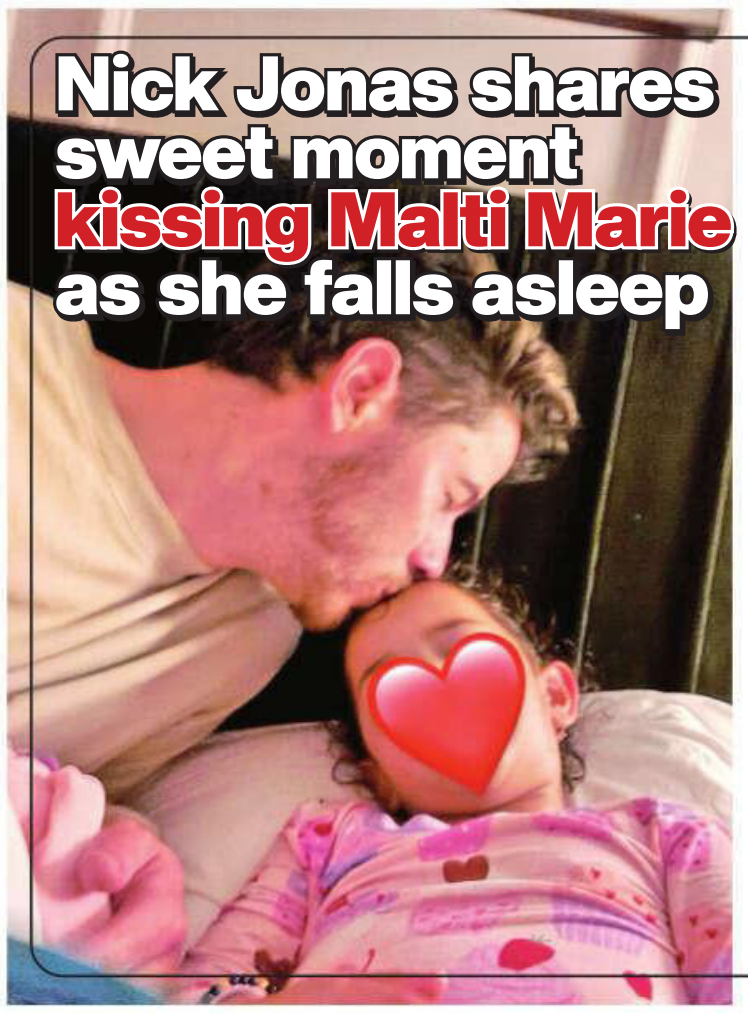

American pop-singer Nick Jonas has taken to his social media account to share an adorable picture of him kissing his little baby girl Malti Marie Chopra Jonas.

In the picture, Nick is seen lying besides his daughter, and gently kissing Malti on her forehead.

The little girl is seen resting on the bed in cute nightwear, all set to sleep, with her face is partially covered with a heart emoji.

In one of the other pictures shared by Nick, the singer is seen sitting at a cafe in Vancouver, enjoying a drink. He captioned the post as, "Week 1 in Vancouver." Nick has always spoken about how close he is to his daughter and his obsession for his little girl.

The singer, earlier had opened up about Malti, who needed to be resuscitated shortly after she was born.

On his appearance on the On Purpose podcast, he had said, "She came to the world under, sort of, very intense circumstances. We were expecting her to arrive in April of the year she was born, and we get a call that it's going to be sooner."

He added, "We basically, you know, went into action and she was born via surrogate. We got to the hospital, and she came out. She was 1 pound, 11 ounces and purple basically."

Reportedly, little Malti ultimately spent nearly 100 days in a neonatal intensive care unit, and Nick said that the situation felt perilous at one point in time.Talking about it, he shared, "These angels at the NICU, kind of, resuscitated her in that moment and got her taken care of really quickly and intubated (her) and everything else. Because it was COVID times, my wife and I would basically do 12-hour shifts at the hospital for three and a half months.

Deepika Padukone on watching Ranveer Singh's 'Dhurandhar 2: The Revenge' before others

Bollywood superstar Deepika Padukone has finally reacted to the severe backlash she has been facing for not promoting her husband, Ranveer Singh's, blockbuster movie, Dhurandhar 2: The Revenge.

Deepika revealed that she had seen Dhurandhar 2: The Revenge way before anyone else did, further backfiring at the social media post who questioned her intentions.

The post, on which Deepika commented, was seen running a poll asking netizens whether her silence throughout the movie campaign was "over analysing" or a "calculated snub."

Deepika replied, "The latter my friend... P.S. I watched it way before any of you did

Now who is the joke on?"

The superstar had earlier remained silent throughout the trolling around her approach towards the movie's blockbuster success, and finally has responded to the post on Instagram that questioned her absence.

For the uninitiated, Deepika had also sparked a massive social media debate after she was seen absent from the special screening of Dhurandhar 2: The Revenge.

The actress, however, was spotted attending a concert in Mumbai with her husband, which further raised many eyebrows. Several users on social media went on to question her absence from the film's screening, with them criticising the actress and drawing comparisons with her other public outing.

One user wrote, "Deepika Padukone with her in-laws today at a private event in Mumbai. But did you guys see Deepika watching Dhurandhar: The Revenge? NO!! Why can't she support her husband's film? I'm not against Deepika, but something is very fishy."

Deepika Padukone had also been facing online backlash for not sharing any social media post in support of Ranveer Singh or his movie 'Dhurandhar-2- The Revenge'.

Pointing this out, one of the social media users wrote, "Deepika Padukone wrote long paragraphs on Instagram about Gaza and JNU, but didn't post even a single story to congratulate her husband Ranveer Singh and the Dhurandhar 2 cast on their success. Speaks volumes!!"

दैनिक
बुलन्द मंज़िल
हाथरस/बिजनौर/रामपुर
संभल
शुक्रवार, 10 अप्रैल 2026
Daily Bilingual News Paper (Hindi & English)

मिर्जा मुल्तानी वेलफेयर सोसायटी की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। मिर्जा मुल्तानी वेलफेयर सोसाइटी के जिम्मेदारान लोगों की एक आल इंडिया मीटिंग नगीना में रईस मो नासिर के नूरसराय स्थित आवास पर आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वयोवृद्ध शिक्षाविद् मोहम्मद दाऊद मुल्तानी ने की और संचालन डाक्टर नसीम एवं मोहम्मद सिद्धिक ने किया।बिरादरी के अखिल भारतीय अध्यक्ष मोहम्मद उसमान एवं सलीम ने बिरादरी की खुशहाली,तरक्की और इत्तेहाद व इत्तेफाक को लेकर अपने खयालात का इजहार फरमाया। संस्था के सभी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए विभिन्न पदाधिकारियों ने अपने अपने विचारों को रखा।दिल्ली से पधारे सगीर साहब,इस्माईल , अब्दुल हमीद एवं असगर साहब अपने विचारों से अवगत कराया।शामली से खलील,खतौली से मुबीन,अफजाल, आबिद एडवोकेट, मो शाहिद,बुढ़ाना से जाकिर,सरधना से इस्माईल,दिल्ली से सगीर,मो अगर, यूसुफ , सलीम,मुबीन,पानीपत से सनव्वर,अब्दुल गफ्फार,अब्दुल हमीद, मुजफ्फरनगर से अनीस,नजीबाबाद से समी,धामपुर से आसिफ,साजिद, सरफराज आबिद तथा कोटद्वार से खलील ने अपने खयालात का इजहार किया। बैठक में मोहम्मद आसिम, आदिल, इकरार,आबिद,जीशान, अजीम, वसीम, जावेद,शमशाद,मो शहजाद, खलीक,इमरान,वहाब,अराउफ,नासिर खान, अब्दुल मालिक,मो नासिर,मो शफी,रईस अहमद एवं नसीम साहब सभी आगंतुकों को उपहार देकर मेहमानों को रुखसत किया। सभा के सफल संचालन तथा मेहमान नवाजी के लिए नगीना की टीम के सभी ने प्रशंसा की।

हाथरस में आयुर्वेदिक फैक्ट्री में घुसकर पूर्व कर्मचारी ने मांगी 5 लाख की रंगदारी, महिला संचालिका को जान से मारने की धमकी

-दिव्यांग पीड़िता दहशत में, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात; पुलिस जांच में जुटी

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

हाथरस। कोतवाली हाथरस गेट क्षेत्र में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां आयुर्वेदिक फैक्ट्री की महिला संचालिका से पूर्व कर्मचारी ने अपने साथियों के साथ मिलकर पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगी और जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता निवेदिता मोहता, जो औद्योगिक एस्टेट अलीगढ़ रोड की निवासी हैं, की लहरा रोड पर आयुर्वेदिक दवा फैक्ट्री है। उन्होंने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 8 अप्रैल की दोपहर करीब 2:30 बजे पूर्व कर्मचारी हर्ष शर्मा अपने साथियों आकाश, संजय और योगेन्द्र के साथ जबरन फैक्ट्री में घुस आया। आरोप है कि सभी आरोपी हथियारों से लैस थे और गाली-गलौज करते हुए पांच लाख रुपये की रंगदारी मांगने लगे। विरोध करने पर उन्होंने पीड़िता और उनके पुत्र राजवंश मोहता को जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर फैक्ट्री के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंच गए, जिसके बाद आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गए। पूरी घटना फैक्ट्री में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जो जांच में अहम साक्ष्य मानी जा रही है। घटना के बाद से दिव्यांग पीड़िता भयभीत हैं। उन्होंने थाना हाथरस गेट में शिकायत देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और अपनी सुरक्षा की मांग की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जल,जंगल और जमीन से जुड़ाव में छिपी है सच्ची खुशी मांगेराम चौहान

दैनिक बुलंद मंजिल
यासिर शम्सी।

नगीना। आधुनिक भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां लोग महंगी चीजों में खुशी तलाशते हैं,वहीं राम चौहान ने प्रकृति से जुड़ाव को सच्ची खुशी का सबसे सरल तरीका बताया है।उनका कहना है कि जंगल,नदियां, पक्षियों की चहचहाहट और खुला आसमान मन को शांति और सुकून देते हैं।उन्होंने बताया कि वैज्ञानिक शोध भी यह साबित करते हैं कि प्रकृति के बीच समय बिताने से तनाव कम होता है और मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। भारतीय संस्कृति में भी प्रकृति को माता का दर्जा दिया गया है और इसके साथ सामंजस्य को ही जीवन का आधार माना गया है।मांगे राम चौहान ने लोगों से अपील की कि वे रोजाना कुछ समय प्रकृति के बीच बिताएं, पौधे लगाएं और पर्यावरण संरक्षण में भाग लें।उनका कहना है कि जब हम प्रकृति की रक्षा करते हैं,तभी प्रकृति हमारी खुशी और संतुलन बनाए रखती है।

सांसद चंद्रशेखर आजाद ने मदरसा शिक्षकों के लंबित मानदेय का मुद्दा उठाया

अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र भेजकर त्वरित कार्रवाई की मांग की

दैनिक बुलंद मंज़िल/
उप जिला प्रभारी
मौहम्मद फैजान

धामपुर। नगीना लोकसभा क्षेत्र से सांसद एडवोकेट चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर प्रदेश के मदरसों में कार्यरत शिक्षकों के लंबित मानदेय भुगतान और मदरसा आधुनिकीकरण योजना की पुनर्बहाली को लेकर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया है। उन्होंने अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र भेजकर इस संबंध में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। सांसद द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि मदरसा आधुनिकीकरण योजना वर्ष 1993 से संचालित है, जिसका उद्देश्य अल्पसंख्यक समाज के बच्चों को आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है। लेकिन वर्तमान में इस योजना के तहत कार्यरत लगभग 22,000 मदरसा शिक्षक गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं।

पत्र के अनुसार, वर्ष 2017 से 2022 तक केंद्र सरकार द्वारा दिए जाने वाले 12,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय का भुगतान अब तक लंबित है। इसके अतिरिक्त राज्य सरकार द्वारा दिए जाने वाले 3,000 रुपये प्रतिमाह का मानदेय भी लंबे समय से बकाया बताया गया है। सांसद ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि मानदेय न मिलने के कारण हजारों शिक्षक और उनके परिवार आर्थिक तंगी और मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं। कई शिक्षकों की असमय मृत्यु की खबरें भी सामने आई हैं, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि लंबित भुगतान को शीघ्र जारी किया जाए और मदरसा आधुनिकीकरण योजना को पुनः प्रभावी रूप से लागू किया जाए, ताकि शिक्षकों को नियमित मानदेय मिल सके और योजना के मूल उद्देश्य को पूरा किया जा सके।सांसद ने इस मामले में जल्द हस्तक्षेप कर आवश्यक निर्देश जारी करने की अपील की है, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिल सके।

एमवीएएसएमसी में रैगिंग का मामला उजागर, 11 छात्र निलंबित

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

बिजनौर। जिले के महात्मा विदुर स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय (एमवीएएस एमसी) में एमबीबीएस प्रथम वर्ष के एक छात्र के साथ रैगिंग का गंभीर मामला सामने आया है। यह घटना करीब डेढ़ महीने पहले हुई थी, जिसे कॉलेज प्रशासन ने लंबे समय तक आंतरिक मामला मानकर दबाए रखने का प्रयास किया।

सूत्रों के अनुसार, शुरूआत में कॉलेज प्रबंधन ने इस मामले को संस्थान के भीतर ही सुलझाने की कोशिश की, लेकिन पीड़ित छात्र ने हिम्मत दिखाते हुए इसकी शिकायत राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) की एंटी-रैगिंग हेल्पलाइन पर दर्ज कराई। इसके बाद एनएमसी के हस्तक्षेप से कॉलेज प्रशासन को जांच कर कार्रवाई करनी पड़ी।

जांच के बाद एंटी-रैगिंग कमेटी ने एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के 11 छात्रों को दोषी पाया। इनमें से एक छात्र को 10 हजार रुपये जुमार्ना और छह सप्ताह का निलंबन, एक अन्य को 10 हजार रुपये जुमार्ना और चार सप्ताह का निलंबन तथा एक छात्र को पांच हजार रुपये जुमार्ना और दो सप्ताह का निलंबन दिया गया। इसके अलावा आठ अन्य छात्रों को दो सप्ताह के लिए निलंबित किया गया है।

हालांकि, कुछ विद्यार्थियों का कहना है कि इन दोषी ठहराए गए छात्रों में कुछ ऐसे भी हैं जो रैगिंग में शामिल नहीं थे, बल्कि संयोगवश मौके पर मौजूद थे। घटना का पीड़ित छात्र अभी तक मानसिक प्रताड़ना के असर से पूरी तरह उबर नहीं पाया है। बताया जा रहा है कि वह दूसरे प्रदेश का निवासी है और इस घटना ने उसके मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है। कॉलेज प्रशासन का दावा है कि छात्र की कई बार काउंसलिंग कराई जा चुकी है और वह की गई कार्रवाई से संतुष्ट है।

इस मामले पर महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. तुहिन वशिष्ठ ने कहा कि संस्थान में रैगिंग के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई गई है। उन्होंने बताया कि आंतरिक जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद लगभग एक माह पहले ही कार्रवाई कर दी गई थी और सभी छात्रों के अभिभावकों को भी बुलाया गया था।

फिलहाल कॉलेज प्रशासन प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए सुरक्षित और सकारात्मक माहौल सुनिश्चित करने के प्रयास में जुटा हुआ है।

सीएचसी स्योहारा में आयोजित हुई डेटा वैलिडेशन कमेटी की बैठक

दैनिक बुलंद मंज़िल
मौहम्मद फैजान

स्योहारा (बिजनौर)। गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा में डाटा वैलिडेशन कमेटी की बैठक जिला स्तरीय अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता लखनऊ से आए राइज ट्रेनिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री सुनील कुमार ने की, जबकि सीजेएसआई बिजनौर के डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर श्री अमित कुमार भी विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर ने शेष बचे कर्मचारियों का राइज प्रशिक्षण शीघ्र पूर्ण कराए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि ब्लॉक स्योहारा में लगभग सभी कर्मचारियों का प्रशिक्षण पूरा हो चुका है और केवल एक कर्मचारी का प्रशिक्षण शेष है, जिसे जल्द ही पूर्ण कर लिया जाएगा। डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर अमित कुमार ने राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जीरो डोजर बच्चों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्यू एवं ओवरड्यू बच्चों के टीकाकरण की स्थिति पर विस्तार से चर्चा करते हुए शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही हेड काउंट सर्वे की रिपोर्ट जमा होने के बाद उसके सत्यापन (वेरिफिकेशन) के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान सीएचसी अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने सभी संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि कार्य में लापरवाही बरतने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में सभी पीएचसी के प्रभारी चिकित्साधिकारी, डाटा एंट्री ऑपरेटर, बीपीएम एवं बीसीपीएम ने भाग लिया। बैठक में मासिक प्रगति, लाभार्थी एवं सर्विस प्रोवाइडर भुगतान रिपोर्ट की समीक्षा की गई।

इसके अतिरिक्त यह निर्णय लिया गया कि ब्लॉक स्तर पर डाटा वैलिडेशन कमेटी की बैठक प्रत्येक माह नियमित रूप से आयोजित की जाएगी। अब टीकाकरण की समीक्षा यू-विन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि ब्लॉक के सभी चिकित्सा अधिकारी प्रतिदिन टेलीकंसल्टेशन के माध्यम से मरीजों को परामर्श देंगे, जिससे वृद्धजन, दिव्यांग और गर्भवती महिलाओं को घर बैठे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके।

इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार, एआरओ आलोक कुमार, हेल्थ सुपरवाइजर वीर सिंह, राजेश कुमार, फार्मासिस्ट जितेंद्र रावत, प्रदीप रावत, हरीश कुमार, योगेश कुमार, बीपीएम शालिनी बिश्नोई, बीएएम हरिओम, डीईओ अनम, राशि सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

हाथरस: खाद के लेन-देन को लेकर किसान से मारपीट, बंधक बनाने और धमकी देने का आरोप

-पीड़ित ने प्रशासन से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की लगाई गुहार

अनिल चौधरी, बुलंद मंजिल

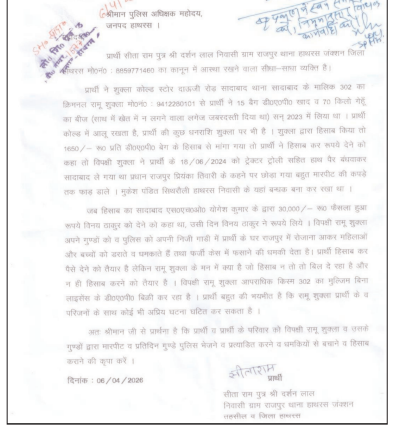

हाथरस जनपद के थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के ग्राम राजपुर निवासी सीताराम ने सादाबाद क्षेत्र के एक कोल्ड स्टोर संचालक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार वर्ष 2023 में उसने शुक्ला कोल्ड स्टोर, दाऊजी रोड सादाबाद के मालिक रामू शुक्ला से 15 बैग डीएपी खाद और 70 किलो गेहूं का बीज खरीदा था। सीताराम का कहना है कि वह कोल्ड स्टोर में आलू भी रखता है और उसकी कुछ धनराशि भी संचालक पर बकाया है। आरोप है कि जब हिसाब किया गया तो उससे प्रति बैग 1650 रुपये की दर से अधिक पैसे मांगे गए। पीड़ित के अनुसार, 18 जून 2024 को उसे ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित पकड़कर सादाबाद ले जाया गया, जहां उसके साथ मारपीट की गई, कपड़े फाड़ दिए गए और उसे बंधक बनाकर रखा गया। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि उसे मुकेश पंडित नामक व्यक्ति के यहां बंधक बनाकर रखा गया और बाद में स्थानीय जनप्रतिनिधि के हस्तक्षेप से छोड़ा गया। मामले में थाना सादाबाद में समझौते के दौरान 30,000 रुपये देने की बात तय हुई, जिसे विनय ठाकुर को दे दिया गया। सीताराम का आरोप है कि इसके बावजूद रामू शुक्ला अपने साथियों और पुलिसकर्मियों के साथ निजी वाहन से उसके घर पहुंचकर परिवार को डराता-धमकाता है और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी देता है। पीड़ित का कहना है कि वह पूरा हिसाब कर पैसे देने को तैयार है, लेकिन विपक्षी न तो सही बिल दे रहा है और न ही स्पष्ट हिसाब कर रहा है। पीड़ित ने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित व्यक्ति बिना लाइसेंस के डीएपी खाद की बिक्री कर रहा है। खुद को और परिवार को खतरा बताते हुए उसने प्रशासन से सुरक्षा और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

प्रशासन से मांगः

पीड़ित ने अधिकारियों से अनुरोध किया है कि उसे और उसके परिवार को सुरक्षा प्रदान की जाए, मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोनों पक्षों के बीच सही हिसाब कराया जाए।

मनौना धाम सरकार पहुचे तंजानिया अफ्रीका , श्याम भक्तो ने किया स्वागत

तंजानिया पहुचने पर मनौना धाम महंत श्री ओमेन्द्र महाराज का हुआ भव्य स्वागत

दैनिक बुलंद मंजिल/
विनोद गुप्ता

रामपुर । विश्व विख्यात श्री श्याम मंदिर मनौना धाम के महंत श्री ओमेन्द्र महाराज 9 अप्रैल 2026 को भारतीय समयानुसार दोपहर 2 बजे के लगभग तंजानिया पहुचे तंजानिया के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा जूलियस न्येरेरे दार अस सलाम पर सांसद श्री भगवान जी भाई मेइसुरिया और श्री सुनील भाई मेइ सुरिया तथा श्याम भक्तो ने महंत जी महाराज का भव्य स्वागत कर वाबा श्याम के जयकारे लगाए , तंजानिया हवाई अड्डा पर महंत जी महाराज की एक झलक पाने को श्याम भक्त वेताव दिखे महंत जी महाराज तंजानिया मे 9 अप्रैल से 15 अप्रैल तक भारत की हिंदू सनातन संस्कृति का प्रचार प्रसार करेगे तथा वाबा श्याम की कृपा का दरवार लगा कर श्याम भक्तो को आशीर्वाद देगे तंजानिया पूर्वी अफ्रीका में स्थित एक प्राकृतिक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध देश है जिसकी राजधानी डोडोमा और सबसे वडा शहर दार अस सलाम है यह हिंद महासागर के तट पर स्थित है तंजानिया के उत्तरी भाग में इथोपिया केन्या और यूगांडा देश है तंजानिया देश बहुत गरीब देश है यह के लोग हर धर्म को बेहद सम्मानपूर्ण दर्जा देते है हर धर्म के लोग रहते हैं तथा यहा भारी संख्या मे भारतीय हिन्दू निवास तथा व्यापार करते हैं यहा हिन्दू के सनातन मंदिर है प्रसिद्ध स्वामी नारायण मंदिर है जहा होली दीपावली नवरात्रि हिन्दू त्योहार धूमधाम से मनाए जाते है।

भाजपा नेता ने की नवागत एसपी से शिष्टाचार भेंट

दैनिक बुलंद मंजिल

सैफनी। रामपुर जनपद के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक सोमेंद्र मीना द्वारा कार्यभार ग्रहण करने के बाद उनसे मुलाकात करने और स्वागत करने वालों का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर सैफनी निवासी भाजपा के पूर्व ज़िला सह.संयोजक बुनकर प्रकोष्ठ वसीम अहमद अंसारी ने एसपी कार्यालय पहुंचकर उनसे शिष्टाचार भेंट की।मुलाकात के दौरान नवागत एसपी को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और जनपद में सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। एसपी ने आभार व्यक्त किया